# सर्व शिक्षा अभियान

## संशोधित वार्षिक कार्ययोजना

## 2001 - 2002

## जनपद — नैनीताल

# अनुक्रमणिका


| | |
|---|---|
| अध्याय – 1 | जिले की पृष्ठभूमि |
| अध्याय – 2 | वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य |
| अध्याय – 3 | नियोजन प्रक्रिया |
| अध्याय – 4 | सर्वशिक्षा अभियान का लक्ष्य, उद्देश्य तथा जनपद के परिप्रेक्ष्य में विवेचना |
| अध्याय – 5 | योजना क्रियान्वयन, कठिनाइयाँ एवं निवारण |
| अध्याय – 6 | परियोजना प्रबंधन |
| अध्याय – 7 | समन्वयन एवं सहयोग |
| अध्याय – 8 | विशिष्ठ आवश्यकता समूह |
| अध्याय – 9 | वार्षिक कार्य योजना तथा परियोजना का बजट |
| | परिशिष्ठ |

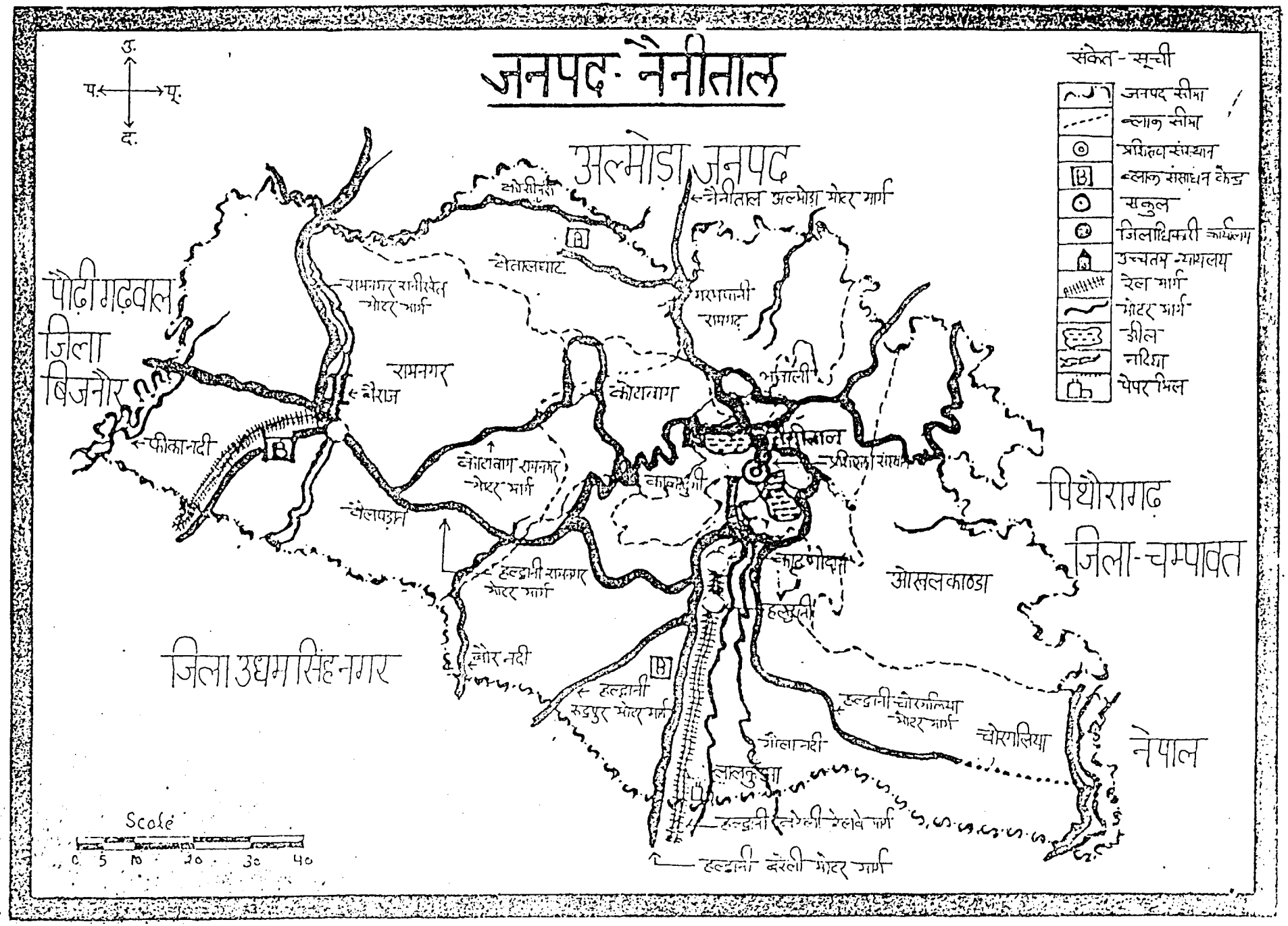

जनपद- नैनीताल
उ.
प.
पू.
द.
संकेत - सूची
जनपद सीमा
ब्लाक सीमा
प्रशिक्षण संस्थान
ब्लाक संसाधन केन्द्र
संकुल
जिलाधिकारी कार्यालय
उच्चतम न्यायालय
रेल मार्ग
मोटर मार्ग
झील
नदियां
पेपर मिल
अल्मोड़ा जनपद
नैनीताल अल्मोड़ा मोटर मार्ग
पौढ़ी गढ़वाल
जिला
बिजनौर
रामनगर रानीखेत मोटर मार्ग
बेतालघाट
रामनगर
बैराज
कोटाबाग
फीका नदी
कोटाबाग रामनगर मोटर मार्ग
हल्द्वानी रामनगर मोटर मार्ग
भीमताल
धारी
ओखलकाण्डा
पिथौरागढ़
जिला-चम्पावत
जिला उधमसिंहनगर
हल्द्वानी
हल्द्वानी रुद्रपुर मोटर मार्ग
हल्द्वानी चोरगलिया मोटर मार्ग
चोरगलिया
नेपाल
गौला नदी
लालकुआं
हल्द्वानी बरेली रेलवे मार्ग
हल्द्वानी बरेली मोटर मार्ग
Scale
0 5 10 20 30 40

# DISTRICT – NAINITAL (नजरी नक्शा)

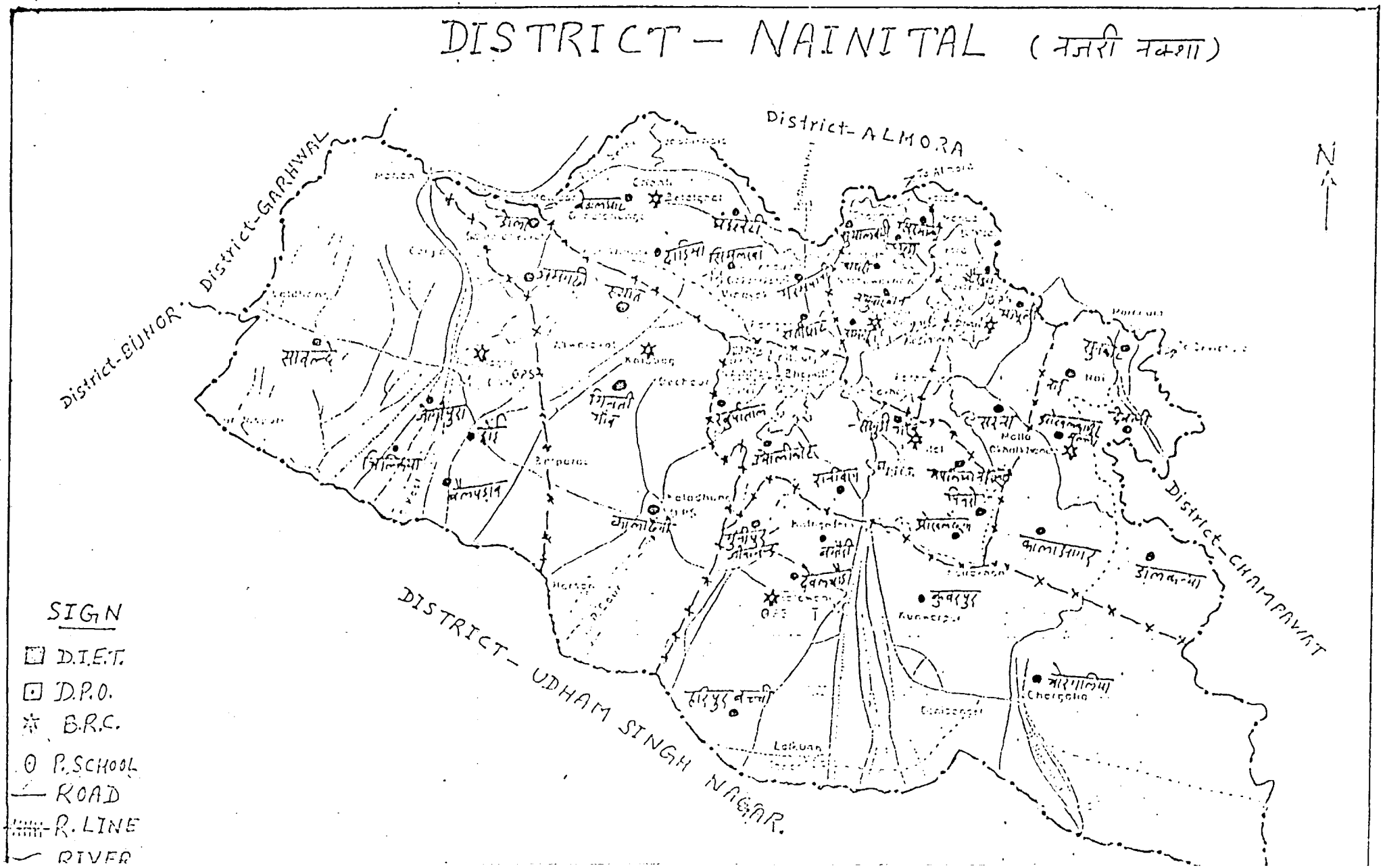

# अध्याय –1

# जिले की पृष्ठभूमि

## 1.1 भौगोलिक परिदृश्य

जनपद नैनीताल के उत्तर में जनपद अल्मोड़ा, दक्षिण में उधम सिंह नगर, पूर्व में जनपद चम्पावत तथा पश्चिम में जनपद पौड़ी की सीमाएँ है। जनपद का कुल क्षेत्रफल 3422 वर्ग किमी है। जनपद अक्षांशीय विस्तार 28 डिग्री से 29 डिग्री उत्तर तथा देशान्तर विस्तार 78 डिग्री पूर्व है। जनपद का लगभग तीन चौथाई भाग पहाड़ी है तथा एक चौथाई भाग भावर क्षेत्र में आता है। पहाड़ी क्षेत्रान्तगर्त मुख्य रूप से चार विकास खण्ड क्रमशः ओखलकाण्डा, बैतालघाट रामगढ़ तथा धारी है। पर्वतीय क्षेत्र में रोजगार के अवसर न्यून हैं। भूमि पथरीली होने के कारण कृषि के लिए बहुत उपयोगी नहीं है। विकास खण्ड हल्द्वानी, रामनगर तथा कोटाबाग, जो भावर क्षेत्र में आते हैं कृषि के लिए उपयोगी है।

जनपद की मुख्य सरोवर नैनीताल, भीमताल, नौकुचियाताल, सातताल, हरीशताल, खुर्पाताल, नलदमयन्तीताल एवं सड़ियाताल हैं। जनपद की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पर्वतीय क्षेत्र एवं मैदानी क्षेत्र की जलवायु में भी भिन्नता है। यहाँ जीव विविधता के अनोखे दर्शन प्राप्त होते हैं। जनपद में पाये जाने वाले वृक्षों में सुरई, चीड़, उतीस, बाँस, बुराँश, देवदार, साल, शीशम, सागौन, खैर, खरसू, पाँगर, तथा अयार प्रमुख हैं इसके अतिरिक्त मेहल, ग्वाला मेहल, घिंगारू, हिसालू, काफल, कागसी, मेथुला आदि हैं।

जनपद के अन्तर्गत भवाली तथा रामगढ़ क्षेत्र में सेव, आड़ू, पुलम, खुबानी, नाशपाती आदि के बागान है। ज्योलीकोट क्षेत्र में चेरी तथा अमरूद की बागवानी की जाती है।

भावर के क्षेत्र हल्द्वानी, रामनगर तथा कोटाबाग में आम, लीची तथा अमरूद आदि के बाग है। उक्त वृक्षों के अतिरिक्त जनपद के पर्वतीय क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों की वनस्पतियाँ पायी जाती हैं जिनमें से कतिपय वनस्पतियों का उपयोग औषधियों के रूप में किया जाता है।

नैनीताल एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के आसपास कुछ ऐसे पक्षी पाये जाते हैं जो बहुत ही आकर्षक हैं। इन में काला गिद्ध, भूरा–पीला गिद्ध, दाड़ी वाला गिद्ध, लाल बाज, सफेद गर्दन वाला बॉज कलंगी वाला बाज, भूरा–पीला चील, मछली खाने वाला उल्लू, गुलाबी छाती वाला तोता, मैना,

कूकू, लाल जंगली मुर्गी, बर्फानी मुर्गी, तीतर, बटेर, चकोर तथा कबूतर आदि प्रमुख हैं। नैनीताल के पर्वतीय क्षेत्र तथा बेतालघाट एवं रामनगर से मिले हुए जंगलों में बाघ, तेंदुआ, लकड़बग्घा, पॉड़ा, हिरन, बारहसिंघा, जँगली सूअर, घुरड़, काकड़ आदि प्रमुख हैं।

जनपद का मुख्यालय नैनीताल शिवालिक पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य स्थित है। यह नगर अपने प्राकृतिक सौन्दर्य के कारण भारत वर्ष का प्रमुख पर्यटन स्थल है। नगर के मध्य नैनी झील स्थित है जिसकी गहराई 15 से 90 फीट तथा क्षेत्रफल लगभग 132.5 एकड़ है। इस झील की खोज 1839 ई0 में अंग्रेज पर्यटक पी0 बैरन द्वारा की गई, नैनीताल की उचाई समुद्रतल से 1938 मीटर हैं। शहर के पूर्व में हनुमानगढ़ी का प्रसिद्ध मंदिर तथा राजकीय वेधशाला है, पश्चिम में नैनापीक, उत्तर में स्नोव्यू तथा दक्षिण में अयारपाटा की पहाड़ी स्थित है। नगर में नैनादेवी का प्राचीन मंदिर, राजभवन, रक्षालस संस्थान पटुवाडाँगर, क्षय रोगाश्रम भवाली, राष्ट्रीय स्तर की वेधशाला, प्रशासन अकादमी उत्तरांचल, उच्च न्यायालय उत्तरांचल, तथा कुमायूं विश्वविद्यालय स्थित है। नैनीताल में अंग्रेजों द्वारा सर्वप्रथम पक्का निर्माण जो भवनों के रूप में किया गया वह प्रिलग्रिम काटेज तथा उसके पश्चात विलायत काटेज के नाम से प्रख्यात भवन है ।

## 1.2 कृषि भूमि

जनपद में कुल 411112 हेक्टेअर प्रतिवेदित क्षेत्र है। इसमें 300153 हे0 वन क्षेत्र है। कृषि योग्य वन भूमि 26574 हेक्टेअर है। 50121 हेक्टेअर भूमि शुद्ध बोया गया क्षेत्र के अन्तर्गत आता है ।

सिंचाई :– जनपद में 893 किमी0 लम्बी नहरें, 83 राजकीय नलकूप हैं। इसके अतिरिक्त रामनगर क्षेत्र में बोरिंग पर लगे पम्प सेटों की संख्या 560 तथा निजी नलकूप 286 हैं। हल्द्वानी में 6 निजी नलकूप हैं। जनपद में 1149 कि0मी0 लम्बी गूलें हैं।

## 1.3 यातायात तथा संचार

जनपद में पक्की सडकों की कुल लम्बाई 2235 किमी0 है। इसमें 1521 कि0मी0 लोक निर्माण विभाग 352 कि0मी0 स्थानीय निकायों, 31 कि0मी0 सिंचाई विभाग, 47 किमी0 गन्ना विभाग तथा 284 कि0मी0 वन विभाग के अन्तर्गत है। 1879 ग्राम सब ऋतुओं में उपयोग हेतु पक्की सड़कों से जुड़े हैं। 167 स्थानों में डाकघर तथा 63 में तारघर की सुविधा उपलब्ध है। जनपद मे 5 रेलवे स्टेशन तथा 220 बस स्टेशन हैं। काठगोदाम तक उत्तर रेलवे की रेलगाड़ियां आती हैं जो जनपद मुख्यालय से 35 कि0मी0 की दूरी पर है।

## 1.4 विद्युत

जनपद में 1008 ग्राम विद्युतीकृत हैं ।

## 1.5 स्वास्थ्य सुविधाएं

जनपद में ऐलोपैथिक चिकित्सा पद्धति के राजकीय, सार्वजनिक एवं परिवार कल्याण चिकित्सालयों की संख्या 61 है। क्षयरोग निवारण हेतु 3, कुष्ठ रोग हेतु 01 तथा संक्रामक रोग हेतु 01 चिकित्सालय की सुविधा है। जनपद में 19 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (ऐलौपेथिक) उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त 24 आयुर्वेदिक चिकित्सालय तथा 6 होम्योपैथिक चिकित्सा केन्द्र भी उपलाब्ध है। जनपद में 25 परिवार एवं मातृ कल्याण केन्द्र, 134 परिवार एवं मातृ उपकेन्द्र हैं।

जनपद नैनीताल में पशु चिकित्सालय व पशुपालन केन्द्रों की संख्या 1062 है।

## 1.6 ग्रामीण एवं लघु उद्योग

जनपद नैनीताल में खादी उद्योग की 2082 इकाईयां हैं जिनमें व्यक्तिगत, उद्योगपतियों द्वारा 1861 तथा क्षेत्र समितियों द्वारा 221 इकाईयां संचालित हैं। रेशम के 8 उद्योग व हस्तशिल्प के 395 उद्योग चलाये जा रहे हैं।

## 1.7 संस्थागत वित्त

जनपद में राष्ट्रीयकृत बैंकों की 53 शाखाएं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की 19 शाखायें तथा गैर राष्ट्रीयकृत बैंकों की 08 शाखाऐं हैं।

## 1.8 खनिज

खनिज पदार्थों में चूना पत्थर (नैनीताल के समीप), जिप्सम (निहाल धारी में छापिला के समीप) एवं नदियों द्वारा भावर के समीप निपेक्षित ग्रेनाइट व बैसाल्ट पत्थर निर्माण सामग्री के रूप में प्रमुख हैं। रामगढ़, कालाढूंगी व देचौरी के समीप निम्न कोटि का लौह अयस्क पाया जाता है। दाबका नदी के समीपवर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल उपलब्ध होने की सम्भावनाएं व्यक्त की गई हैं। इस दिशा में खोज एवं अन्वेषण कार्य चल रहा है । अनुमानित सुरक्षित भण्डार–मैग्नेसाइट तथा चूना पत्थर –

चूनाखान (अधौड़ा) – 0.55 मिलियन टन

जौरासी – 9.0 मिलियन टन

## 1.9 संचालित विकास योजनायें

जनपद में विभिन्न विकास योजनायें संचालित हैं, जिनका सीधा नियंत्रण जिला प्रशासन, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण तथा विभिन्न विभागों के प्रमुखों द्वारा किया जाता है। वर्तमान में जनसमृद्धि की निम्नलिखित योजनायें संचालित हैं –

### इंदिरा आवास योजना

इसके अन्तर्गत गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे परिवारों को आवास हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

### आवास मरम्मत योजना

इसके योजना के अन्तर्गत गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे परिवारों को जीर्ण क्षीर्ण आवास की मरम्मत एवं शौचालय निर्माण हेतु आर्थिक सहायता दी जाती है।

### स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना

इस योजना के अन्तर्गत गरीबी रेखा के नीचे के सभी तथा गरीबी रेखा के ऊपर चयनित निर्धन परिवारों के सदस्यों को स्वरोजगार हेतु आर्थिक सहायता दी जाती है। योजना के अन्तर्गत महिला समूहों को सहकारिता के आधार पर स्वरोजगार हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जाती है, तथा मशरूम उत्पादन, दुग्ध विकास बेमौसमी सब्जी, जड़ी–बूटी उद्योग आदि से सम्बंधित व्यवसायों के लिये व्यक्तिगत रोजगार के लिये आर्थिक सहायता भी इसमें शामिल है।

### जवाहर ग्राम समृद्धि योजना (जे0 जी0 एस0 वाई0)

इस योजना में धनराशि ग्राम पंचायतों को डी0आर0डी0ए0 द्वारा उपलब्ध करायी जाती है तथा ग्राम पंचायत की खुली बैठक में योजना का चयन करके ग्रामीण बेरोजगारों को योजित कर रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।

### सुनिश्चित रोजगार योजना – (एस0आर0वाई0)

इस योजना में गरीब परिवार के एक व्यक्ति को वित्तीय वर्ष में 100 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। इसमें कृषि दिवसों के अतिरिक्त दिनों में पुल, मकान, स्कूल तथा शौचालय निर्माण के लिये गाँव के ही मजदूर लिये जाते हैं ।

## सघन कीट नियंत्रण प्रबन्धन

इस योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड की कृषि रक्षा इकाई द्वारा कम्पोस्ट का अधिक उपयोग कर रसायन खादों के प्रयोग को कम करने पर बल दिया जाता है तथा जैव नियंत्रण की जानकारी और प्रयोग पर भी प्रयास किया जाता है ।

## ग्रामीण जलापूर्ति योजना

इस योजना के अन्तर्गत जिन गांवों में पेयजल का अभाव है उनमें शुद्ध पेयजल अपूर्ति हेतु ग्रामीणों को आर्थिक सहायता दी जाती है ।

इसके अतिरिक्त जनपद में निम्नलिखित विकास योजनायें भी संचालित हैं :–

- बायोगैस विकास योजना
- धूम्र रहित चूला योजना
- अम्बेदकर विकास योजना
- निराश्रित विधवा–भरण पोषण अनुदान
- जिला विज्ञान क्लव
- स्वजल परियोजना

## समन्वित बाल विकास

इस योजना के अन्तर्गत बच्चों में कुपोषण और मृत्यु दर कम करना, गर्भवती,, धात्री महिलाओं को स्वस्थ रखने के अतिरिक्त महिलाओं तथा बच्चों का सर्वांगीण विकास भी सम्मिलित है। जनपद नैनीताल में विकास खण्ड रामगढ़, रामनगर तथा भीमताल में तीन परियोजनायें संचालित हैं ।

## 1.10 सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य

जनपद में देश के लगभग सभी प्रांतों, जातियों एवं धर्मों के लोग आकर बसे हैं। सभी स्नेह एवं सद्भावना के साथ रहते हैं। जनपद को कौमी एकता का गुलदस्ता कहकर भी संबोधित किया जाता है। जनपद के रामनगर जिम कार्बेट पार्क, नैनीताल, भवाली, भीमताल, नौकुचियाताल सात ताल रामगढ़, पर्यटन स्थल हैं। जिनमें काफी संख्या में स्थानीय लोग पर्यटन संबंधी उद्योग

से जुड़े हैं। जनपद के कतिपय क्षेत्र दुग्ध विकास योजना से लाभान्वित हैं। रामगढ़ व भवाली क्षेत्र फल उद्यान तथा गरमपानी, बेतालघाट एवं पदमपुरी क्षेत्र सब्जी उत्पादन से जुड़ा है। पदमपुरी, कैंची, भीमताल के कुछ स्थानों में ग्रामवासी फलोरिकल्चर से भी जुड़े हुए हैं।

## 1.11 दर्शनीय स्थल

विकास खण्ड भीमताल के घोड़ाखाल स्थान पर गोलू देवता का प्राचीन मन्दिर है। मान्यता है कि गोलू देवता न्यायप्रिय देवता हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी न्याय दिलाने में समर्थ हैं। घोड़ाखाल में एक अखिल भारतीय सैनिक स्कूल स्थित है जो भारतवर्ष के 18 सैनिक स्कूलों में से एक हैं भीमताल में श्री भीमेश्वर महादेव का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। भीमताल नगर में पौराणिक कथनानुसार च्यवन ऋषि का आश्रम भी स्थित था जिस स्थान पर वर्तमान समय में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान स्थित है ।

ऐसी मान्यता है कि विकास खण्ड रामनगर के ढिकुली नामक स्थान पर महाभारत काल का विराट नगर स्थित था । रामनगर क्षेत्र में वन्य जीवों के संरक्षण का एक राष्ट्रीय उद्यान है। जिसका नाम अंग्रेज शिकारी के नाम पर जिम कार्वेट राष्ट्रीय उद्यान रखा गया है। उक्त उद्यान का कुछ भाग जनपद पौड़ी में आता है।

नैनीताल शहर में प्राचीन नैनादेवी का मंदिर, पाषाण देवी मंदिर, नैनापीक, किलबरी, लड़ियाकॉटा, देवपाटा, कैमल्सबैक, स्नोव्यू, राजभवन, हनुमानगढ़ी आदि दर्शनीय स्थल हैं ।

## 1.12 प्रशासनिक संरचना

प्रशासनिक व्यवस्था के अन्तर्गत जनपद 06 तहसीलों, 08 विकास खण्डों, 44 न्याय पंचायतो, 442 ग्राम पंचायतों में विभाजित है।

## विकासखण्डवार तालिका नं0 1.1

| क्र0सं0 | विकास खण्ड का नाम | आबादी क्षेत्र | ग्राम पंचायतों की संख्या | न्याय पंचायतों की संख्या | आबाद ग्राम | गैर आबाद ग्राम | कुल ग्राम | नगर क्षेत्र | तहसील |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10) |
| 1 | ओखलकांडा | 166 | 68 | 06 | 105 | 02 | 107 | — | — |
| 2 | धारी | 97 | 34 | 04 | 52 | — | 52 | — | 01 |
| 3 | रामगढ़ | 177 | 54 | 06 | 125 | 05 | 130 | — | — |
| 4 | बेतालघाट | 154 | 59 | 06 | 127 | 06 | 133 | — | 01 |
| 5 | भीमताल | 196 | 49 | 06 | 102 | 04 | 106 | 03 | 01 |
| 6 | कोटाबाग | 142 | 40 | 05 | 114 | 01 | 115 | 01 | 01 |
| 7 | हल्द्वानी | 261 | 69 | 06 | 250 | 02 | 252 | 02 | 01 |
| 8 | रामनगर | 199 | 69 | 05 | 187 | — | 187 | 01 | 01 |
| | योग | 1392 | 442 | 44 | 1062 | 20 | 1082 | 07 | 06 |
| | वन ग्राम | — | — | — | 033 | 06 | 039 | — | — |
| | महायोग | 1392 | 442 | 44 | 1095 | 26 | 1121 | 07 | 06 |

स्रोत : जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी,

## 1.13 प्रशासनिक संरचना – जनपद नैनीताल

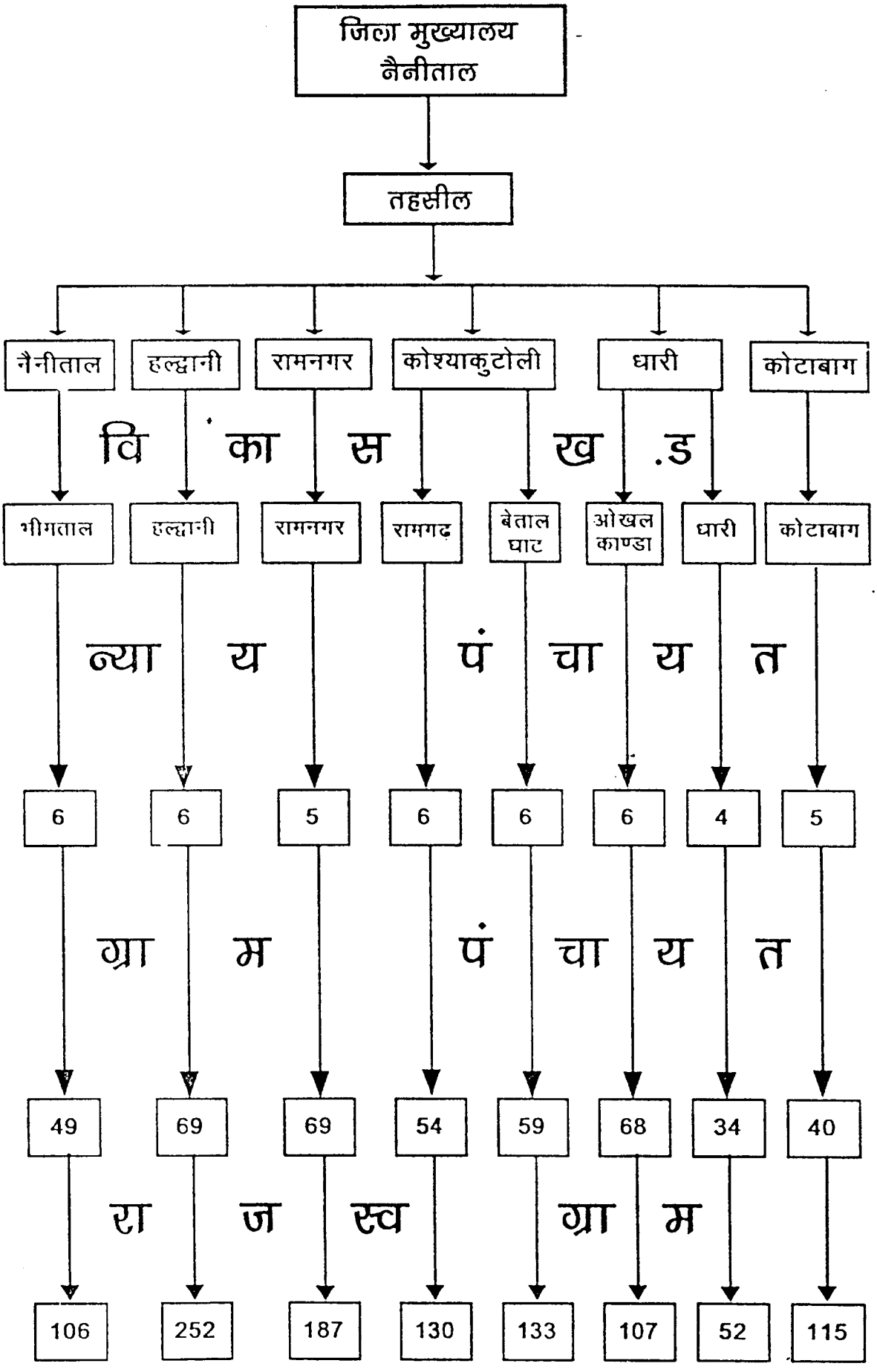

## 1.14 जनसंख्या परिदृश्य

जनगणना 1991 के अनुसार जनपद नैनीताल की कुल आबादी 5,82,729 थी जिसमें पुरूष 3,10,061 तथा महिलाऐं 2,72,668 सम्मिलित थे। ग्रामीण क्षेत्र में 3,48,198, नगर क्षेत्र में 1,90,989 तथा वन क्षेत्र में 43,542 लोग निवास करते थे। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार जनपद नैनीताल की कुल आबादी 7,62,912 है जिसमें 4,00,336 पुरूष तथा 3,62,576 महिलाऐं हैं। ग्रामीण क्षेत्र की कुल आबादी 4,93,126 है। जिसमें 2,56,642 पुरूष तथा 2,36,484 महिलाऐ हैं। शहरी क्षेत्र में कुल आवादी 2,69,786 है जिसमें 1,43,694 पुरूष तथा 1,26,092 महिलाऐं हैं।

जनपद में 85.35 प्रतिशत लोग हिन्दी, 6.68 प्रतिशत उर्दू, 4.47 प्रतिशत पंजाबी, 1.68 प्रतिशत वंगाली, 1.82 प्रतिशत अन्य भाषाऐं बोलते हैं। 75.80 प्रतिशत हिन्दू, 15.23 प्रतिशत मुसलमान, 8.43 प्रतिशत सिक्ख तथा शेष समुदाय (बौद्ध, जैन) आदि के लोग हैं।

जनपद नैनीताल के अन्तगर्त आबादी का घनत्व 198 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है। उत्तरांचल राज्य में औसत आवादी धनत्व 159 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है।

### साक्षरता तालिका 1.2

| क्र0सं0 | कुल आवादी | | | साक्षरों की सख्या | | | साक्षरता की दर | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | पुरूष | महिला | कुल | पुरूष | महिला | कुल | पुरूष | महिला |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1. उत्तराचल 2001 | 8479562 | 4316401 | 4163161 | 5175176 | 3044487 | 2130689 | 72.28 | 84.01 | 60.26 |
| 2. नैनीताल 2001 | 762912 | 400336 | 362576 | 520133 | 299751 | 220382 | 79.60 | 87.39 | 70.93 |

स्रोत : जनगणना 2001

वर्ष 2001 की जनगणना के आधार पर जनपद नैनीताल में कुल साक्षर व्यक्तियों की संख्या 5,20,133 है जिसमें पुरूषों की संख्या 2,99,751 तथा महिलाओं की संख्या 2,20,382 है। साक्षत्ता की कुल दर 79.60 प्रतिशत है जिसमें पुरूषों की साक्षरता दर 87.39 प्रतिशत व महिलाओं की 70.98 प्रतिशत है।

अध्याय–2

# वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य

## 2.1 शैक्षिक परिदृश्य

जनपद में वर्ष 1993–94 से प्रारम्भ सभी के लिये शिक्षा परियोजनान्तर्गत, बेसिक शिक्षा परियोजना वर्ष 2000 तक संचालित की गई। उक्त अवधि में प्राथमिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार, बालक तथा बालिकाओं का विद्यालय में प्रवेश, शालात्यागी बच्चों की संख्या में गिरावट तथा विद्यालयों के भौतिक संसाधनों में अत्यधिक महत्वपूर्ण प्रगति पायी गई ।

वर्ष 93–94 से वर्ष 2001 तक गुणात्मक सुधार, छात्र नामांकन में वृद्धि, शालात्यागी बच्चों की संख्या में कमी तथा बालिकाओं के प्रवेश में वृद्धि तथा भौतिक संसाधनों के आधार पर प्रगति निम्न तालिकाओं में दर्शाया गया है ।

तुलनात्मक साक्षरता–तालिका नं0 2.1

| वर्ष | साक्षरता | | | साक्षरता प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | कुल | पुरुष | महिला | कुल | पुरुष | महिला |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1991 | 321103 | 201473 | 119630 | 68.36 | 80.42 | 54.51 |
| 2001 | 520133 | 299751 | 220382 | 79.60 | 87.39 | 70.98 |

स्रोत– जनगणना 2001

परियोजना पूर्व कुल साक्षरता प्रतिशत 68.36 था जो परियोजनावधि में 79.60 प्रतिशत हो गया जिसमें महिला साक्षरता प्रतिशत में 16.47 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो पुरूषों की साक्षरता प्रतिशत से लगभग 10 प्रतिशत अधिक है। महिला साक्षरता की अधिकता के संदर्भ में जनपद नैनीताल उत्तरांचल राज्य के 13 जनपदों में दूसरे स्थान पर है।

# जनपद – नैनीताल

## विकास खण्डवार जनसंख्या

### तालिका नं0 2.2

| क्र.सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | जनसंख्या 1991 | | | जनसंख्या 2001(अनुमानित) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पुरुष | महिला | योग | पुरुष | महिला | योग |
| 1 | ओखलकाण्डा | 19313 | 18227 | 37540 | 24086 | 23180 | 47266 |
| 2 | धारी | 12786 | 11756 | 24542 | 15946 | 14951 | 30897 |
| 3 | रामगढ | 17209 | 15994 | 33203 | 21462 | 20340 | 41802 |
| 4 | बेतालघाट | 17805 | 17658 | 35463 | 22205 | 22457 | 44662 |
| 5 | भीमताल | 19747 | 17792 | 37539 | 24627 | 22627 | 47254 |
| 6 | कोटाबाग | 17620 | 16575 | 34195 | 21974 | 21079 | 43053 |
| 7 | हल्द्वानी | 48024 | 42079 | 90103 | 59891 | 53514 | 113405 |
| 8 | रामनगर | 29213 | 26400 | 55613 | 36432 | 33574 | 70006 |
| | वनक्षेत्र | 24071 | 19471 | 43542 | 30019 | 74762 | 54781 |
| | योग ग्रामीण | 205788 | 185952 | 391740 | 256642 | 236484 | 493126 |
| | नगर क्षेत्र | 104273 | 86716 | 190989 | 143694 | 126092 | 269786 |
| | महायोग | 310061 | 272668 | 582729 | 400336 | 362576 | 762912 |

स्रोत– जनसंख्या 1991, 2001

जनपद में वर्ष 1991 से वर्ष 2001 तक कुल जनसंख्या 30.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है इसमें 29.11 पुरुष एवं 32.97 महिलाओं का प्रतिशत है ।

# जनपद नैनीताल

## साक्षरता व साक्षरता प्रतिशत (अनुमानित)

### तालिका नं0 2.2 A

| क्र. सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र | साक्षर व्यक्तियों की संख्या (2001) | | | साक्षरता प्रतिशत | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग |
| 1 | ओखलकाण्डा | 17105 | 13762 | 30867 | 71.0 | 59.37 | 65.3 |
| 2 | धारी | 12278 | 8046 | 20324 | 76.99 | 53.8 | 65.77 |
| 3 | रामगढ | 19018 | 13561 | 32579 | 88.6 | 66.67 | 77.9 |
| 4 | बेतालघाट | 17922 | 14665 | 32587 | 80.71 | 65.30 | 72.96 |
| 5 | भीमताल | 23650 | 15713 | 39363 | 96.0 | 69.44 | 83.3 |
| 6 | कोटाबाग | 18248 | 14930 | 33178 | 83.04 | 70.82 | 77.06 |
| 7 | हल्द्वानी | 59139 | 44750 | 103889 | 98.74 | 83.62 | 91.6 |
| 8 | रामनगर | 29428 | 24077 | 53505 | 87.65 | 71.71 | 76.42 |
| | योग ग्रामीण | 196788 | 149504 | 346292 | 86.83 | 70.61 | 78.99 |
| | वन क्षेत्र | 15186 | 12139 | 27325 | 50.58 | 49.02 | 49.88 |
| | नगर क्षेत्र | 129790 | 106192 | 235982 | 90.32 | 84.2 | 87.47 |
| | महायोग | 341764 | 267835 | 609599 | 85.36 | 73.87 | 79.9 |

जनपद का कुल अनुमानित साक्षरता प्रतिशत 79.9 है इसमें 85.36 पुरूष एवं 73.87 महिलाओं का प्रतिशत है सबसे अधिक साक्षरता का प्रतिशत विकास खण्ड हल्द्वानी में 91.6 है तथा सबसे कम विकास खण्ड ओखलकाण्डा में 65.3 प्रतिशत है। महिला एवं पुरुषों की साक्षरता दर में 11.49 प्रतिशत का अन्तर है।

# अनुमानित साक्षरता प्रतिशत

## जनपद - नैनीताल 2.2A

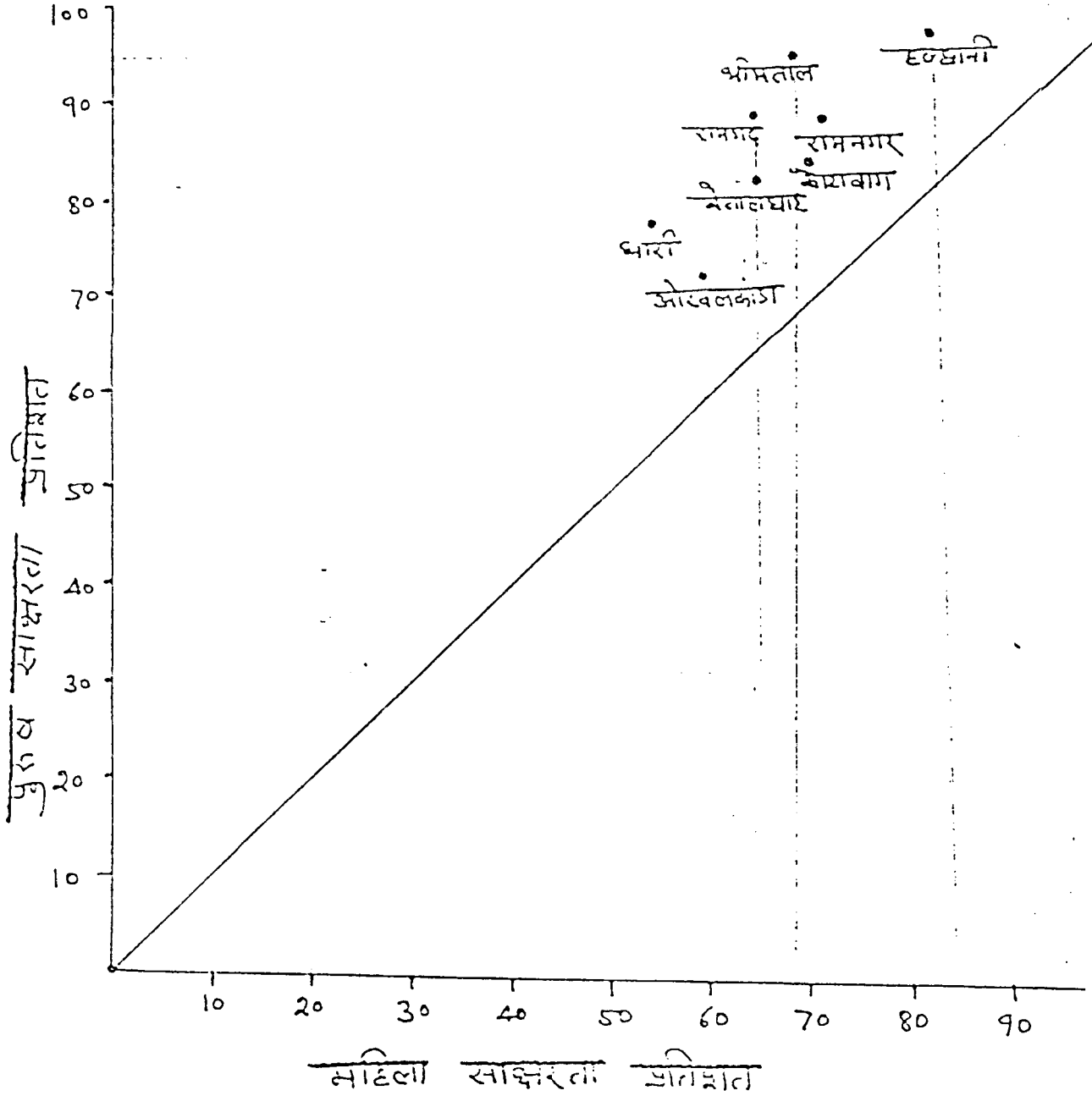

# जनपद – नैनीताल

## शैक्षिक संस्थाएं

### तालिका नं0 2.3

| | क्षेत्र | प्राथमिक विद्यालय की संख्या | | | | उ0 प्रा0 वि0 की संख्या | | | | हाइस्कूल | | | इन्टर | | | आगन वाडी केन्द्र | मकतव मदरसे | संस्कृत पाठ शाला | विकलांग | केन्द्रीय सै0वि0 | कम्प्यूटर संस्थान | आई टी. आई. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | परि0 | मा0 प्रा0 | योग | गैर मान्य | परि0 | मा0 प्रा0 | योग | अमा0 | रा0 | स0 प्रा0 | योग | रा0 | मा0 प्रा0 | योग | | | | | | | |
| 1. | ओखलकांडा | 141 | 02 | 143 | 03 | 43 | – | 43 | – | 07 | 01 | 08 | 04 | – | 04 | – | – | – | – | – | – | 01 |
| 2. | धारी | 68 | 04 | 72 | – | 17 | – | 17 | – | 05 | – | 05 | 04 | 01 | 05 | – | – | – | – | 1 | – | 01 |
| 3. | रामगढ़ | 100 | 04 | 104 | 03 | 29 | 01 | 30 | – | 05 | 01 | 06 | 06 | – | 06 | 100 | – | – | – | – | – | – |
| 4. | बेतालघाट | 123 | 03 | 126 | 08 | 31 | – | 31 | – | 05 | – | 05 | 06 | – | 06 | – | – | – | – | – | – | 01 |
| 5. | भीमताल | 130 | 07 | 138 | 08 | 37 | 01 | 38 | – | 06 | – | 06 | 06 | – | 06 | 53 | – | – | – | 01 | – | 02 |
| 6. | कोटाबाग | 82 | 08 | 90 | 07 | 25 | 02 | 27 | – | 03 | 01 | 04 | 06 | – | 06 | – | – | – | – | – | – | – |
| 7. | हल्द्वानी | 96 | 65 | 161 | – | 29 | 12 | 41 | – | 04 | – | 04 | 08 | 02 | 10 | – | – | – | – | – | – | 02 |
| 8 | रामनगर | 90 | 13 | 103 | 19 | 32 | 06 | 38 | 1 | 04 | – | 04 | 03 | – | 03 | 79 | – | – | – | 1 | – | – |
| | योग ग्रामीण | 830 | 106 | 936 | 48 | 243 | 22 | 265 | 1 | 39 | 3 | 42 | 43 | 3 | 46 | 232 | – | – | – | 03 | – | 07 |
| 1 | नगर नैनीताल | 24 | 12 | 36 | 08 | 04 | 02 | 06 | – | – | 01 | 01 | 02 | 11 | 13 | – | – | – | – | – | 2 | – |
| 2. | नगर भवाली | 03 | 02 | 05 | 03 | – | 03 | 03 | – | – | – | – | 1 | 1 | 02 | – | – | – | – | – | – | 01 |
| 3. | नगर हल्द्वानी | 24 | 47 | 71 | 21 | 06 | 25 | 31 | 8 | 1 | 1 | 02 | 2 | 12 | 14 | – | 01 | 2 | – | 1 | 2 | 02 |
| 4. | नगर रामनगर | 09 | 28 | 37 | 05 | 03 | 08 | 11 | 02 | – | – | – | 2 | 2 | 04 | – | 03 | 01 | – | – | 2 | – |
| | योग नगर | 60 | 89 | 149 | 37 | 13 | 38 | 51 | 10 | 1 | 2 | 3 | 7 | 26 | 33 | – | 04 | 03 | – | 1 | 6 | 03 |
| | महा योग | 890 | 195 | 1085 | 85 | 256 | 60 | 316 | 11 | 40 | 5 | 45 | 50 | 29 | 79 | 232 | 04 | 03 | – | 04 | 08 | 10 |

स्रोत – कार्यालय स0 बे0 शि0 अ0 व नगर शि0 अ0, नैनीताल

जनपद में वर्तमान समय में कुल 890 परिषदीय, 195 मान्यताप्राप्त कुल 1085 प्राथमिक विद्यालय, 256 परिषदीय व 60 मान्यता प्राप्त कुल 316 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 40 राजकीय, 04 सहायता प्राप्त कुल 46 हाईस्कूल 50 राजकीय, 29 सहायता प्राप्त कुल 79 इण्टरमीडिएट कालेज, 199 आंगनवाड़ी केन्द्र, 04 मदरसे, 03 संस्कृत पाठशाला, 04 केन्द्रीय व सैनिक विद्यालय संचालित हैं। इसके अतिरिक्त गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय भी संचालित है, जिसमें 6–14 वय वर्ग के बच्चे अध्ययन कर रहे है।

## छात्र संख्या के आधार पर विद्यालयों की सख्या

तालिका नं0 2.4

| क्र.सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | कुल विद्यालयों की संख्या | 1–20 तक छात्र सं0 | 21–50 तक छात्र संख्या | 51–100 तक छात्र सं0 | 101–150 तक छात्र संख्या | 151से 200 तक छात्र सं0 | 201 से 250 तक छात्र सं0 | 251 से अधिक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 1. | ओखलकांडा | 141 | 11 | 67 | 55 | 08 | – | – | – |
| 2. | धारी | 68 | 09 | 28 | 24 | 07 | – | – | – |
| 3. | रामगढ | 100 | 13 | 51 | 30 | 06 | – | – | – |
| 4. | बेतालघाट | 123 | 15 | 76 | 27 | 05 | – | – | – |
| 5. | भीमताल | 130 | 33 | 66 | 27 | 04 | – | – | – |
| 6. | कोटाबाग | 82 | 09 | 35 | 22 | 12 | 03 | – | 01 |
| 7. | हल्द्वानी | 96 | – | 24 | 29 | 22 | 09 | 03 | 09 |
| 8. | रामनगर | 90 | 01 | 18 | 29 | 18 | 13 | 07 | 04 |
| | **योग ग्रामीण** | **830** | **91** | **365** | **243** | **82** | **25** | **10** | **14** |
| 1. | नगर नैनीताल | 24 | 05 | 10 | 08 | 01 | – | – | – |
| 2. | नगर भवाली | 03 | 01 | 01 | 02 | – | – | – | – |
| 3. | नगर हल्द्वानी | 24 | – | 01 | 05 | 05 | – | 05 | 08 |
| 4. | नगर रामनगर | 09 | 01 | – | 02 | – | – | 04 | 02 |
| | **योग नगर** | **60** | **06** | **12** | **17** | **06** | – | **09** | **10** |
| | **महायोग** | **890** | **97** | **377** | **260** | **88** | **25** | **19** | **24** |
| | **प्रतिशत** | – | **10.89** | **42.35** | **29.21** | **9.88** | **2.80** | **2.13** | **2.69** |

स्रोत – कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि 1 से 20 तक छात्र संख्या वाले विद्यालयों की संख्या 97 है जो कुल विद्यालयों की संख्या का 10.89 प्रतिशत है।

उक्त 97 विद्यालयों के समीप 1 से 1.5 कि0मी0 की परिधि में स्थित प्राथमिक विद्यालय/विद्यालयों का एक समूह बनाया गया है जिसमें केन्द्रीय स्थल पर तथा अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालय में, 1 से 20 तक की छात्र संख्या वाले विद्यालय से कक्षा–3, 4 तथा 5 के छात्रों को भेजा जाना प्रस्तावित किया गया है। जिस विद्यालय के कक्षा–3, 4 तथा 5 के छात्र केन्द्रीय विद्यालय में भेजे जायेंगे उन विद्यालयों से एक शिक्षक भी छात्रों के साथ भेजा जावेगा। जिससे केन्द्रीय विद्यालय में कक्षा 1 से 5 तक छात्र संख्या में वृद्धि होने पर 4 से 5 तक अध्यापकों की संख्या 29 हो जावेगी तथा इससे प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था व शिक्षण गुणवत्ता में सुधार हेतु उक्त प्रयास नवाचार के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

# विकास खण्डवार विद्यालय एवं अध्यापकों का विवरण

## प्राथमिक स्तर

तालिका नं0 2.5

| क्र.सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | कुल परिषदीय विद्यालयों की संख्या | मानक के अनुसार अध्यापकों की आवश्यकता | | | कुल कार्यरत अध्यापक संख्या | | | शि0 मित्र | वर्तमान आवश्यकता | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | प्र0 अ0 | स0 अ0 | योग | प्र0 अ0 | स0 अ0 | योग | | प्र0 अ0 | स0अ0 | योग |
| 1. | ओखलकांडा | 141 | 141 | 159 | 300 | 83 | 51 | 134 | 111 | 58 | 03 | 55 |
| 2. | धारी | 68 | 68 | 76 | 144 | 54 | 56 | 110 | 18 | 14 | 02 | 16 |
| 3. | रामगढ़ | 100 | 100 | 103 | 203 | 75 | 80 | 155 | 12 | 25 | 11 | 36 |
| 4. | बेतालघाट | 123 | 123 | 136 | 259 | 96 | 91 | 187 | 32 | 27 | 13 | 40 |
| 5. | भीमताल | 130 | 130 | 131 | 261 | 114 | 137 | 251 | 07 | 16 | −13 | 03 |
| 6. | कोटाबाग | 82 | 82 | 114 | 196 | 67 | 102 | 169 | 20 | 15 | −08 | 07 |
| 7. | हल्द्वानी | 96 | 96 | 240 | 336 | 91 | 218 | 309 | − | 05 | 22 | 27 |
| 8. | रामनगर | 90 | 90 | 180 | 270 | 79 | 122 | 201 | 19 | 11 | 39 | 50 |
| | **योग ग्रामीण** | 830 | 830 | 1139 | 1969 | 659 | 857 | 1516 | 219 | 171 | 63 | 234 |
| 1. | नगर नैनीताल | 24 | 24 | 47 | 71 | 22 | 43 | 65 | − | 02 | 04 | 06 |
| 2. | नगर भवाली | 03 | 03 | 05 | 08 | 03 | 05 | 08 | − | − | − | − |
| 3. | नगर हल्द्वानी | 24 | 24 | 119 | 143 | 23 | 67 | 90 | 06 | 01 | 46 | 47 |
| 4. | नगर रामनगर | 09 | 09 | 36 | 45 | 08 | 17 | 25 | 04 | 01 | 15 | 16 |
| | योग नगर | 60 | 60 | 207 | 267 | 56 | 132 | 188 | 10 | 04 | 65 | 69 |
| | महा योग | 890 | 890 | 1346 | 2236 | 715 | 989 | 1704 | 229 | 175 | 128 | 303 |

स्रोत – कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

उपरोक्त तालिका के अनुसार जनपद में परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में 1:40 व
आधार पर 303 अध्यापक कम हैं। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्वीकृत पद के सापेक्ष
बी0टी0सी0 प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यार्थियों के उपलब्ध न होने के कारण उक्त पद रिक्त हैं साथ
ही नगर क्षेत्रों में स्वीकृत पदों के सापेक्ष नियुक्ति पर प्रतिबन्ध होने से रिक्त पदों की पूर्ति
नहीं हो पा रही है।

# जनपद – नैनीताल

## प्राथमिक विद्यालय कार्यरत अध्यापक विवरण

### प्रधानाध्यापक

तालिका न0 2.5 A

| विकासखण्ड / नगरक्षे | कुल | | | सामान्य | | | अनुसूचित जाति | | | अनुसूचित जनजाति | | | पिछडी जाति | | | अल्पसंख्यक | | | विकलांग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| का नाम | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग |
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| ओखलकांडा | 73 | 10 | 83 | 57 | 6 | 63 | 13 | 3 | 16 | - | - | - | 3 | 1 | 4 | - | - | - | - | - | - |
| धारी | 28 | 26 | 54 | 11 | 12 | 23 | 15 | 11 | 26 | - | - | | 2 | 3 | 5 | - | - | - | - | 2 | 2 |
| रामगढ़ | 20 | 55 | 75 | 14 | 39 | 53 | 5 | 13 | 18 | - | - | - | - | 2 | 2 | 1 | 1 | 2 | - | - | 0 |
| बेतालघाट | 63 | 33 | 96 | 52 | 20 | 72 | 10 | 8 | 18 | - | - | - | 1 | 2 | 3 | - | 3 | 3 | - | - | 0 |
| भीमताल | 32 | 82 | 114 | 25 | 64 | 89 | 5 | 15 | 20 | - | - | - | 3 | 3 | 6 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| कोटाबाग | 43 | 24 | 67 | 31 | 15 | 46 | 6 | 5 | 11 | - | 1 | 1 | 6 | 1 | 7 | - | 1 | 1 | 1 | - | 1 |
| हल्द्वानी | 22 | 69 | 91 | 21 | 58 | 79 | 1 | 6 | 7 | - | 1 | 1 | - | 4 | 4 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| रामनगर | 45 | 34 | 79 | 28 | 26 | 54 | 11 | 6 | 17 | - | - | 0 | 4 | 3 | 7 | 1 | - | 1 | - | 1 | 1 |
| योग | 326 | 333 | 659 | 239 | 240 | 479 | 66 | 67 | 133 | - | 2 | 2 | 19 | 19 | 38 | 2 | 5 | 7 | 1 | 3 | 4 |
| न0 क्षे0 नैनीताल | 2 | 20 | 22 | - | 18 | 18 | 2 | 3 | 5 | - | - | 0 | - | 1 | 1 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| न0क्षे0 भवाली | | 3 | 3 | - | 2 | 2 | - | 1 | 1 | - | - | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| न0 क्षे0 हल्द्वानी | 10 | 13 | 23 | 9 | 8 | 17 | - | 5 | 5 | - | - | 0 | - | - | 0 | 1 | - | 1 | - | - | 0 |
| न0 क्षे0 रामनगर | 7 | 1 | 8 | 4 | - | 4 | 1 | 1 | 2 | - | - | 0 | 1 | - | 1 | 1 | - | 1 | - | - | 0 |
| योग | 19 | 37 | 56 | 13 | 28 | 41 | 3 | 10 | 13 | - | - | 0 | 1 | 1 | 2 | 2 | - | 2 | - | - | 0 |
| महायोग | 345 | 370 | 715 | 252 | 268 | 520 | 69 | 77 | 146 | - | 2 | 2 | 20 | 20 | 40 | 4 | 5 | 9 | 1 | 3 | 4 |
| प्रतिशत | 48.25 | 51.75 | - | 48.46 | 51.54 | - | 47.26 | 52.74 | - | - | 100% | - | 50.00 | 50.00 | - | 44.44 | 55.56 | - | 25.00 | 75.00 | - |

# प्राथमिक

## सहायक अध्यापक

| विकासखण्ड / नगर | कुल | | | सामान्य | | | अनुसूचित जाति | | | अनुसूचित जनजाति | | | पिछड़ी जाति | | | अल्पसंख्यक | | | विकलांग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| का नाम | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग |
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| ओखलकोंडा | 22 | 29 | 51 | 20 | 20 | 40 | 2 | 7 | 9 | | - | 0 | - | 2 | 2 | - | - | 0 | | - | 0 |
| धारी | 5 | 51 | 56 | 3 | 29 | 32 | - | 7 | 7 | | - | 0 | 2 | 15 | 17 | - | - | 0 | | - | - |
| रामगढ | 14 | 66 | 80 | 12 | 41 | 53 | 2 | 14 | 16 | | - | 0 | - | 9 | 9 | - | 2 | 2 | | - | |
| भेतालघाट | 29 | 62 | 91 | 26 | 41 | 67 | 2 | 9 | 11 | | 1 | 1 | 1 | 6 | 7 | - | 5 | 5 | | - | 0 |
| भीमताल | 6 | 131 | 137 | 5 | 107 | 112 | 1 | 12 | 13 | | 1 | 1 | - | 8 | 8 | - | 2 | 2 | | 1 | 1 |
| कोटाबाग | 14 | 88 | 102 | 13 | 72 | 85 | - | 8 | 8 | | - | 0 | 1 | 7 | 8 | - | 1 | 1 | | - | 0 |
| हल्द्वानी | 10 | 208 | 218 | 10 | 170 | 180 | - | 10 | 10 | | 7 | 7 | - | 10 | 10 | - | 7 | 7 | | 4 | 4 |
| रामनगर | 23 | 99 | 122 | 17 | 71 | 88 | 4 | 9 | 13 | | - | 0 | - | 16 | 16 | 1 | 3 | 4 | | 1 | 1 |
| योग | 123 | 734 | 857 | 106 | 551 | 657 | 11 | 76 | 87 | | 9 | 9 | 4 | 73 | 77 | 1 | 20 | 21 | | 6 | 6 |
| न0 क्षेत्र नैनीताल | 3 | 40 | 43 | 1 | 28 | 29 | - | - | 0 | | - | 0 | 1 | 6 | 7 | 1 | 6 | 7 | | - | 0 |
| न0क्षेत्र भवाली | - | 5 | 5 | - | 3 | 3 | - | 1 | 1 | | - | 0 | - | 1 | 1 | - | - | 0 | | - | 0 |
| न0 क्षेत्र हल्द्वानी | 13 | 54 | 67 | 6 | 35 | 41 | - | - | 0 | | 2 | 2 | 7 | 6 | 13 | - | 11 | 11 | | - | 0 |
| न0 क्षेत्र रामनगर | 9 | 8 | 17 | 5 | 6 | 11 | - | - | 0 | | - | 0 | 1 | 1 | 2 | 3 | 1 | 4 | | - | 0 |
| योग | 25 | 107 | 132 | 12 | 72 | 84 | - | 1 | 1 | | 2 | 2 | 9 | 14 | 23 | 4 | 18 | 22 | | - | 0 |
| महायोग | 148 | 841 | 989 | 118 | 623 | 741 | 11 | 77 | 88 | | 4 | 4 | 13 | 87 | 100 | 5 | 38 | 43 | | 6 | 6 |
| प्रतिशत | 14.96 | 85.04 | - | 15.92 | 84.08 | - | 12.50 | 87.5 | - | - | 100.00 | - | 13.00 | 87.00 | - | 11.63 | 88.37 | - | - | 100% | - |

स्रोत – रा0शै0शि0अ0 / नगर शिक्षा अ0 नैनीताल

## जनपद – नैनीताल

## उच्च प्राथमिक विद्यालय कार्यरत अध्यापक विवरण

### प्रधानाध्यापक

rkfydk u0 2-5 B

| विकासखण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | कुल | | | सामान्य | | | अनुसूचित जाति | | | अनुसूचित जनजाति | | | पिछड़ी जाति | | | अल्पसंख्यक | | | विकलांग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग |
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| ओखलकांडा | 19 | - | 19 | 11 | - | 11 | 8 | | 8 | | - | 0 | | | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| धारी | 7 | 1 | 8 | 3 | - | 3 | 3 | 1 | 4 | | - | 0 | 1 | | 1 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| रामगढ़ | 13 | 3 | 16 | 12 | 2 | 14 | - | - | 0 | | 1 | 1 | 1 | | 1 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| बेतालघाट | 20 | 2 | 22 | 15 | 2 | 17 | 5 | - | 5 | | - | 0 | - | | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| भीमताल | 17 | 9 | 26 | 15 | 6 | 21 | 2 | 2 | 4 | | - | 0 | - | | 0 | - | 1 | 1 | - | - | 0 |
| कोटाबाग | 13 | 3 | 16 | 9 | 3 | 12 | 2 | | 2 | | - | 0 | 1 | | 1 | - | - | 0 | 1 | - | 1 |
| हल्द्वानी | 14 | 9 | 23 | 13 | 10 | 23 | 1 | 2 | 3 | | - | 0 | - | | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| रामनगर | 16 | 12 | 28 | 8 | 4 | 12 | 7 | 2 | 9 | | - | 0 | - | | 0 | 1 | - | 1 | 1 | - | 1 |
| योग | 119 | 36 | 155 | 86 | 27 | 113 | 28 | 7 | 35 | | 1 | 1 | 3 | | 3 | 1 | 1 | 2 | 2 | - | 2 |
| न0 क्षे0 नैनीताल | - | - | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 | | - | 0 | - | | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| न0क्षे0 भवाली | - | - | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 | | - | 0 | - | | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| न0 क्षे0 हल्द्वानी | 2 | 2 | 4 | - | 2 | 2 | 1 | - | 1 | | - | 0 | - | | 0 | 1 | - | 1 | - | - | 0 |
| न0 क्षे0 रामनगर | 1 | 2 | 3 | - | 2 | 2 | - | - | 0 | | - | 0 | - | | 0 | 1 | - | 1 | - | - | 0 |
| योग | 3 | 4 | 7 | - | 4 | 4 | 1 | - | 1 | | - | 0 | - | | 0 | 2 | - | 2 | - | - | 0 |
| महायोग | 122 | 40 | 162 | 86 | 31 | 117 | 29 | 7 | 36 | | 1 | 1 | 3 | | 3 | 3 | 1 | 4 | 2 | - | 2 |
| प्रतिशत | 75.31 | 24.69 | - | 73.50 | 26.50 | - | 80.56 | 19.44 | - | | 100% | - | 100% | | - | 75.00 | 25.00 | - | 100% | - | - |

स्रोत – जि0 बे0 शि0 अ0 नैनीताल

# उच्च प्राथमिक

## सहायक अध्यापक

| विकासखण्ड / नगरक्षेत्र | कुल | | | सामान्य | | | अनुसूचित जाति | | | अनुसूचित जनजाति | | | पिछडी जाति | | | अल्पसंख्यक | | | विकलांग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| का नाम | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग | पु0 | म0 | योग |
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| ओखलकाण्डा | 129 | 4 | 133 | 95 | 4 | 99 | 20 | - | 20 | - | - | 0 | 14 | - | 14 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| धारी | 52 | 6 | 58 | 22 | 1 | 23 | 20 | 3 | 23 | 1 | 1 | 2 | 9 | 1 | 10 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| रामगढ़ | 70 | 21 | 91 | 58 | 16 | 74 | 3 | 4 | 7 | - | 1 | 1 | 9 | - | 9 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| बेतालघाट | 102 | 15 | 117 | 66 | 12 | 78 | 22 | 2 | 24 | - | - | 0 | 9 | | 9 | 5 | 1 | 6 | | | 0 |
| भीमताल | 102 | 42 | 144 | 67 | 33 | 100 | 19 | 6 | 25 | 1 | 2 | 3 | 11 | | 11 | 3 | | 3 | 1 | 1 | 2 |
| कोटाबाग | 84 | 13 | 97 | 65 | 12 | 77 | 5 | 1 | 6 | 1 | - | 1 | 12 | | 12 | 1 | | 1 | | | 0 |
| हल्द्वानी | 61 | 60 | 121 | 46 | 49 | 95 | 3 | 5 | 8 | - | 3 | 3 | 7 | 2 | 9 | 2 | 1 | 3 | 3 | | 3 |
| रामनगर | 86 | 47 | 133 | 56 | 34 | 90 | 8 | 12 | 20 | - | - | 0 | 4 | 1 | 5 | 18 | 1 | 19 | 2 | 1 | 3 |
| योग | 686 | 208 | 894 | 475 | 161 | 636 | 100 | 33 | 133 | 3 | 7 | 10 | 75 | 4 | 79 | 29 | 3 | 32 | 6 | 2 | 8 |
| न0 क्षे0 नैनीताल | 14 | 15 | 29 | 10 | 13 | 23 | 1 | - | 1 | - | - | 0 | | 1 | 1 | 3 | 1 | 4 | 1 | | 1 |
| न0क्षे0 भवाली | - | - | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 | - | - | 0 |
| न0 क्षे0 हल्द्वानी | 11 | 12 | 23 | 6 | 9 | 15 | 1 | 2 | 3 | - | - | 0 | 3 | 1 | 4 | 1 | - | 1 | - | - | 0 |
| न0 क्षे0 रामनगर | 7 | 11 | 18 | 5 | 8 | 13 | 1 | 1 | 2 | - | - | 0 | - | - | 0 | 1 | 2 | 3 | - | - | 0 |
| योग | 32 | 38 | 70 | 21 | 30 | 51 | 3 | 3 | 6 | - | - | 0 | 3 | 2 | 5 | 5 | 3 | 8 | 1 | - | 1 |
| महायोग | 718 | 246 | 964 | 496 | 191 | 687 | 103 | 36 | 139 | 3 | 7 | 10 | 78 | 6 | 84 | 34 | 6 | 40 | 7 | 2 | 9 |
| प्रतिशत | 74.48 | 25.52 | | 72.2 | 27.80 | | 74.10 | 25.90 | | 30.00 | 70.00 | | 92.86 | 7.14 | | 85 | 15 | | 77.78 | 22.22% | |

स्रोत – जि0 बे0 शि0 अ0 नैनीताल

# जनपद – नैनीताल

## कार्यरत अध्यापकों का योग्यतानुसार विवरण – प्राथमिक स्तर

तालिका नं0 2.5 C

| क्र. सं. | नाम विकास क्षत्र / नगर क्षेत्र | प्रशिक्षित अध्यापकों की संख्या | | | | | अप्रशिक्षित अध्यापकों की संख्या | | | | | कुल योग | अध्यापक प्रतिशत | | अन्य शिक्षामित्र कार्यरत प्रशिक्षित |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | हाईस्कूल प्रशि0 | इण्टर प्रशि0 | बी0ए0 प्रशि0 | एम0ए0 प्रशि0 | योग | हाईस्कूल अप्र0 | इण्टर अप्र0 | बी0ए0 अप्र0 | एम0ए0 अप्र0 | योग | 7+12) | प्रशिक्षित | अप्रशिक्षित | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
| 1. | ओखलकाण्डा | 19 | 49 | 38 | 17 | 123 | – | 08 | 03 | – | 11 | 134 | 91.80 | 8.20 | 75 |
| 2. | धारी | 11 | 27 | 48 | 17 | 103 | – | 03 | 03 | 01 | 07 | 110 | 93.60 | 6.40 | 22 |
| 3. | रामगढ | 09 | 55 | 52 | 33 | 149 | – | 05 | 01 | – | 06 | 155 | 96.10 | 3.90 | 22 |
| 4. | बेतालघाट | 14 | 65 | 58 | 43 | 180 | – | 04 | 03 | – | 07 | 187 | 96.25 | 3.75 | 29 |
| 5. | भीमताल | 13 | 72 | 108 | 57 | 250 | – | 01 | – | – | 01 | 251 | 99.60 | 0.40 | 07 |
| 6. | कोटाबाग | 15 | 52 | 61 | 39 | 167 | – | – | 02 | – | 02 | 169 | 98.80 | 01.20 | 22 |
| 7. | हल्द्वानी | 19 | 134 | 108 | 46 | 307 | – | – | 02 | – | 02 | 309 | 99.35 | 0.65 | – |
| 8. | रामनगर | 15 | 56 | 95 | 32 | 198 | – | 02 | 01 | – | 03 | 201 | 98.50 | 01.50 | 20 |
| | योग ग्रामीण | 115 | 510 | 568 | 284 | 1477 | – | 23 | 15 | 01 | 39 | 1516 | 97.43 | 2.57 | 197 |
| 1. | नगर नैनीताल | 13 | 14 | 29 | 09 | 65 | – | – | – | – | – | 65 | 100.00 | – | – |
| 2. | नगर भवाली | 03 | 03 | 02 | – | 08 | – | – | – | – | – | 08 | 100.00 | – | – |
| 3. | नगर हल्द्वानी | 12 | 29 | 30 | 19 | 90 | – | – | – | – | – | 90 | 100.00 | – | 07 |
| 4. | नगर रामनगर | 05 | 07 | 10 | 03 | 25 | – | – | – | – | – | 25 | 100.00 | – | 05 |
| | योग नगर | 33 | 53 | 71 | 31 | 188 | – | – | – | – | – | 188 | 100.00 | – | 12 |
| | महा योग | 148 | 563 | 639 | 315 | 1665 | – | 23 | 15 | 01 | 39 | 1704 | 97.71 | 2०57 | 209 |
| | प्रतिशत | 8 89 | 33.81 | 38 38 | 18.92 | – | – | 58 97 | 38.46 | 2.56 | – | – | – | – | – |

स्रोत – कार्यालय स0 बे0 शि0 अ0 व नगर शि0 अ0, नैनीताल

जनपद के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में वर्तमान में 1712 अध्यापक कार्यरत् हैं इनमें 1673 कार्यरत अध्यापक–अध्यापिकाएं प्रशिक्षित तथा 39 अध्यापक अप्रशिक्षित हैं इसके अतिरिक्त 209 शिक्षामित्र कार्यरत है।

# जनपद – नैनीताल

## कार्यरत अध्यापकों का योग्यतानुसार विवरण (उ0 प्रा0वि0 स्तर)

तालिका सं0 2.5 D

| क्र0 सं | नाम विकास क्षेत्र / नगर क्षेत्र | प्रशिक्षित अध्यापकों की संख्या | | | | | अप्रशिक्षित अध्यापकों की संख्या | | | | | कुल योग | अध्यापक प्रतिशत | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | हाईस्कूल प्रशि0 | इण्टर प्रशि0 | बी0ए0 प्रशि0 | एम0ए0 प्रशि0 | योग | हाईस्कूल अप्र0 | इण्टर अप्र0 | बी0ए0 अप्र0 | एम0ए0 अप्र0 | योग | 7+12) | प्रशिक्षित | अप्रशिक्षित |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| 1. | ओखलकांडा | 13 | 48 | 84 | 07 | 152 | – | – | – | – | – | 152 | 100 | – |
| 2. | धारी | 09 | 21 | 26 | 09 | 65 | – | – | – | – | – | 65 | 100 | – |
| 3. | रामगढ़ | 11 | 62 | 24 | 10 | 107 | – | – | – | – | – | 107 | 100 | – |
| 4. | बेतालघाट | 21 | 37 | 70 | 11 | 139 | – | – | – | – | – | 139 | 100 | – |
| 5. | भीमताल | 17 | 91 | 45 | 17 | 170 | – | – | – | – | – | 170 | 100 | – |
| 6. | कोटाबाग | 21 | 55 | 28 | 09 | 113 | – | – | – | – | – | 113 | 100 | – |
| 7. | हल्द्वानी | 12 | 35 | 88 | 12 | 147 | – | – | – | – | – | 147 | 100 | – |
| 8. | रामनगर | 12 | 93 | 32 | 18 | 155 | – | – | – | – | – | 155 | 100 | – |
| | योग ग्रामीण | 116 | 442 | 397 | 93 | 1048 | – | – | – | – | – | 1048 | 100 | – |
| 1. | नगर नैनीताल | 09 | 12 | 05 | 03 | 29 | – | – | – | – | – | 29 | 100 | – |
| 2. | नगर भवाली | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 100 | – |
| 3. | नगर हल्द्वानी | 05 | 10 | 09 | 03 | 27 | – | – | – | – | – | 27 | 100 | – |
| 4. | नगर रामनगर | 07 | 07 | 04 | 03 | 21 | – | – | – | – | – | 21 | 100 | – |
| | योग नगर | 21 | 29 | 18 | 09 | 77 | – | – | – | – | – | 77 | 100 | – |
| | सकल योग | 137 | 471 | 415 | 102 | 1125 | – | – | – | – | – | 1125 | 100 | – |
| | प्रतिशत | 12.78 | 4187 | 36.89 | 9.06 | – | – | – | – | – | – | – | – | – |

स्रोत – कार्यालय स0 बे0 शि0 अ0 व नगर शि0 अ0, नैनीताल

जनपद में उच्च प्राथमिक स्तर एवं परिषदीय विद्यालयों में कुल 1125 अध्यापक–अध्यापिकाऐं कार्यरत हैं, जो सभी प्रशिक्षित हैं।

राजकीय हाईस्कूल एवं इन्टरमीडिएट विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की संख्या जो कक्षा 6, 7, 8 में विद्यालय समय का 50 प्रतिशत से अधिक समय इन कक्षाओं को पढ़ाने में देते हैं।

तालिका नं. 2.6

| क्र. सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र | पुरुष | महिला | योग |
|---|---|---|---|---|
| 1. | ओखलकांडा | 16 | – | 16 |
| 2. | धारी | 33 | 05 | 38 |
| 3. | रामगढ | 19 | – | 19 |
| 4. | बेतालघाट | 44 | 09 | 53 |
| 5. | भीमताल | 39 | 21 | 60 |
| 6. | कोटाबाग | 40 | 23 | 63 |
| 7. | हल्द्वानी | 27 | 18 | 45 |
| 8. | रामनगर | 21 | – | 21 |
| | योग – ग्रामीण | 239 | 76 | 315 |
| 1. | नगर क्षेत्र नैनीताल | 15 | 07 | 22 |
| 2. | नगर क्षेत्र भवाली | – | 04 | 04 |
| 3. | नगर क्षेत्र हल्द्वानी | 16 | 20 | 36 |
| 4. | नगर क्षेत्र रामनगर | 11 | 12 | 23 |
| | योग नगर | 42 | 43 | 85 |
| | महायोग | 281 | 119 | 400 |

जनपद में बेसिक शिक्षा के अतिरिक्त माध्यमिक स्तर के हाईस्कूल एवं इण्टर कालेज में कक्षा 6, 7, 8 में 11–14 वय वर्ग के बच्चे भी अध्ययन करते हैं इन विद्यालयों में 400 अध्यापक ऐसे हैं, जो शिक्षण का 50 प्रतिशत से अधिक समय कक्षा 6, 7, 8 में पढ़ाने पर देते हैं।

## जनपद के परिषदीय प्रा0 वि0 में छात्र–अध्यापक अनुपात

तालिका नं. 2.7

| क्र.सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | छात्र संख्या | अध्यापक संख्या | छात्र–अध्यापक अनुपात |
|---|---|---|---|---|
| 1. | ओखलकांडा | 7158 | 134 | 53.41 |
| 2. | धारी | 4270 | 110 | 38.81 |
| 3. | रामगढ़ | 4831 | 155 | 31.16 |
| 4. | बेतालघाट | 5508 | 187 | 29.45 |
| 5. | भीमताल | 4524 | 251 | 18.02 |
| 6. | कोटाबाग | 5301 | 169 | 31.36 |
| 7. | हल्द्वानी | 11456 | 309 | 37.07 |
| 8. | रामनगर | 8931 | 201 | 44.43 |
| | **योग ग्रामीण** | 51979 | **1516** | **34.28** |
| 1. | नगर नैनीताल | 1169 | 65 | 18.29 |
| 2. | नगर भवाली | 192 | 08 | 24.00 |
| 3. | नगर हल्द्वानी | 5507 | 90 | 61.18 |
| 4. | नगर रामनगर | 1701 | 25 | 68.04 |
| | **योग नगर** | 8589 | **188** | **45.68** |
| | **महायोग** | 60568 | **1704** | **35.54** |

उपरोक्त तालिका के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के विकास खण्ड भीमताल छात्र–अध्यापक अनुपात 18.36 है जो सबसे कम है। इसका मुख्य कारण विकास ख भीमताल में 1–20 तक छात्र संख्या वाले विद्यालयों की संख्या सर्वाधिक 33 है। प्रत्येक विद्यालय में न्यूनतम दो अध्यापकों की व्यवस्था के फलस्वरूप छात्र अध्यापक अनुपात अन्य विकास खण्डों की तुलना में न्यून है।

नगर क्षेत्र के अन्तर्गत नगर नैनीताल में छात्र अध्यापक अनुपात 18.29 सबसे न्यून है। नगर क्षेत्र में परिषदीय विद्यालयों के अतिरिक्त मान्यता प्राप्त विद्यालयों की अधिकता के कारण छात्र संख्या में हास होने से परिषदीय विद्यालयों में छात्र संख्या अनुपात न्यून है।

कक्षावार छात्र संख्या – प्राथमिकत स्तर :–

तालिका नं0 2.8

| कक्षा | वर्ष 92–93 की स्थिति | | | वर्ष 2000–2001 की स्थिति | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग |
| 1 | 6424 | 5936 | 12360 | 12365 | 11559 | 23924 |
| 2 | 5800 | 6091 | 11891 | 10559 | 9926 | 20483 |
| 3 | 5744 | 6143 | 11887 | 11450 | 10602 | 22052 |
| 4 | 5313 | 5669 | 10982 | 10575 | 9980 | 20555 |
| 5 | 4594 | 4680 | 9274 | 9119 | 8502 | 17621 |
| महायोग | 27875 | 28519 | 56394 | 24066 | 50569 | 104635 |

स्रोत – स0वे0शि0 अधिकारी व नगर शिक्षा अधिकारी

कक्षावार छात्र संख्या – उच्च प्राथमिक स्तर :–

तालिका नं0 2.9

| कक्षा | वर्ष 92–93 की स्थिति | | | वर्ष 2000–2001 की स्थिति | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग |
| 6 | 5289 | 5453 | 10742 | 11092 | 10055 | 21147 |
| 7 | 5069 | 4520 | 9589 | 9969 | 9065 | 19034 |
| 8 | 4506 | 3818 | 8324 | 9363 | 8275 | 17638 |
| महायोग | 14864 | 13791 | 28655 | 30387 | 27395 | 57782 |

स्रोत – स0वे0शि0अ0 व नगर शिक्षा अधिकारी

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि वर्ष 1992–93 से वर्ष 2000–01 तक प्राथमिक स्तर पर छात्र संख्या 85.54 प्रतिशत तथा उच्च प्राथमिक स्तर पर 101.64 प्रतिशत की वृद्धि हुई। छात्र संख्या में वृद्धि का मुख्य कारण जनपद नैनीताल का सभी के लिए शिक्षा परियोजना में चयन होना है। परियोजना अवधि में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम यथा स्कूल चलो अभियान अध्यापकों के विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण, शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग, विद्यालयों का आकर्षक वातावरण, ग्राम शिक्षा समितियों, प्रशिक्षण एवं अभिप्रेरणा से छात्र नामांकन में वृद्धि हुई।

# जनपद – नैनीताल

## सकल नामांकन प्राथमिक

### तालिका नं० 2.10

| क्र. सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र | कक्षा 1 | | | कक्षा 2 | | | कक्षा 3 | | | कक्षा 4 | | | कक्षा 5 | | | योग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग |
| 1. | ओखलकांडा | 962 | 989 | 1951 | 872 | 810 | 1682 | 787 | 782 | 1569 | 807 | 696 | 1503 | 790 | 687 | 1477 | 4218 | 3964 | 8182 |
| 2. | धारी | 560 | 488 | 1048 | 494 | 562 | 1056 | 510 | 505 | 1015 | 512 | 530 | 1042 | 455 | 492 | 947 | 2531 | 2577 | 5108 |
| 3. | रामगढ | 571 | 505 | 1076 | 615 | 531 | 1146 | 667 | 599 | 1266 | 554 | 607 | 1161 | 490 | 527 | 1017 | 2897 | 2769 | 5666 |
| 4. | बेतालघाट | 688 | 633 | 1321 | 685 | 680 | 1365 | 706 | 658 | 1364 | 589 | 681 | 1270 | 702 | 611 | 1313 | 3370 | 3263 | 6633 |
| 5. | भीमताल | 734 | 718 | 1452 | 762 | 772 | 1534 | 807 | 701 | 1508 | 789 | 751 | 1540 | 749 | 764 | 1513 | 3841 | 3706 | 7547 |
| 6. | कोटाबाग | 778 | 720 | 1498 | 825 | 802 | 1627 | 868 | 782 | 1650 | 774 | 734 | 1508 | 720 | 652 | 1372 | 3965 | 3690 | 7655 |
| 7. | हल्द्वानी | 2748 | 2802 | 5550 | 1625 | 1616 | 3241 | 2492 | 2545 | 5037 | 2341 | 2413 | 4754 | 1220 | 1262 | 2482 | 10426 | 10638 | 21064 |
| 8. | रामनगर | 1552 | 1468 | 3020 | 1326 | 1276 | 2602 | 1263 | 1212 | 2475 | 1125 | 1024 | 2149 | 1063 | 977 | 2040 | 6329 | 5957 | 12286 |
| | योग ग्रामीण | 8593 | 8323 | 16916 | 7204 | 7049 | 14253 | 8100 | 7784 | 15884 | 7491 | 7436 | 14927 | 6189 | 5972 | 12161 | 37577 | 36564 | 74141 |
| 1. | नगर नैनीताल | 470 | 384 | 854 | 377 | 336 | 713 | 400 | 353 | 753 | 414 | 354 | 768 | 390 | 286 | 676 | 2051 | 1713 | 3764 |
| 2. | नगर भवाली | 58 | 48 | 106 | 59 | 63 | 122 | 86 | 57 | 143 | 85 | 55 | 140 | 78 | 51 | 129 | 366 | 274 | 640 |
| 3. | नगर हल्द्वानी | 2370 | 2108 | 4478 | 2228 | 1828 | 4056 | 2161 | 1768 | 3929 | 1972 | 1645 | 3617 | 1792 | 1634 | 3426 | 10523 | 8983 | 19506 |
| 4. | नगर रामनगर | 874 | 696 | 1570 | 689 | 650 | 1339 | 703 | 640 | 1343 | 613 | 490 | 1103 | 670 | 559 | 1229 | 3549 | 3035 | 6584 |
| | योग नगर | 3772 | 3236 | 7008 | 3353 | 2877 | 6230 | 3350 | 2818 | 6168 | 3084 | 2544 | 5628 | 2930 | 2530 | 5460 | 16489 | 14005 | 30494 |
| | महायोग | 12365 | 11559 | 23924 | 10557 | 9926 | 20483 | 11450 | 10602 | 22052 | 10575 | 9980 | 20555 | 9119 | 8502 | 17621 | 54066 | 50569 | 104635 |

स्रोत – कार्यालय स० बे० शि० अ० व नगर शि० अ०, [illegible]

# जनपद – नैनीताल

## 11 – 14 सकल नामांकन उच्च प्राथमिक

तालिका नं0 2.11

| क्र. सं. | विकास खण्ड /नगर क्षेत्र | कक्षा 6 | | | कक्षा 7 | | | कक्षा 8 | | | योग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग |
| 1 | ओखलकांडा | 767 | 555 | 1322 | 694 | 517 | 1211 | 608 | 475 | 1083 | 2069 | 1547 | 3616 |
| 2 | धारी | 530 | 579 | 1049 | 463 | 411 | 874 | 402 | 338 | 740 | 1395 | 1268 | 2663 |
| 3 | रामगढ़ | 563 | 554 | 1117 | 535 | 502 | 1037 | 457 | 345 | 796 | 1549 | 1401 | 2950 |
| 4 | बेतालघाट | 665 | 590 | 1254 | 581 | 514 | 1095 | 497 | 459 | 956 | 1742 | 1563 | 3305 |
| 5 | भीमताल | 986 | 883 | 1869 | 940 | 780 | 1720 | 825 | 726 | 1551 | 2715 | 2389 | 5104 |
| 6 | कोटाबाग | 780 | 645 | 1425 | 665 | 465 | 1130 | 553 | 421 | 974 | 1998 | 1531 | 3529 |
| 7 | हल्द्वानी | 1947 | 1884 | 3831 | 1805 | 1864 | 3669 | 1749 | 1703 | 3452 | 5501 | 5451 | 10952 |
| 8 | रामनगर | 1277 | 1072 | 2349 | 1039 | 827 | 1866 | 886 | 748 | 1634 | 3202 | 2647 | 5849 |
| | योग ग्रामीण | 7515 | 6702 | 14217 | 6722 | 5880 | 12602 | 5971 | 5215 | 11186 | 20171 | 17797 | 37968 |
| 1 | नगर नैनीताल | 491 | 446 | 937 | 461 | 468 | 929 | 557 | 401 | 958 | 1509 | 1315 | 2824 |
| 2 | नगर भवाली | 70 | 99 | 169 | 95 | 83 | 178 | 109 | 84 | 193 | 276 | 266 | 542 |
| 3. | नगर हल्द्वानी | 2269 | 2030 | 4299 | 2091 | 1968 | 4059 | 2134 | 1964 | 4098 | 6492 | 5962 | 12454 |
| 4. | नगर रामनगर | 747 | 778 | 1525 | 600 | 666 | 1266 | 592 | 611 | 1203 | 1939 | 2055 | 3994 |
| | योग नगर | 3577 | 3353 | 6930 | 3247 | 3185 | 6432 | 3392 | 3060 | 6452 | 10216 | 9598 | 19814 |
| | महायोग | 11092 | 10055 | 21147 | 9969 | 9065 | 19034 | 9363 | 8275 | 17638 | 30387 | 27395 | 57782 |

सोत – कार्यालय स0 बे0 शि0 अ0 व नगर शि0 अ0, नैनीताल

## 2.2 जिला स्तर पर प्राथमिक शिक्षा संरचना

जिले में जिला वेसिक शिक्षा अधिकारी मुख्य रूप से प्राथमिक शिक्षा के लिए उत्तरदायी है। इनका मुख्यालय, जिला मुख्यालय में ही स्थित है। अन्य प्रमुख संस्था जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान है जो जिला मुख्यालय से 22 किमी दूरी पर भीमताल में स्थित है। जिला स्तर पर जिला शिक्षा समिति तथा विकास खण्ड स्तर पर विकास खण्ड शिक्षा समिति, नगर क्षेत्र में नगर शिक्षा समिति, वार्ड शिक्षा समिति तथा ग्राम स्तर पर ग्राम शिक्षा समिति वनाई गई है।

जनपद स्तर पर उप वेसिक शिक्षा अधिकारी तथा विकास खण्ड स्तर पर सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं प्रति उप विद्यालय निरीक्षक कार्यरत है। विकास खण्ड स्तर पर वी0 आर0 सी0 तथा न्याय पंचायत स्तर पर एन0पी0 आर0 सी0 स्थापित हैं। वी0 आर0 सी0 में 01 समन्वयक, 01 सह समन्वय तथा 01 चतुर्थ कर्मी कार्यरत है, इसी प्रकार एन0 पी0आर0 सी0 में केवल 01 समन्वयक कार्यरत है। सामान्यतया 20–25 विद्यालयों पर एक एन0पी0आर0सी0 की स्थापना की गई हैं। यहाँ शिक्षकों की शिक्षण क्षमता संवर्द्धन हेतु विभिन्न प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है तथा शिक्षा समितियों को भी प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान में अध्यापकों के प्रशिक्षण व कार्यशालाओं का आयोजन डायट व वी0 आर0सी0 में किया जाता है, इसमें शिक्षकों का एक वड़ा समूह प्रतिभागी होता है।

# शिक्षा संरचना का रेखा चित्र

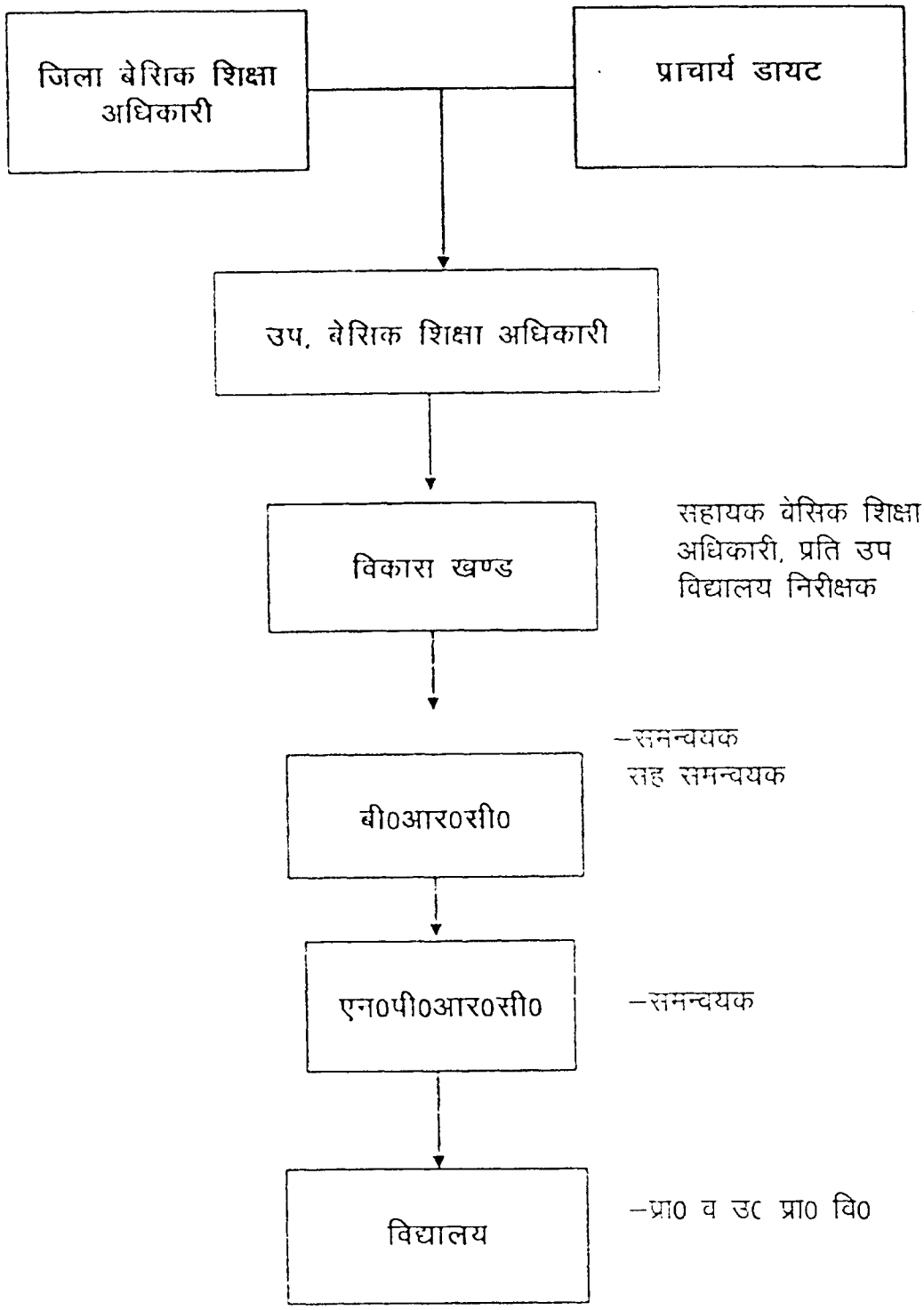

## 2.3 महिला समाख्या नैनीताल

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य दैनिक जीवन से सम्बन्धित समस्याओं के प्रति महिलाओं में जागरूकता पैदा करने उनके निराकरण हेतु प्रभावी प्रयास तथा महिलाओं को उनके अधिकार तथा दायित्व की जानकारी देने के लिए महिला समाख्या का गठन किया।

जनपद नैनीताल में महिला समाख्या की शुरूआत माह नवम्बर 1996 में हुई। यह कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग भारत सरकार द्वारा संचालित है। प्रारम्भिक सर्वेक्षण के पश्चात विकास खण्ड बेतालघाट के 80 गाँवों में इसे शुरू किया गया। क्षेत्र बेतालघाट जनपद नैनीताल का सबसे पिछड़ा क्षेत्र है। प्रति व्यक्ति कम आय, केवल वर्षा आधारित कृषि, महिलाओं का शिथिल स्वास्थ्य, मद्यपान का अधिक प्रचलन तथा महिलाओं में शिक्षा का स्तर न्यून होने के कारण यह क्षेत्र चयनित किया गया था।

वर्तमान समय में बेतालघाट ब्लाक के 80 गाँव तथा धारी ब्लाक के 50 गाँवों में कार्यक्रम चल रहे हैं। इसमें से 42 संघों में महिलायें स्वयं बचत कोषों का संचालन भी कर रही हैं।

महिला समाख्या के अन्तर्गत महिलाओं द्वारा किये गये कुछ प्रयास निम्नलिखित हैं–

- बेहतर वातावरण निर्माण हेतु महिलाऐं विभिन्न मुद्दों जैसे जल, जंगल, जमीन, शराब, महिला उत्पीड़न, पर्यावरण, अतिवृष्टि, चक्का जाम, तथा लड़ाकियों की शिक्षा आदि पर पहल कर रही हैं।
- महिलाओं को यह महसूस होता है कि अब हम अकेले नही है, संगठन हमारे साथ है।
- दूसरों के दुःखों व परेशानियों के प्रति महिलाऐं संवेदनशील हैं।
- महिला संघों द्वारा अन्य सरकारी तथा गैर सरकारी विभागों का सम्पर्क बना है इससे उनमें आत्म विश्वास जागृत हुआ है।
- पुरूषों पर महिलाओं की निर्भरता कम हुइ है, बाहर के काम भी महिलाऐं स्वयं कर रही है।
- महिला उत्पीड़न के विरोध में इनके संघ काम कर रहे हैं।

- संघ की महिलाएँ शिक्षा समिति की बैठकों में सक्रिय भागीदारी कर रही है। इसके साथ ही स्थानीय स्कूलों में शैक्षिक उन्नयन के लिए संघ, दबाव समूह के रूप में भी काम कर रही है।
- महिलाओं का समूह नेतृत्व की भूमिका में उभर कर आ रहा है।
- महिलाऐं अपने परिवार तथा गाँव में निर्णायक भूमिका के रूप में अग्रसर है।

## 2.4 बेसिक शिक्षा परियोजना

जनपद नैनीताल वर्ष 1993–94 से वर्ष 2000 तक बेसिक शिक्षा परियोजना से आच्छादित रहा। परियोजना अवधि में जनपद की 138 प्राथमिक विद्यालय से असंवित बस्तियों में नवीन प्राथमिक विद्यालय खोले गये। जनपद के 98 जीर्ण एवं ध्वस्त प्राथमिक विद्यालयों तथा 05 उच्च प्राथमिक विद्यालयों का पुर्ननिर्माण/पुर्नस्थापना की गयी। 511 शौचालय विहीन विद्यालयों में शौचालय तथा 403 विद्यालयों में पेयजल की व्यवस्था की गयी। 194 विद्यालयों में छात्र संख्या वृद्धि के कारण अतिरिक्त कक्षा कक्षों का निर्माण 406 प्राथमिक तथा 94 उच्च प्राथमिक कुल 500 विद्यालयों में मरम्मत कार्य कराया गया।

शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भीमताल का सुदृढ़ीकरण किया गया, जहाँ पर संदर्भदाताओं के विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन के आधार पर विद्यालयों का श्रेणीकरण किया गया।

प्रत्येक विकास खण्ड में ब्लाक संसाधन केन्द्र की स्थापना की गयी जिसके माध्यम से विद्यालयों का शैक्षिक रिपोर्ट दिया गया। विकास खण्डों में स्थित प्रत्येक न्याय पंचायत पर न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र की स्थापना की गयी। जिसके माध्यम से विद्यालयों के पर्यवेक्षण के द्वारा शैक्षणिक गुणवत्ता का विकास किया गया।

जनपद में ऐसी बस्तियाँ जहाँ पर मानक के अनुसार विद्यालय नहीं खोले जा सकते थे वहाँ पर 39 शिक्षा घरों के माध्यम से विद्यालय न जाने वाले बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ा गया। जनपद के 100 आंगनबाड़ी केन्द्रों को अतिरिक्त सुविधा देकर ई0सी0जी0ई0 केन्द्रों के माध्यम से पूर्व प्राथमिक शिक्षा दी गयी।

पाइलट प्रोजेक्ट के रूप में जनपद के 2 विकास खण्डों के 2 कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यानुभव के अन्तर्गत सिलाई तथा मोमबत्ती निर्माण का कार्य करवाया गया जो कि सफलतापूर्वक चल रहा है।

समुदाय की सहभागिता हेतु ग्राम शिक्षा समितियों का प्रशिक्षण किया गया जिनके द्वारा शून्य नियोजन सर्वेक्षण किया गया तथा प्रत्येक विकास खण्ड में अच्छा कार्य करने वाली ग्राम शिक्षा समिति को प्रोत्साहन दिया गया।

प्रत्येक परिषदीय प्राथमिक विद्यालय को रू0 2000.00 तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय को रू0 4000.00 रूपये प्रतिवर्ष प्रति विद्यालय अनुदान दिया गया इससे विद्यालय की आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति की गयी तथा विद्यालयों को आकर्षक बनाया गया।

शिक्षण को प्रभावी बनाने हेतु प्रत्येक अध्यापक को रू0 500.00 प्रति वर्ष शिक्षण अधिगम सामग्री तैयार करने हेतु दिया गया। जिसके अन्तर्गत अध्यापक द्वारा स्वयं तथा बच्चों के सहयोग से पाठ से सम्बन्धित सामग्री का निर्माण किया गया। इसके लिए अध्यापकों को आवश्यक प्रशिक्षण एन0पी0आर0सी0 की प्रतिमाह होने वाली कार्यशालाओं में डायट द्वारा दिया गया।

प्रत्येक विकास खण्ड में 6–6 सामुदायिक पुस्तकालय की व्यवस्था की गयी। जिसके द्वारा समुदाय के लोगों को लाभ मिल रहा है।

बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत भौतिक तथा वित्तीय प्रगति तालिका नं0 2.1 तथा 2.2 में अंकित है।

# जनपद – नैनीताल

## बेसिक शिक्षा परियोजना अन्तर्गत वर्ष 1993–94 से 2000 तक प्राप्त संसाधनों का विकासखण्डवार विवरण

तालिका नं0 2.12

| क्र.सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | नवीन प्रा0 वि0 | नवीन उ0 प्रा0 वि0 | प्रा0 वि0 पुर्ननिर्माण / पुर्नस्थापना | उ0 प्रा0 वि0 पुनर्निर्माण पुर्नस्थापना | कुल शौचालय सं0 | साकल निर्माण | अतिरिक्त कक्षा कक्षों का निर्माण | मरम्मत प्रा0 वि0 | मरम्मत उ0 प्रा0 वि0 | मरम्मत योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ओखलकाण्डा | 30 | 16 | 21 | – | 67 | 06 | 27 | 45 | 12 | 57 |
| 2 | धारी | 12 | 07 | 09 | – | 53 | 04 | 19 | 40 | 07 | 47 |
| 3 | रामगढ़ | 18 | 08 | 09 | – | 64 | 06 | 17 | 57 | 13 | 70 |
| 4 | बेतालघाट | 23 | 09 | 17 | 01 | 79 | 06 | 26 | 59 | 13 | 72 |
| 5 | भीमताल | 19 | 11 | 10 | – | 70 | 06 | 22 | 59 | 13 | 72 |
| 6 | कोटाबाग | 13 | 07 | 13 | – | 63 | 05 | 26 | 29 | 09 | 38 |
| 7 | हल्द्वानी | 12 | 07 | 05 | – | 59 | 06 | 25 | 37 | 09 | 46 |
| 8 | रामनगर | 11 | 09 | 08 | 02 | 55 | 05 | 28 | 49 | 07 | 56 |
| | योग | 138 | 74 | 92 | 03 | 511 | 44 | 190 | 375 | 83 | 458 |
| 1 | नगर हल्द्वानी | – | – | 02 | 01 | – | – | 04 | 13 | 05 | 18 |
| 2 | नगर रामनगर | – | – | 03 | 01 | – | – | – | 05 | 02 | 07 |
| 3 | नगर नैनीताल | – | – | 01 | – | – | – | – | 13 | 04 | 17 |
| 4 | नगर भवाली | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| | योग | – | – | 06 | 02 | – | – | 04 | 31 | 11 | 42 |
| | महायोग | 138 | 74 | 98 | 05 | 511 | 44 | 194 | 406 | 94 | 500 |

तालिका नं0 2.13

## Total Amount Received & Expenditure under BEPI I Phase & II Phase

District Nainital POSITION ON 01/01/2001

| Budgt Provision/Amount Received | | | | Detail of Expenditure | | Rs. in Thousand | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Year | I Phase | II Phase | Total | Headwise Detail | | District Nainital | | | U. S. Nagar | |
| | | | | | | I Phase | II Phase | Total | I Phase | Total |
| 93-94 | 11504 | 0 | 11504 | | Construction | | | | | |
| 94-95 | 50000 | 0 | 50000 | 1. | Primary School | 38475 | 15115 | 53590 | 18756 | 72346 |
| 95-96 | 91205 | 0 | 91205 | 2. | Upper primary School | 17129 | 5514 | 22643 | 6379 | 29022 |
| 96-97 | 25900 | 0 | 25900 | 3. | NPRC Building | 7741 | 0 | 7741 | 4480 | 12221 |
| 97-98 | 21000 | 0 | 21000 | 4. | One Room | 3510 | 6795 | 10305 | 5900 | 16205 |
| 98-99 | 27555 | 1843 | 29398 | 5. | Two Room | 95 | 0 | 95 | 1045 | 1140 |
| 99-2000 | 0 | 15648 | 15648 | 6. | Toilet | 5110 | 0 | 5110 | 4050 | 9160 |
| 2000-2001 | 4390 | 877 | 5267 | 7. | Addl. Water Facility | 5407 | 0 | 5407 | 1192 | 6599 |
| Total | 231554 | 18368 | 249922 | 8. | Repair & Main. Of School | 12016 | 0 | 12016 | 781 | 12797 |
| | | | | 9. | Other Cons. Diet Dormetry, BRC Buil, Comp. Room | 2308 | 0 | 2308 | 300 | 2608 |
| | | | | | Total Sr. No. 1 to 9 | 91791 | 27424 | 119215 | 42883 | 162098 |
| | | | | 10. | Precurement & Teach & Learn materail | 21504 | 1516 | 23020 | 0 | 23020 |
| | | | | 11. | School Improvement Grant | 0 | 5548 | 5548 | 0 | 5548 |
| | | | | 12. | Vehicle Purchase | 264 | 0 | 264 | 0 | 264 |
| | | | | 13. | Locl Training Grant | 10594 | 1609 | 12203 | 0 | 12203 |
| | | | | 14. | Incremental Staff & Teachers salary & Honori | 39495 | 0 | 39495 | 0 | 39495 |
| | | | | 15. | Free Text Book | 2907 | 0 | 2907 | 0 | 2907 |
| | | | | | Total Sr. No. 10 to 15 | 74764 | 8673 | 83437 | 0 | 83437 |
| | | | | | Amount Refund to S.P.O. | | | | | 4387 |
| | | | | | Grand Total | 166555 | 36097 | 202652 | 42883 | 249922 |

परियोजना कार्यकाल में राज्य परियोजना कार्यालय से उच्च अधिकारियों द्वारा जनपद के भ्रमण में जनपद नैनीताल की शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने हेतु समय–समय पर सुझाव दिये गये तथा भ्रमण में जनपद के क्रियाकलापों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया। राज्य परियोजना निदेशक सुश्री वृन्दा स्वरूप द्वारा जनपद के कई विद्यालयों, न्याय पंचायत संसाधन केन्द्रों तथा ब्लाक संसाधन केन्द्रों का निरीक्षण किया गया तथा क्रियान्वयन सही पाया गया। परियोजना काल में ज्वांइट रिव्यू मिशन द्वारा जनपद के कई विकास खण्डों के क्रियाकलापों के निरीक्षण से जनपद की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए जनपद की सराहना की गयी।

## 2.4 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भीमताल

सभी के लिए शिक्षा परियोजनान्तगर्त वर्ष 1995 से 2000 तक जनपद नैनीताल के सेवारत प्राथमिक व उच्च प्राथमिक अध्यापकों, ग्राम शिक्षा समितियों के सदस्यों तथा सेवापूर्व प्राशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत है–

### जिला –नैनीताल
### फाउण्डेशन कोर्स

तालिका नं0 2.13 A

| क्र.सं. | ब्लाक | अध्यापकों की कुल सं0 | | | प्रशिक्षित अध्यापक | | | अवशेष अध्यापक | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पुरूष | महिला | योग | पुरूष | महिला | योग | पुरूष | महिला | योग |
| 01 | भीमताल | 62 | 238 | 300 | 62 | 238 | 300 | – | – | – |
| 02 | कोटाबाग | 80 | 73 | 153 | 78 | 70 | 148 | 02 | 03 | 05 |
| 03 | ओखलकांडा | 167 | 13 | 180 | 159 | 12 | 171 | 08 | 01 | 09 |
| 04 | रामगढ़ | 80 | 85 | 165 | 80 | 85 | 165 | – | – | – |
| 05 | धारी | 72 | 48 | 120 | 72 | 45 | 117 | – | 03 | 03 |
| 06 | हल्द्वानी | 95 | 283 | 378 | 95 | 280 | 375 | – | 03 | 03 |
| 07 | बेतालघाट | 134 | 48 | 182 | 130 | 86 | 176 | 04 | 02 | 06 |
| 08 | रामनगर | 130 | 94 | 224 | 129 | 94 | 223 | 01 | – | 01 |
| | योग | 820 | 882 | 1702 | 805 | 870 | 1675 | 15 | 12 | 27 |

स्रोत :– कार्यालय डायट, भीमताल

# जिला–नैनीताल

## भाषा प्रशिक्षण

### तालिका नं. 2.13 B

| क्र. सं. | ब्लाक | अध्यापकों की कुल सं0 | | | प्रशिक्षित अध्यापक | | | अवशेष अध्यापक | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पुरूष | महिला | योग | पुरूष | महिला | योग | पुरूष | महिला | योग |
| 01 | भीमताल | 59 | 261 | 320 | 59 | 259 | 318 | – | 02 | 02 |
| 02 | कोटाबाग | 74 | 83 | 157 | 73 | 82 | 155 | 01 | 01 | 02 |
| 03 | ओखलकाडा | 172 | 23 | 195 | 166 | 21 | 187 | 06 | 02 | 08 |
| 04 | रामगढ | 95 | 101 | 196 | 93 | 99 | 192 | 02 | 02 | 04 |
| 05 | धारी | 70 | 52 | 122 | 70 | 51 | 121 | – | 01 | 01 |
| 06 | हल्द्वानी | 112 | 333 | 445 | 110 | 329 | 439 | 02 | 04 | 06 |
| 07 | वेतालघाट | 117 | 45 | 162 | 117 | 42 | 159 | – | 03 | 03 |
| 08 | रामनगर | 132 | 122 | 254 | 131 | 119 | 250 | 01 | 03 | 04 |
| योग | | 831 | 1020 | 1851 | 819 | 1002 | 1821 | 12 | 18 | 30 |

# जिला–नैनीताल

## भाषा अनुप्रक प्रशिक्षण

### तालिका नं0 2.14

| क्र. सं | ब्लाक | अध्यापकों की कुल सं0 | | | प्रशिक्षित अध्यापक | | | अवशेष अध्यापक | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | पुरूष | महिला | योग | पुरूष | महिला | योग | पुरूष | महिला | योग |
| 01 | भीमताल | 50 | 256 | 306 | 49 | 254 | 303 | 01 | 02 | 03 |
| 02 | कोटाबाग | 89 | 91 | 180 | 89 | 91 | 180 | – | – | – |
| 03 | ओखलकांडा | 160 | 29 | 189 | 157 | 23 | 180 | 03 | 06 | 09 |
| 04 | रामगढ | 71 | 83 | 154 | 71 | 81 | 152 | – | 02 | 02 |
| 05 | धारी | 63 | 58 | 121 | 61 | 58 | 119 | 02 | – | 02 |
| 06 | हल्द्वानी | 70 | 353 | 423 | 69 | 353 | 422 | 01 | – | 01 |
| 07 | वेतालघाट | 138 | 69 | 207 | 138 | 68 | 206 | – | 01 | 01 |
| 08 | रामनगर | 128 | 109 | 237 | 125 | 104 | 229 | 03 | 05 | 08 |
| | योग | 769 | 1048 | 1817 | 759 | 1032 | 1791 | 10 | 16 | 26 |

स्रोत – कार्यालय डायट भीमताल

## जनपद–नैनीताल
## गणित चतुर्थ फेरा प्रशिक्षण
### तालिका नं0 2.15

| क्र.सं. | ब्लाक | प्रशिक्षित अध्यापक विवरण | | | | | | सम्पूर्ण योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | प्र0 अ0 | | | स0 अ0 | | | |
| | | पुरूष | महिला | योग | पुरूष | महिला | योग | |
| 01 | भीमताल | 36 | 98 | 134 | 18 | 161 | 179 | 313 |
| 02 | धारी | 37 | 23 | 60 | 24 | 35 | 59 | 119 |
| 03 | रामगढ | 33 | 51 | 84 | 36 | 35 | 71 | 155 |
| 04 | बेतालघाट | 77 | 27 | 104 | 54 | 47 | 101 | 205 |
| 05 | कोटाबाग | 51 | 22 | 73 | 26 | 72 | 98 | 171 |
| 06 | रामनगर | 64 | 26 | 90 | 83 | 113 | 196 | 286 |
| 07 | हल्द्वानी | 37 | 69 | 106 | 32 | 273 | 305 | 411 |
| 08 | ओखलकॉडा | 67 | 09 | 76 | 67 | 18 | 85 | 161 |
| | योग | 402 | 325 | 727 | 340 | 754 | 1094 | 1821 |

## जनपद–नैनीताल
## पूर्व माध्यमिक गणित प्रशिक्षण
### तालिका नं0 2.16

| क्र.सं. | विकास खण्ड | प्रशिक्षित अध्यापक विवरण | | सम्पूर्ण योग |
|---|---|---|---|---|
| | | पूर्व माध्यमिक अध्यापक | रा0 इ0 क0 / रा0अ0मा0वि0 | |
| 01 | भीमताल | 56 | 10 | 66 |
| 02 | कोटाबाग | 42 | 07 | 49 |
| 03 | ओखलकाडा | 42 | 01 | 43 |
| 04 | रामगढ | 46 | 02 | 48 |
| 05 | धारी | 31 | 07 | 38 |
| 06 | हल्द्वानी | 49 | 17 | 66 |
| 07 | बेतालघाट | 48 | 01 | 49 |
| 08 | राननगर | 68 | 04 | 72 |
| योग | | 382 | 49 | 431 |

स्रोत – कार्यालय डायट, भीमताल

## जनपद–नैनीताल

### पूर्व माध्यमिक विज्ञान प्रशिक्षण

तालिका नं0 2.17

| क्र0सं0 | विकास खण्ड | प्रशिक्षित अध्यापक विवरण | | सम्पूर्ण योग |
|---|---|---|---|---|
| | | पूर्व माध्यमिक अध्यापक | रा0इ0क0 / रा0उ0मा0वि0 | |
| 01 | भीमताल | 30 | 00 | 30 |
| 02 | कोटाबाग | 21 | 01 | 22 |
| 03 | ओखलकॉडा | 30 | 03 | 33 |
| 04 | रामगढ़ | 17 | 00 | 17 |
| 05 | धारी | 15 | 03 | 18 |
| 06 | हल्द्वानी | 29 | 04 | 33 |
| 07 | बेतालघाट | 23 | 00 | 23 |
| 08 | रामनगर | 31 | 02 | 33 |
| योग | | 196 | 13 | 209 |

## जनपद – नैनीताल

### पर्यावरण अध्ययन प्रशिक्षण

तालिका नं0–2.18

| क्र0सं0 | विकास खण्ड | प्रशिक्षित अध्यापक विवरण | | सम्पूर्ण योग |
|---|---|---|---|---|
| | | प्रधान अध्यापक | सहायक अध्यापक | |
| 01 | भीमताल | 137 | 170 | 307 |
| 02 | कोटाबाग | 58 | 345 | 403 |
| 03 | ओखलकॉडा | 55 | 70 | 125 |
| 04 | रामगढ़ | 87 | 78 | 165 |
| 05 | धारी | 101 | 93 | 194 |
| 06 | हल्द्वानी | 88 | 150 | 238 |
| 07 | बेतालघाट | 76 | 100 | 176 |
| 08 | रामनगर | 101 | 90 | 191 |
| योग | | 703 | 1096 | 1799 |

स्रोत – कार्यालय डायट, भीमताल

## जनपद– नैनीताल

### ग्राम शिक्षा समितियों के कुल प्रशिक्षणों की स्थितिः–

तालिका– नं0– 2.19

| क्र0सं0 | ब्लाकों की सं0 | कुल ग्राम शिक्षा समितियों की सं0 | प्रशिक्षित सदस्यों की संख्या | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | पुरूष | महिला | योग |
| 1 | 08 | 429 | 5863 | 3323 | 9186 |

स्रोत – कार्यालय डायट, भीमताल

## सेवापूर्व विभाग

तालिका नं0–2.20

(बी0 टी0 सी0 प्रशिक्षण में जनपद नैनीताल व उधमसिंह नगर दोनों के प्रशिक्षण सम्मिलित है)

वर्ष 1993–94 से अब तक सेवा पूर्व विभाग द्वारा निम्नानुसार बी0टी0सी0 प्रशिक्षण सम्पन्न कराया गयाः–

| सत्र | कक्षा(बी0टी0सी0) | छात्राध्यापक | छात्राध्यापिका | योग |
|---|---|---|---|---|
| 1995–96 | प्रथम वर्ष | 18 | 42 | 60 |
| | द्वितीय वर्ष | 18 | 41 | 59 |
| 1996–97 | प्रथम वर्ष | 53 | 55 | 108 |
| | द्वितीय वर्ष | 14 | 41 | 55 |
| 1997–98 | द्वितीय वर्ष | 53 | 55 | 108 |
| 2000–2001 | प्रथम वर्ष | 25 | 24 | 49 |
| | द्वितीय वर्ष | 22 | 23 | 45 |

स्रोत – कार्यालय डायट, भीमताल

वर्ष 1994 से 96 तक उपरोक्त प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थियों के चयन का आधार लिखित एवं मौखिक परीक्षाएँ थी । इस चयन प्रकिया में 70 प्रतिशत बालिकाओं तथा 30 प्रतिशत बालकों के लिए स्थान उपलब्ध था, परन्तु वर्ष 1995 से बालक–बालिकाओं के लिए उपलब्ध स्थान क्रमशः 50 प्रतिशत कर दिये गये।

उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भीमताल, जनपद नैनीताल द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी वर्ष 95 से वर्ष 2001 तक सम्पन्न किये गये हैः–

- विभिन्न प्रशिक्षणों से संबंधित संदर्भदाताओं का प्रशिक्षण
- परिषदीय विद्यालयों में नव नियुक्त अध्यापकों का सेवा पूर्वागम प्रशिक्षण।
- ई0सी0 सी0 ई0 के कार्यकर्त्रियों का प्रशिक्षण।
- शिक्षाघर के अनुदेशकों का प्रशिक्षण।
- प्रा0 विद्यालयों का बेसलाइन सर्वेक्षण।
- डायट सीतापुर में बेसलाइन सर्वेक्षण।
- बेसिक शिक्षा अधिकारियों, उप बे0 शि0 सहायक, बे0 शि0 अधिकारियों, वरिष्ठ प्रवक्ताओं, प्रवक्ताओं, बी0आर0सी0/एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों की 4 दिवसीय विजनिंग कार्यशाला ।
- स्थानीय लेखकों, कवियों के माध्यम से क्षेत्रीय अनुपूरक साहित्य का निर्माण 03 दिवसीय कार्यशाला।
- बी0आर0सी0, एन0पी0आर0सी समन्वयकों की प्रबन्ध नियोजन सम्बन्धी कार्यशाला 03 दिवसीय ।
- कक्षा 1, 2, एवं कक्षा 4 के भाषा, गणित परीक्षण हेतु उपकरणों का निर्माण।
- प्रा0 विद्यालयों क शैक्षिक उन्नयन हेतु उनका श्रेणीकरण।
- प्रा0 विद्यालयों के शैक्षिक समस्याओं के निदान हेतु किये गये क्रियात्मक शोध।
- ग्राम सभा अमियां, अमतपुर क्षेत्र भीमताल तथा ग्राम बसई क्षेत्र रामनगर में शालात्यागी सर्वेक्षण।
- संस्थान में जनपद नैनीताल के समस्त बी0आर0सी0 में मेटीरियल मेलों का आयोजन।
- डी0 पी0 ई0 पी0 जनपद बागेश्वर, चम्पावत, पिथौरागढ, टिहरी एवं उत्तरकाशी के लिए बेरा लाइन सर्वेक्षण कार्यशाला।
- बेस लाइन सर्वेक्षण अन्तिम मूल्यॉकन।
- विशिष्ट बी0 टी0 सी0 के अभ्यर्थियों के 30 दिवसीय प्रशिक्षण
- संवारत् सी0पी0एड0 अध्यापकों का बी0टी0सी0 प्रशिक्षण।

- कुमायूँ मण्डल के बी0आर0सी0, एन0पी0आर0सी0 के समन्वयकों, सरगनाई विद्यालयों के अध्यापकों का 10 दिवसीय शिक्षा मित्र सम्बन्धी प्रशिक्षण।
- उत्तरांचल के समस्त डायट्स के प्रवक्ताओं का शिक्षा मित्र संबंधी संदर्भदाता प्रशिक्षिण।
- कक्षा 1,2 तथा 3 को पढ़ाने वाले अध्यापकों का पाठ्य पुस्तक समालोचना सम्बन्धी 03 दिवसीय प्रशिक्षण।
- कक्षा 1 को पढ़ाने वाले प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापको एवं पूर्व प्राथमिक शिक्षा से सम्बंधित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियो का प्रशिक्षण
- सीमेट द्वारा आयोजन ए0वी0एस0ए0, एस0डी0आई0व प्रा0 विद्यालयो के प्रधान अध्यापको की शोध कार्यशाला।
- जनपद नैनीताल की ग्राम सभाओं में स्कूल चलों अभियान का संचालन
- जनपद नैनीताल के कोटाबाग, धारी भीमताल के नगरपालिका के विद्यालयों का सर्वेक्षण।
- प्राथमिक विद्यालयों में क्लास रूम आब्जर्वेशन स्टडी।
- कक्षा 1, 2 तथा 4 के भाषा, गणित विषयों के परीक्षण हेतु उपकरणों का निर्माण।
- बी0 आर0 सी0, एन0 पी0 आर0 सी0 समन्वयकों द्वारा विद्यालयों का श्रेणीकरण तथा 'स', 'द' श्रेणी के विद्यालयों को "अ", "ब" श्रेणी में लाने का प्रयास।

उपरोक्त समस्त प्रशिक्षण व अन्य कार्यक्रम जनपद नैनीताल व उधम सिंह नगर दोनों के लिए सम्मिलित रूप में कराये गये।

## 2.5 विद्यालयों का श्रेणीकरण

जनपद के 888 प्राथमिक विद्यालायों में गुणात्मक सुधार, प्रवेश में वृद्धि, शालात्यागी छात्रों की संख्या में कमी, भौतिक संसाधनों में वृद्धि, अध्यापकों के प्रशिक्षण, अध्यापकों का व्यक्तित्व एवं कार्यप्रणाली, विद्यालय की शैक्षिक स्थिति, ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण तथा जन सहभागिता के आधार पर विद्यालयों के वीक्षण निरीक्षण करने के उपरान्त समस्त प्राथमिक विद्यालयों के श्रेणीकरण की स्थिति निम्न प्रकार है:-

## प्राथमिक विद्यालयों का विकास खण्डवार श्रेणीकरणः—

### तालिका नं0—2.21

| क्र0सं0 | क्षेत्र | कुल विद्यालय | ए | बी | सी | डी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ओखलकांडा | 141 | 16 | 98 | 27 | |
| 2 | धारी | 67 | 32 | 35 | — | |
| 3 | रामगढ | 100 | 42 | 58 | — | |
| 4 | बेतालघाट | 123 | 44 | 79 | 02 | |
| 5 | भीमताल | 131 | 30 | 99 | — | |
| 6 | कोटाबाग | 82 | 33 | 49 | 03 | |
| 7 | हल्द्वानी | 96 | 22 | 71 | 13 | |
| 8 | रामनगर | 90 | 19 | 58 | 45 | |
| योग | | 830 | 238 | 547 | 45 | |
| 1 | नगर क्षेत्र नैनीताल | 23 | 04 | 16 | 03 | |
| 2 | नगर क्षेत्र भवाली | 03 | 01 | — | 02 | |
| 3 | नगर क्षेत्र हल्द्वानी | 24 | — | 18 | 06 | |
| 4 | नगर रामनगर | 08 | 03 | 03 | 02 | |
| योग | | 58 | 08 | 37 | 13 | |
| महायोग | | 888 | 246 | 584 | 58 | |
| प्रतिशत | | | 27.7 | 65.76 | 6.53 | |

स्रोत – कार्यालय डायट, भीमताल

नगर क्षेत्र, हल्द्वानी में कोई भी प्राथमिक विद्यालय "ए" श्रेणी में नही है। 18 प्राथमिक विद्यालय "बी" श्रेणी में आते है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र ओखलकाण्डा के 27 तथा ग्रामीण क्षेत्र रामनगर के 13 विद्यालय जो "सी" श्रेणी में आते हैं। पूर्ण प्रयास किया जायेगा कि हल्द्वानी के 18 प्राथमिक विद्यालय "बी" श्रेणी से "ए" श्रेणी में तथा ओखलकाण्डा व रामनगर के क्रमशः 27 तथा 13 प्राथमिक विद्यालय "बी" व "ए" श्रेणी मे लाना आगामी योजना में प्रस्तावित किया गया है।

बेसिक शिक्षा परियोजना में प्राथमिक विद्यालयों के स्तरोन्नयन के लिए श्रेणीकरण का प्रयास प्रगतिपूर्ण रहा है तथा विद्यालयों संकुलों व बी0 आर0सी0 के बीच पारस्परिक प्रतिस्पर्द्धा व गुणवत्ता संवर्द्धन में भी हुआ है।

जनपद – नैनीताल
परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों का श्रेणीकरण
(वर्ष 2000–2001)
कुल श्रेणीकृत विद्यालय 888
'अ' श्रेणी में 246
'ब' श्रेणी में 584
'स' श्रेणी में 058

# जनपद – नैनीताल

## परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों का श्रेणीकरण
## (वर्ष 2000–2001)

कुल श्रेणीकृत विद्यालय 888
"अ" श्रेणी में 246
"ब" श्रेणी में 584
"स" श्रेणी में 058

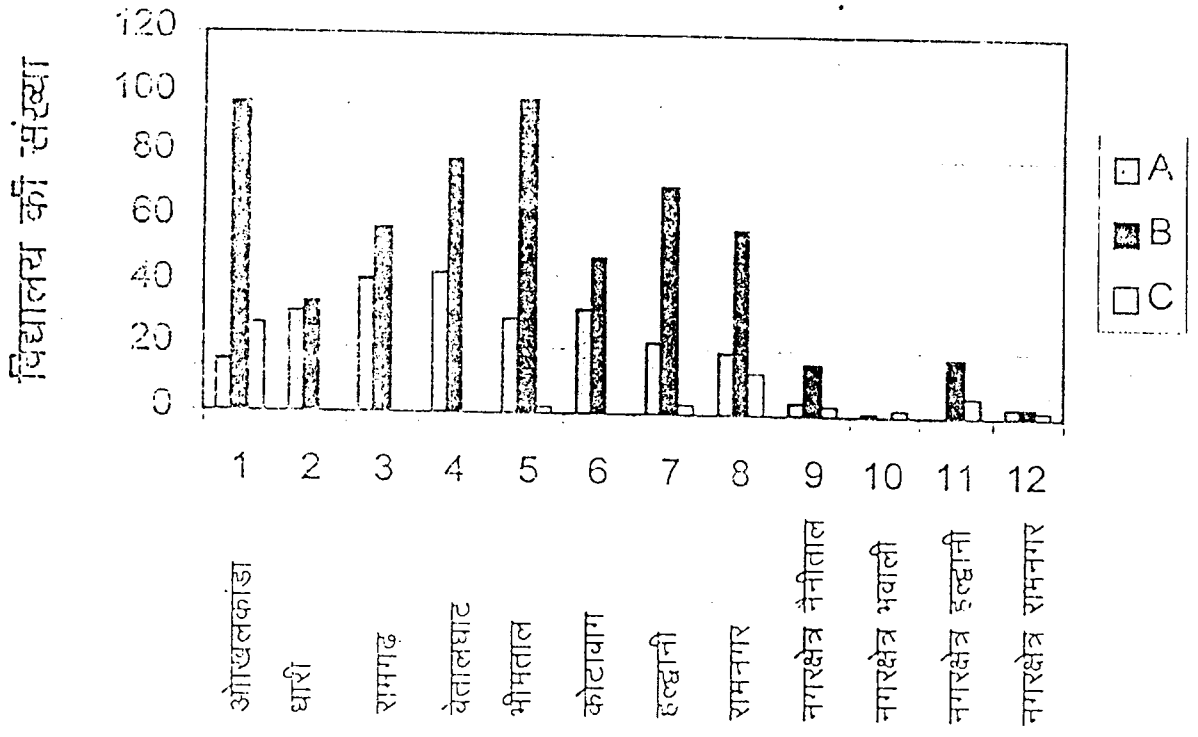

# जनपद – नैनीताल

## 11 – 14 वर्ष के कुल बच्चों का विवरण

तालिका नं0 2.33

| क्र. सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | कुल | | | अनुसूचित जाति | | | अनु0 जनजाति | | | पिछड़ी जाति | | | अल्पसंख्यक | | | विकलांग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग |
| 1 | ओखलकाण्डा | 2071 | 1803 | 3874 | 272 | 202 | 474 | | | -- | 49 | 40 | 89 | – | – | -- | 06 | 06 | 12 |
| 2 | धारी | 1413 | 1309 | 2722 | 432 | 372 | 804 | 01 | -- | 01 | 05 | 06 | 11 | – | -- | – | 05 | 06 | 11 |
| 3 | रामगढ़ | 1333 | 1333 | 2666 | 536 | 515 | 1051 | 04 | 08 | 12 | 15 | 10 | 25 | 05 | 03 | 08 | 18 | 13 | 31 |
| 4 | बेतालघाट | 1741 | 1613 | 3354 | 538 | 424 | 962 | - | – | | 59 | 64 | 123 | 04 | 04 | 08 | 07 | 10 | 17 |
| 5 | भीमताल | 1856 | 1664 | 3520 | 636 | 570 | 1206 | 02 | 06 | 08 | 36 | 33 | 69 | 37 | 38 | 75 | 03 | 02 | 05 |
| 6 | ओखलकाण्डा | 1924 | 1733 | 3657 | 414 | 419 | 833 | | – | – | 89 | 83 | 172 | 151 | 121 | 272 | 05 | 04 | 09 |
| 7 | हल्द्वानी | 5669 | 5363 | 11032 | 1082 | 1061 | 2143 | 16 | 10 | 26 | 265 | 208 | 473 | 168 | 150 | 318 | 18 | 20 | 38 |
| 8 | रामनगर | 3260 | 2910 | 6170 | 1117 | 906 | 2113 | 115 | 93 | 208 | 286 | 233 | 519 | 475 | 346 | 821 | 17 | 29 | 116 |
| | योग ग्रामीण | 19267 | 17728 | 36995 | 5027 | 4559 | 9586 | 138 | 117 | 255 | 804 | 677 | 1481 | 840 | 662 | 1502 | 79 | 90 | 169 |
| 1 | नगर नैनीताल | 1087 | 947 | 2034 | 320 | 222 | 542 | 48 | 28 | 76 | 135 | 115 | 250 | 113 | 43 | 156 | 07 | – | 07 |
| 2 | नगर भवाली | 336 | 230 | 566 | 113 | 82 | 195 | 03 | 02 | 05 | 14 | 21 | 35 | 10 | 06 | 16 | 01 | -- | 01 |
| 3 | नगर हल्द्वानी | 5945 | 5073 | 10998 | 1087 | 834 | 1921 | 15 | 15 | 30 | 779 | 792 | 1571 | 1643 | 1346 | 2989 | 06 | 02 | 08 |
| 4 | नगर रामनगर | 2149 | 1834 | 3983 | 222 | 302 | 524 | – | – | – | 195 | 174 | 369 | 822 | 898 | 1720 | 12 | 07 | 19 |
| | योग नगर | 9517 | 7984 | 17501 | 1742 | 1440 | 3182 | 66 | 45 | 111 | 1123 | 1102 | 2225 | 2588 | 2293 | 4881 | 26 | 09 | 35 |
| | सकल योग | 28784 | 25712 | 54496 | 67691 | 5999 | 12768 | 204 | 162 | 366 | 1927 | 1779 | 3706 | 3428 | 2955 | 6383 | 105 | 99 | 204 |
| | प्रतिशत | | | | 23.52 | 23.33 | 23.42 | 0.71 | 0.63 | 0.67 | 6.69 | 6.92 | 6.80 | 11.91 | 11.49 | 11.71 | 0.36 | 0.39 | 0.37 |

स्रोत – कार्यालय स0 बे0 शि0 अ0 व नगर शि0 अ0, नैनीता

जनपद में 11–14 वय वर्ग के कुल 54496 बच्चे हैं जिनमें 28784 बालक तथा 25712 बालिकाऐं हैं। तालिकानुसार अनु0 जाति के 6769 बालक तथा 5999 बालिकाऐं हैं जो कुल बालक–बालिकाओं के क्रमशः 23.52 तथा 23.33 प्रतिशत है। अनुसूचित जनजाति के 204 बालक, 162 बालिकाऐं हैं जो कुल बालक, बालिकाओं के क्रमशः 0.71 तथा 0.63 प्रतिशत हैं। पिछड़ी जाति के 1927 बालक तथा 1779 बालिकाऐं हैं जो कुल बालक–बालिकाओं के क्रमशः 6.69 तथा 6.92 प्रतिशत है। अल्पसंख्यकों में 3428 बालक 2955 बालिकाऐं हैं जो कुल बालक–बालिकाओं के क्रमशः 11.91 तथा 11.49 प्रतिशत है। विकलांग के अनतर्गत 105 बालक तथा 99 बालिकाऐं हैं जो कुल बालक–बालिकाओं के क्रमशः 0.36 तथा 0.39 प्रतिशत है।

# जनपद – नैनीताल

## 11 – 14 वय वर्ष के विद्यालय जाने वाले बच्चों का विवरण

तालिका नं0 2.34

| क्र. सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | कुल | | | अनुसूचित जाति | | | अनु0 जनजाति | | | पिछड़ी जाति | | | अल्पसंख्यक | | | विकलांग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग |
| 1. | आखलकाडा | 2016 | 1582 | 3598 | 255 | 161 | 416 | – | – | – | 49 | 38 | 87 | – | – | – | 03 | 02 | 05 |
| 2 | धारी | 1386 | 1259 | 2645 | 415 | 342 | 757 | 01 | - | 01 | 03 | 05 | 08 | - | – | – | 03 | 04 | 07 |
| 3 | रामगढ | 1319 | 1269 | 2588 | 528 | 476 | 1004 | 04 | 08 | 12 | 15 | 10 | 25 | 05 | 03 | 08 | 08 | 08 | 16 |
| 4. | बेतालघाट | 1730 | 1573 | 3303 | 531 | 405 | 936 | | – | - | 59 | 63 | 122 | 04 | 04 | 08 | 05 | 04 | 09 |
| 5. | भीमताल | 1839 | 1631 | 3470 | 627 | 552 | 1179 | 02 | 06 | 08 | 36 | 33 | 69 | 37 | 38 | 75 | 03 | - | 03 |
| 6 | कोटाबाग | 1868 | 1660 | 3528 | 407 | 404 | 811 | | | - | 86 | 81 | 167 | 115 | 96 | 211 | 03 | 02 | 05 |
| 7. | हल्द्वानी | 5660 | 5319 | 10949 | 1067 | 1047 | 2114 | 16 | 10 | 26 | 260 | 205 | 465 | 158 | 143 | 301 | 10 | 11 | 21 |
| 8. | रामनगर | 3090 | 2748 | 5838 | 1058 | 917 | 1975 | 106 | 69 | 175 | 278 | 228 | 506 | 460 | 298 | 758 | 15 | 26 | 41 |
| | योग ग्रामीण | 18878 | 17041 | 35919 | 4888 | 4304 | 9192 | 129 | 93 | 222 | 786 | 663 | 1449 | 779 | 582 | 1361 | 50 | 57 | 107 |
| 1. | नगर नैनीताल | 1087 | 947 | 2034 | 320 | 222 | 542 | 48 | 28 | 76 | 135 | 115 | 250 | 113 | 43 | 156 | 07 | – | 07 |
| 2. | नगर भवाली | 336 | 230 | 566 | 113 | 82 | 195 | 03 | 02 | 05 | 14 | 21 | 35 | 10 | 06 | 16 | 01 | – | 01 |
| 3. | नगर हल्द्वानी | 5796 | 4863 | 10659 | 1052 | 811 | 1863 | 15 | 15 | 30 | 725 | 748 | 1473 | 1574 | 1301 | 2875 | 06 | 02 | 08 |
| 4. | नगर रामनगर | 2119 | 1810 | 3929 | 221 | 300 | 521 | – | – | – | 185 | 170 | 355 | 806 | 882 | 1688 | 06 | 06 | 12 |
| | योग नगर | 9338 | 7850 | 17188 | 1706 | 1415 | 3121 | 66 | 45 | 111 | 1059 | 1054 | 2113 | 2503 | 2232 | 4735 | 20 | 08 | 28 |
| | महायोग | 28216 | 24891 | 53107 | 6594 | 5719 | 12313 | 195 | 138 | 333 | 1845 | 1717 | 3562 | 3282 | 2814 | 6096 | 70 | 65 | 135 |
| | प्रतिशत | 98.02 | 96.81 | 97.45 | 97.41 | 95.33 | 96.43 | 95.58 | 85.18 | 90.98 | 95.74 | 96.51 | 96.11 | 95.74 | 95.22 | 95.50 | 66.66 | 65.65 | 66.17 |

स्रोत – कार्यालय स0 वे0 शि0 अ0 व नगर शि0 अ0, नैनीताल

विद्यालय जाने वाले 28,216 बालक, 24891 बालिकाऐं हैं जिनमें 11–14 वय वर्ग के कुल बच्चों में से अनु0 जाति, जनजाति, पिछड़ी जाति तथा अल्प संख्यकों के विद्यालय जाने वाले बालक तथा बालिकाओं का प्रतिशत क्रमशः 97.41, 95.33, 95.58, 85.18, 95.74, 96.51, 95.74 तथा 95.22 है। इसी प्रकार उक्त वय वर्ग के विद्यालय जाने वाले विकलांग बालक–बालिकाओं का प्रतिशत क्रमशः 66.66 तथा 65.65 है।

# जनपद – नैनीताल

## 11 – 14 वय वर्ग के विद्यालय न जाने वाले बच्चों का विवरण

### तालिका नं0 2.35

| क्र. सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | कुल | | | अनुसूचित जाति | | | अनु0 जनजाति | | | पिछड़ी जाति | | | अल्पसंख्यक | | | विकलांग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग |
| 1 | ओखलकाण्डा | 55 | 221 | 276 | 17 | 41 | 58 | – | – | – | – | 02 | 02 | – | – | – | 03 | 04 | 07 |
| 2 | धारी | 27 | 50 | 77 | 17 | 30 | 47 | – | – | – | 02 | 01 | 03 | – | – | – | 02 | 02 | 04 |
| 3 | रामगढ़ | 14 | 64 | 78 | 08 | 39 | 47 | – | | – | | | – | – | – | – | 10 | 05 | 15 |
| 4 | बेतालघाट | 11 | 40 | 51 | 07 | 19 | 26 | – | – | – | – | 01 | 01 | – | – | – | 02 | 06 | 08 |
| 5 | भीमताल | 17 | 33 | 50 | 09 | 18 | 27 | – | | – | – | – | – | – | – | – | – | 02 | 02 |
| 6 | कोटाबाग | 56 | 73 | 129 | 07 | 15 | 22 | | | . | 03 | 02 | 05 | 36 | 25 | 61 | 02 | 02 | 04 |
| 7 | हल्द्वानी | 39 | 44 | 83 | 15 | 14 | 29 | | | . | 05 | 03 | 08 | 10 | 07 | 17 | 08 | 09 | 17 |
| 8 | रामनगर | 170 | 162 | 332 | 59 | 79 | 138 | 09 | 24 | 33 | 08 | 05 | 13 | 15 | 48 | 63 | 02 | 03 | 05 |
| | योग ग्रामीण | 389 | 687 | 1076 | 139 | 255 | 394 | 09 | 24 | 33 | 18 | 14 | 32 | 61 | 80 | 141 | 29 | 33 | 62 |
| 1 | नगर नैनीताल | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| 2 | नगर भवाली | – | – | – | – | – | | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| 3 | नगर हल्द्वानी | 153 | 110 | 263 | 35 | 23 | 58 | – | – | – | 54 | 44 | 98 | 69 | 45 | 114 | – | – | – |
| 4 | नगर रामनगर | 30 | 24 | 54 | 01 | 02 | 03 | – | – | – | 10 | 04 | 14 | 16 | 16 | 32 | 06 | 01 | 07 |
| | योग नगर | 183 | 134 | 317 | 36 | 25 | 61 | – | – | – | 64 | 48 | 112 | 85 | 61 | 146 | 06 | 01 | 07 |
| | महायोग | 572 | 821 | 1393 | 175 | 280 | 455 | 09 | 24 | 33 | 82 | 62 | 144 | 146 | 141 | 287 | 35 | 34 | 69 |
| | प्रतिशत | 1.98 | 3.19 | 2.55 | 2.59 | 4.67 | 3.57 | 4.42 | 14.82 | 9.02 | 4.26 | 3.49 | 3.89 | 4.26 | 4.78 | 4.50 | 33.34 | 34.35 | 33.83 |

स्रोत – कार्यालय रा0 बे0 शि0 अ0 व नगर शि0 अ0, नैनीताल

उक्त वय वर्ग के विद्यालय जाने वाले 28216 बालक 24891 बालिकाऐं हैं जिनमें से विद्यालय न जाने वाले 572 बालक तथा 821 बालिकाऐं हैं जो कुल बच्चों का 1.98 तथा 3.19 प्रतिशत क्रमशः बालक–बालिकाऐं हैं।

विद्यालय जाने वाले बच्चों में अनु0 जाति, अनु0 जनजाति, पिछड़ी जाति तथा अल्पसंख्यक के बालक–बालिकाओं का प्रतिशत क्रमशः 2.59, 4.67, 4.42, 14.82, 4.26, 3.49, 4.26 तथा 4.78 प्रतिशत है। विकलांग बच्चों का प्रतिशत क्रमशः 33.34 तथा 34.35 है। उपरोक्त तालिका के अनुसार विद्यालय न जाने वाले सबसे अधिक बच्चे क्षेत्र ओखलकांडा, कोटाबाग व रामनगर ग्रामीण क्षेत्र तथा नगर क्षेत्र हल्द्वानी में है।

# जनपद – नैनीताल

## 11 – 14 वय वर्ष के बच्चों का विवरण जो कभी विद्यालय नहीं गये

तालिका नं0 2.36

| क्र. सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | कुल | | | अनुसूचित जाति | | | अनु0 जनजाति | | | पिछड़ी जाति | | | अल्पसंख्यक | | | विकलांग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग |
| 1 | ओखलकाण्डा | 17 | 98 | 115 | 06 | 18 | 24 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 02 | 02 | 04 |
| 2. | धारी | 01 | 01 | 02 | 01 | 01 | 02 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| 3 | रामगढ़ | 03 | 07 | 10 | 03 | 09 | 12 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 05 | 01 | 06 |
| 4 | बेतालघाट | 04 | 06 | 10 | 02 | 06 | 08 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| 5 | भीमताल | 01 | 02 | 03 | 01 | 01 | 02 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 02 | 02 |
| 6 | कोटाबाग | 19 | 16 | 35 | 01 | – | 01 | – | – | – | – | – | – | 17 | 12 | 29 | 01 | – | 01 |
| 7 | हल्द्वानी | 19 | 15 | 34 | 04 | 03 | 07 | – | – | | 03 | 03 | 06 | 07 | 05 | 12 | 01 | 05 | 06 |
| 8 | रामनगर | 69 | 80 | 149 | 11 | 40 | 51 | 02 | 14 | 16 | – | – | – | 05 | 18 | 23 | 01 | 01 | 02 |
| | योग ग्रामीण | 133 | 225 | 358 | 29 | 78 | 107 | 02 | 14 | 16 | 03 | 03 | 06 | 29 | 35 | 64 | 10 | 11 | 21 |
| 1. | नगर नैनीताल | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| 2 | नगर भवाली | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| 3. | नगर हल्द्वानी | 120 | 92 | 212 | 24 | 18 | 42 | – | – | – | 48 | 38 | 86 | 65 | 42 | 107 | – | – | – |
| 4 | नगर रामनगर | 16 | 15 | 31 | – | 02 | 02 | – | – | – | 06 | 01 | 07 | 14 | 09 | 23 | 01 | – | 01 |
| | योग नगर | 136 | 107 | 243 | 24 | 20 | 44 | – | – | – | 54 | 39 | 93 | 79 | 51 | 130 | 01 | – | 01 |
| | महा योग | 269 | 332 | 601 | 53 | 98 | 151 | 02 | 14 | 16 | 57 | 42 | 99 | 108 | 86 | 194 | 11 | 11 | 22 |
| | प्रतिशत | 0.93 | 1.29 | 1.10 | 0.78 | 1.63 | 1.18 | 0.98 | 8.64 | 4.37 | 2.95 | 2.36 | 2.67 | 3.15 | 2.91 | 3.03 | 10.47 | 11.11 | 10.78 |

स्रोत – कार्यालय स0 वे0 शि0 अ0 व नगर शि0 अ0, नैनीताल

तालिकानुसार उक्त वय वर्ग के बच्चे जो कभी विद्यालय नहीं गये 269 बालक व 332 बालिकाऐं कुल 601 बच्चे हैं जो 11–14 वय वर्ग के कुल बच्चों का 0.93 बालक, 1.23 प्रतिशत बालिकाऐं हैं। कभी विद्यालय न जाने वाले बच्चों में अनु0 जाति, अनु0 जनजाति, पिछड़ी जाति तथा अल्पसंख्यक के बालक–बालिकाओं का प्रतिशत क्रमशः 0.78, 1.63, 0.98, 8.64, 2.95, 2.36, 3.15 तथा 2.91 है। विकलांग बच्चों में बालक–बालिकाओं का प्रतिशत क्रमशः 10.47 व 11.11 है।

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि उक्त वय वर्ग के कभी विद्यालय न जाने वाले बच्चों में सर्वाधिक संख्या नगर क्षेत्र हल्द्वानी 212, ग्रामीण क्षेत्र रामनगर 149 तथा ग्रामीण क्षेत्र ओखलकांडा 115 है। न्यूनतम संख्या ग्रामीण क्षेत्र भीमताल में है।

# जनपद – नैनीताल

## 11 – 14 वय वर्ष के बच्चों का विवरण जिन्होंने प्रवेश लेने के पश्चात विद्यालय छोड़ा।

तालिका नं0 2.37

| क्र. सं. | विकास खण्ड / नगर क्षेत्र का नाम | कुल | | | अनुसूचित जाति | | | अनु0 जनजाति | | | पिछड़ी जाति | | | अल्पसंख्यक | | | विकलांग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग | बालक | बालिका | योग |
| 1 | आरतलकाडा | 38 | 123 | 161 | 11 | 23 | 34 | – | – | – | – | 02 | 02 | – | – | – | 01 | 02 | 03 |
| 2 | धारी | 26 | 49 | 75 | 16 | 29 | 45 | – | – | – | 02 | 01 | 03 | – | – | – | 02 | 02 | 04 |
| 3 | रामगढ | 11 | 57 | 68 | 05 | 30 | 35 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | 05 | 04 | 09 |
| 4 | बेतालघाट | 07 | 34 | 41 | 05 | 13 | 18 | – | – | – | – | 01 | 01 | – | – | – | 02 | 06 | 08 |
| 5 | भीमताल | 16 | 51 | 67 | 08 | 17 | 25 | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| 6 | कोटाबाग | 37 | 57 | 94 | 06 | 15 | 21 | – | – | – | 03 | 02 | 05 | 19 | 13 | 32 | 01 | 02 | 03 |
| 7 | हल्द्वानी | 20 | 29 | 49 | 11 | 11 | 22 | – | – | – | 02 | – | 02 | 03 | 02 | 05 | 07 | 04 | 11 |
| 8 | रामनगर | 101 | 82 | 183 | 48 | 39 | 87 | 07 | 10 | 17 | 08 | 05 | 13 | 10 | 30 | 40 | 01 | 02 | 03 |
| | योग ग्रामीण | 256 | 482 | 738 | 110 | 177 | 287 | 07 | 10 | 17 | 15 | 11 | 26 | 32 | 45 | 77 | 19 | 22 | 41 |
| 1 | नगर नैनीताल | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| 2 | नगर भवाली | – | – | – | | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – | – |
| 3 | नगर हल्द्वानी | 33 | 18 | 51 | 11 | 05 | 16 | – | – | – | 06 | 06 | 12 | 04 | 03 | 07 | – | – | – |
| 4 | नगर रामनगर | 14 | 09 | 23 | 01 | – | 01 | – | – | – | 04 | 03 | 07 | 02 | 07 | 09 | 05 | 01 | 06 |
| | योग नगर | 47 | 27 | 74 | 12 | 05 | 17 | – | – | – | 10 | 09 | 19 | 06 | 10 | 16 | 05 | 01 | 06 |
| | महा योग | 303 | 509 | 812 | 122 | 182 | 304 | 07 | 10 | 17 | 25 | 20 | 45 | 38 | 55 | 93 | 24 | 23 | 47 |
| | प्रतिशत | 1.05 | 1.98 | 1.49 | 1.80 | 3.03 | 2.38 | 3.43 | 6.17 | 4.64 | 1.29 | 1.12 | 1.21 | 1.10 | 1.86 | 1.46 | 22.85 | 23.23 | 23.03 |

स्रोत – कार्यालय स0 बे0 शि0 अ0 व नगर शि0 अ0, नैनीताल

जनपद में 11–14 वय वर्ग के कुल 54496 बच्चे हैं जिनमें से शालात्यागी बच्चों की संख्या 812 है जो कुल बच्चों का 1.49 प्रतिशत है अनु0 जाति, अनु0 जनजाति, पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक बालक–बालिकाओं का प्रतिशत क्रमशः 1.80, 3.03, 3.43, 6.17, 1.29, 1.12, 1.10 तथा 1.86 है। विकलांग बालक–बालिकाओं का प्रतिशत क्रमशः 22.85 तथा 23.23 है।

**विकास खण्ड एवं नगर क्षेत्रों के विद्यालय स्तरीय सर्वेक्षण के आधार पर विद्यालय छोड़ने के प्रमुख कारण निम्नवत् हैं :-**

1. घरेलू कार्यों में भाग लेना
2. आर्थिक कारण
3. शिक्षा के प्रति अपेक्षित रूचि का अभाव
4. विकलांगता

वर्ष 93–94 से पूर्व जनपद में शालात्यागी बच्चों का प्रतिशत 12.7 था। वर्ष 93–94 से वर्ष 2000 तक जनपद में बेसिक शिक्षा परियोजना संचालित होने के फलस्वरूप वर्तमान में शालात्यागी बच्चों का प्रतिशत अति न्यून है।

विकास खण्डवार विद्यालय न जाने वाले

बालक - बालिकाओं का रेखांकन

कुल बालक / बालिकाओं सहित

अध्याय – 3

# नियोजन प्रक्रिया

नियोजन प्रक्रिया के तीन आयाम नीति निर्धारण, योजना क्रियान्वयन तथा अनुश्रवण एवं मूल्यांकन हैं। जनपद की योजना के नियोजन हेतु आवश्यक है कि विगत में हुई उपलब्धियों के आधार पर वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन कर भविष्य की योजना का प्रारूप बनाया जाय।

जनपद नैनीताल में सभी के लिए शिक्षा परियोजना अन्तर्गत वर्ष 93 से 2000 तक उपलब्धियों का उल्लेख अध्याय–2 में किया गया है। वर्तमान में सर्व शिक्षा अभियान द्वारा सामुदायिक सहभागिता से प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लिए जनपद स्तर पर सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत एक सशक्त योजना बनाने की आवश्यकता है। इस अभियान में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करते हुए ग्राम तथा मजरे स्तर से योजना तैयार करायी गयी है। समुदाय द्वारा क्षेत्र की समस्याऐं रेखांकित की गई तथा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये योजना निर्माण कर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जायेगा ।

## 3.1 बालगणना

जनपद नैनीताल में वर्ष 2001 में बस्ती, तथा मजरे को इकाई मानते हुए बालगणना की गई तथा प्राप्त आंकडों को विकास खण्डवार जनपद स्तर पर संकलित किया गया। आंकडों के विश्लेषण से जनपद के लिये बेसिक शिक्षा की आवश्यकताओं के लिये ग्राम स्तर पर ग्राम शिक्षा समितियों द्वारा प्रस्ताव भी पारित किये गये। जिन्हें वरीयता क्रम में जिला प्लान में समाहित किया गया। यह कार्य जून 2001 में प्रा0 वि0 के अध्यापकों एवं स0 वे0 शि0 अ0/प्रति उप वि0 निरीक्षक के माध्यम से कराया गया। विगत वर्षो में किये गये बेस लाइन सर्वेक्षण की भी सहायता ली गई।

## 3.2 स्कूल चलो अभियान

माह जुलाई 2001 मे विद्यालय न जाने वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये जनपद में विद्यालयवार स्कूल चलो अभियान की रैलियां, गोष्ठियों क

आयोजन किया गया। अपेक्षित सहयोग के लिये प्रयत्न किये गये। शिक्षक–अभिभावक गोष्ठियों से भी बच्चों को स्कूलों में दाखिला दिलाया गया ।

## 3.3 सर्व शिक्षा अभियान हेतु अभिमुखीकरण प्रयास

सर्व शिक्षा अभियान में लक्ष्य एवं उद्देश्यों पर चर्चा, स्कूली शिक्षा के संतोषजनक गुणवत्ता, धारण, शिक्षा में नवाचारों तथा सिविल कार्यों की पूर्ति हेतु दिनांक 5, 6 जुलाई 2001 में शिक्षा निदेशक श्री एम0 सी0 पंत की अध्यक्षता में रूलेक देहरादून में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उत्तरांचल के संयुक्त शिक्षा निदेशक, डायट प्राचार्यों, जि0 बे0 शि0 अधिकारियों, स0 बे0 शि0 अधिकारियों, डायट प्रवक्ताओं आदि ने प्रतिभाग किया। संगोष्ठी का उद्देश्य उत्तरांचल राज्य में जन–जागरण कराना था। इसी से अभिप्रेरित और निर्देशित होकर दिनांक 6–8–2001 को डायट प्राचार्य भीमताल, नैनीताल द्वारा सर्व शिक्षा अभियान को गाँव–गाँव व प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में इसके लक्ष्य व उद्देश्यों को समझाने व उसके अनुसार कार्य करने हेतु पुनः संगोष्ठी /कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के जि0 बे0 शि0 अधिकारी स0 बे0 शि0 अ0, प्रति उप वि0 निरीक्षक, नगर शिक्षा अधिकारियों, बी0 आर0 सी0 एन0 पी0 आर0 सी0 समन्वयकों, एन0 जी0 ओ0 कार्य कर्ताओं, डायट प्रवक्ताओं ने प्रतिभाग किया। इस बैठक में सूचनाओं के प्रपत्रों पर चर्चा कर उनका निर्माण भी किया गया ताकि जनपद नैनीताल में सूचनाओं के संकलन में एकरूपता रहे। बैठक के सभी प्रतिभागियों को अपने–अपने स्तर से जनपद के प्रत्येक गाँव मजरा, बस्ती, मौहल्ला की शिक्षा से सम्बन्धित आवश्यकताओं को प्रमाण सहित चिन्हित कर दिनांक 20–8–2001 तक डायट भीमताल में जमा करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रतिभागियों से विशेष रूप में यह भी आग्रह किया गया कि आवश्यकताओं के चिन्हीकरण में ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों, वार्ड सदस्यों, अभिभावकों, समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों व विशिष्ठ समूहों के मुख्याओं को निश्चित रूप में सम्मिलित किया जाय। बी0 आर0 सी0 स्तर पर 5–5 सदस्यों की भी टीमों का गठन किया गया।

उपरोक्त क्रम को आगे बढ़ाते हुए जनपद नैनीताल के आठों विकास खण्डों तथा नगर क्षेत्रों में शिक्षा समिति के सदस्यों, ब्लाक स्तरीय जन प्रतिनिधियों सी0 डी0 एस0 कार्य कर्ताओं आदि के सहयोग से सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारियों व प्रति उप विद्यालय

निरीक्षकों द्वारा अभिमुखीकरण के लिए संगोष्ठियों का आयोजन किया। इसका उद्देश्य सर्व शिक्षा अभियान के लिए जन जागरण करना तथा ब्लाक स्तर पर शिक्षकों को सूचना प्रपत्रों में होने वाली संभाविक कठिनाइयों का निराकरण करना भी था। समयाभाव होने पर भी सभी का अच्छा सहयोग प्राप्त हुआ तथा जन प्रतिनिधयों एवं अभिभावकों को प्राथमिक शिक्षा में अपनी जिम्मेदारी का एहसास हुआ।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशन में एन0 एस0 डी0 ए0 आर टी0 मसूरी में जिला पर्सपैक्टिव प्लान के निर्माण हेतु 5 दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन दिनांक 28–08–2001 से दिनांक 15–09–2001 तक 3 चरणों में चलाया, जिसमें जि0 बे0 शि0 अधिकारियों, उप बे0 शि0 अ0, स0 बे0 शि0 अधिकारी, डायट के प्रवक्ताओं, तथा जनपद स्तर के सेवा निवृत अधिकारियों को संदर्भ व्यक्तियों के रूप में प्रशिक्षित किया गया व कुल 10 व्यक्तियों को जपपद नैनीताल के पर्सपैक्टिव प्लान के निर्माण हेतु प्रशिक्षित किया गया। दिनांक 20–09–2001 को डायट के प्राचार्य व जि0 वि0 नि0 तथा जि0 बे0 शि0 अ0 नैनीताल की सम्मिलित बैठक का आयोजन जू0 हा0 मल्लीताल, नैनीताल में किया। जिसमें आठ बी0 आर0 सी0 व डायट प्रवक्ताओं एवं संदर्भ व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया ताकि सर्व शिक्षा अभियान में 0–6, 6–14, वय वर्ष के बच्चों के लिए प्राथमिक निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था जिला सूचनाओं के एकत्रीकरण में समरूपता हेतु 32 मुख्य प्रपत्रों को मुद्रित करवाकर जनपद नैनीताल के 2000 प्रा0 वि0, जू0 हाईस्कूल /इन्टर (बालक व बालिका) हेतु पहुँचाने की व्यवस्था की गई ।

विभिन्न तिथियों में 5–5 सदस्यों की ब्लाक स्तरीय कोर कमेटी के सहयोग से स0 बे0 शि0 अ0 व प्रति उप वि0 नि0 के संयोजकत्व में बैठक का आयोजन विकास खण्ड स्तर पर किया गया जिसमें एन0 एस0 डी0 ए0 आर0 टी0 से प्रशिक्षित प्रशिक्षकों व जिला संदर्भ व्यक्तियों ने प्रतिभाग दिनांक 24–09–2001 से 6–10–2001 तक किया। कार्यक्रम सारणी में वर्णित है।

इस प्रकार सम्पूर्ण जनपद की प्राथमिक विद्यालयों व उनके सेवित क्षेत्रों की सूचना 32 प्रपत्रों में ग्राम शिक्षा समितियों के माध्यन से पारित प्रस्तावों की प्रति सहित स्रोत के रूप में संकलित की गयी ।

जनपद नैनीताल बेसिक शिक्षा परियोजना से आच्छादित होने के कारण ई0 एम0 आई0 एस0 से प्राप्त आंकड़ों को भी वार्षिक पर्सपैक्टिव प्लान में आधार बनाया गया है तथा जनपद की वर्ष 2001–2002 की सामाजिक एवं भौगोलिक स्थितियों को शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में देखते हुए किया गया है। जनपद में कुल 442 ग्राम शिक्षा समितियों द्वारा ग्राम सभावार विशिष्ट बस्तियों को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक सहभागिता एवं महिला प्रतिभागिता के आधार पर सर्वशिक्षा अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सूचनाओं का संकलन किया गया।

जनपद के परिसीमन के आधार पर जिला निर्वाचन कार्यालय से परिसीमन समवन्धी आँकड़े तथा जनगणना निदेशालय लखनऊ से 2001 की जनसंख्या आँकड़ों को संकलित किया गया तथा विशिष्ठ समूहों के चयन हेतु जनपद स्तर से संदर्भ व्यक्तियों द्वारा बस्ती के प्रत्येक परिवार से व्यक्तिगत सम्पर्क भी किया गया।

## 3.4 सर्वशिक्षा अभियान में नियोजन स्तर

### जनपद स्तर

| | | |
|---|---|---|
| 1. | जिलाधिकारी नैनीताल – | अध्यक्ष |
| 2. | मुख्य विकास अधिकारी नैनीताल– | उपाध्यक्ष |
| 3. | विशेषज्ञ बेसिक शिक्षा अधिकारी नैनीताल – | सदस्य / सचिव |
| 4. | जिला विद्यालय निरीक्षक नैनीताल – | सदस्य |
| 5. | जिला समाज कल्याण अधिकारी नैनीताल – | सदस्य |
| 6. | प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भीमताल – | सदस्य |
| 7. | मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नैनीताल – | सदस्य |
| 8. | अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग / ग्रामीण अभियंत्रण सेवा– | सदस्य |
| 9. | जिला कार्यक्रम अधिकारी, नैनीताल – | सदस्य |
| 10. | महिला सामख्या अधिकारी – | सदस्य |
| 11. | ब्लाक प्रमुख – | सदस्य |
| 12. | जिला परिषद अध्यक्ष द्वारा नामित सदस्य – | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| 13. | ज्येष्ठ प्रमुख दो जिसमें एक महिला अनु0 जाति – | सदस्य |
| 14. | जिला युवा कल्याण अधिकारी– | सदस्य |
| 15. | स्नातक/स्नाकोत्तर महाविद्यालयों के दो प्रवक्ता जो समाजशास्त्र तथा शिक्षा शास्त्र से संबंधित हो – | सदस्य |
| 16. | स्वयं सेवी संस्था के सदस्य – | सदस्य |
| 17. | जिला सूचना अधिकारी – | सदस्य |
| 18. | जिला क्रीड़ा अधिकारी – | सदस्य |
| 19. | अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान / जलनिगम | सदस्य |
| 20. | नगर प्रमुख – | सदस्य |
| 21. | नगर निगम/प्रमुख द्वारा नामित प्रत्येक नगरपालिका परिषद से | दो सदस्य |
| 22. | राज्य या राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अध्यापक – | सदस्य |
| 23. | उप बेसिक शिक्षा अधिकारी – | सदस्य। |

## नगर शिक्षा समिति

| | | |
|---|---|---|
| 1. | अध्यक्ष नगरपालिका परिषद – | अध्यक्ष |
| 2. | नगर शिक्षा अधिकारी – | सदस्य सचिव |
| 3. | अधिशासी अधिकारी नगर पालिका – | सदस्य |
| 4. | अध्यक्ष नगरपालिका परिषद द्वारा नामित – | दो सदस्य |
| 5. | उप जिला अधिकारी/सिटी मजिस्ट्रेट – | उपाध्यक्ष (यदि ह |
| 6. | मुख्य चिकित्सा अधीक्षक – | सदस्य |
| 7. | सहायक अभियन्ता जल संस्थान/विद्युत खण्ड – | सदस्य |
| 8. | जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा नामित सदस्य – | सदस्य |
| 9. | वरिष्ठ प्रधान अध्यापक उ0 प्रा0/प्राथमिक विद्यालय – | सदस्य |
| 10. | मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रबंधकों की समिति के अध्यक्ष/मंत्री– | सदस्य |
| 11. | सहायक नगर शिक्षा अधिकारी | सदस्य |

| | | |
|---|---|---|
| 12. | जनप्रतिनिधि /प्रभावी व्यक्ति | सदस्य |
| 13. | राजकीय इन्टर कालेजों के वरिष्ठ प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या | सदस्य |
| 14. | स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि – | एक सदस्य |
| 15. | डी0 डी0 एस0 पर्यवेक्षक– | सदस्य |
| 16. | महिला मंगलदल / संगठन – | सदस्य |

## ग्राम /वार्ड शिक्षा समिति

| | | |
|---|---|---|
| 1. | ग्राम प्रधान/वार्ड सभासद – | अध्यक्ष |
| 2. | वरिष्ठ प्रधानाध्यापक प्रा0 /उ0 प्रा0 | सदस्य सचिव |
| 3. | पुरूष अभिभावक (अनुसूचित जाति) | सदस्य |
| 4. | महिला अभिभावक (प्रतिनिधि सदस्य) | सदस्य |
| 5. | अध्यक्ष विद्यालय अभिभावक समिति | सदस्य |
| 6. | अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्रा की माता | सदस्य |
| 7. | न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र/ छात्राओं का पिता | सदस्य |

महिला शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु महिला समाख्या एवं बाल विकास का सहयोग लिया जायेगा। इसके अतिरिक्त ग्राम्य विकास विभाग से स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता लायी गयी तथा एम0 टी0 ए0 के गठन की भी चर्चा की गई। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से समस्त बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण विद्यालय स्तर पर एक निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जायेगा जिसमें चिकित्साधिकारी, ए0एन0एम0 व फार्मासिस्ट का आवश्यक सहयोग लिया जायेगा। गम्भीर रूप से बीमार बच्चों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय को भेजा जायेगा ।

यथासम्भवतः बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण में एम0 टी0 ए0 का सहयोग लिया जायेगा और आवश्यकतानुसार मुख्य रोगों के निदान हेतु विकास खण्ड स्तर पर दवाइयों के रख–रखाव व प्रयोग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जायेगी। इसके लिए आवश्यक वित्तीय व्यवस्था की जायेगी।

## विकास खण्ड स्तर

सर्वशिक्षा अभियान के द्रुत क्रियान्वयन एवं प्रचार प्रसार व अपेक्षित सामाजिक सहयोग हेतु 5–5 सदस्यीय ब्लाक स्तरीय कोर ग्रुप का गठन किया गया है स0 बे0 शि0 अ0, प्रति उप0 वि0 नि0 के संयोजकत्व में बी0 आर0 सी0 समन्वय, सह समन्वयक, वी0 आर0 सी0 के निकठतस्थ प्रा0 वि0 के महिला प्रधानाध्यापिका, विकास खण्ड शिक्षा समिति द्वारा नामित सदस्य को सम्मिलित किया गया है।

## विद्यालय स्तर

बी0 आर0 सी0 कोर गुप द्वारा समस्त प्रा0 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व सहायक अध्यापक के संयोजकत्व में विद्यालय कोर ग्रुप का गठन किया गया जिसमें ग्राम का बहुउद्देशीय कर्मी, ग्राम शिक्षा समिति के दो सदस्य एक महिला व एक पुरूष, तथा अनुसूचित जाति/जनजाति /पिछड़ी जाति की महिला अभिभावक को शामिल करने के लिए कहा गया है। यह भी प्रयास किया गया है कि आवश्यकतानुसार विद्यालय स्तर पर सदस्यों को प्राथमिक शिक्षा के विकास हेतु कम या अधिक किया जा सकता है।

## 3.5 योजना निर्माण के लिए आयोजित बैठकों का विवरण

| क्र0 सं0 | दिनांक | स्थान | प्रतिभागी | विचार विमर्श के मुददे |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 13.6.2001 | जि0बे0शि0अधिकारी कार्यालय नैनीताल | जि0 बे0 शि0 अधि0 स0 बे0 शि0 प्र0 उ0 वि0 निरीक्षक न0 शि0 अधि0 कुल प्रतिभागी–21 | सर्वशिक्षा अभियान में तथ्यपरक आंकडे संकलन करने हेतु दालगणना एवं सर्व सूचना प्रपत्रों के माध्यम से सूचना पर विचार विमर्श एवं नये सत्र में शत प्रतिशत नामांकन पर विचार विमर्श सर्व शिक्षा अभि0 के लक्ष्य एवं उददेश्यों पर गुणवत्ता पर एवं धारण पर चर्चा। सिविल वर्क की जानकारी रूचिपूर्ण शिक्षा पर चर्चा एवं शिक्षा में नवाचार सामुदायिक सहभागिता एवं गैर सरकारी संगठनों के सहयोग पर चर्चा । |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 2. | 5.7.2001 से 7.7.2001 | रूलेक देहरादून | निदेशक, संदर्भ व्यक्ति, जि0 बे0 शि0 अधिकारी, डायट प्राचार्य, एन0 जी0 ओ0 नगर शिक्षा अधिकारी, ए0 बी0 एस0 ए0 डायट प्रवक्ता संयुक्त शिक्षा निदेशक–60 | सर्वशिक्षा अभियान के लक्ष्य एवं उद्देश्यों पर, गुणवत्ता पर एवं धारण पर चर्चा। सिविल वर्क की जानकारी, रूचिपूर्ण शिक्षा पर चर्चा एवं शिक्षा में नवाचार, सामुदायिक सहभागिता एवं गैर सरकारी संगठनों के सहयोग पर चर्चा। |
| 3. | 6.8.2001 | डायट भीमताल | प्राचार्य, उपप्राचार्य वरिष्ठ प्रवक्ता, उप बे0 शि0 अ0, ए0 बी0 एस0, प्रति उ0 वि0 नि0, नगर शिक्षा अधिकारी, डायट प्रवक्ता एवं बी0 आर0 सी0 समन्वयक–42 | सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्य एवं उद्देश्यों पर चर्चा तथा 20 अगस्त तक आकंड़ों का संकलन करने हेतु निर्देश। |
| 4. | 10.8.2001 से 18.8.2001 | समस्त विकास खण्ड एवं नगर क्षेत्र में। | बी0 ई0 सी0 सदस्य, अभिभावक, वार्ड सदस्य, जन प्रतिनिधि, सी0 डी0 एस0 पदाधिकारियों स0 बे0 शि0 अ0 तथा नगर शिक्षा अधिकारी की बैठक | सर्व शिक्षा अभियान को जन–2 तक पहुँचाना तथा समुदाय की सहभागिता। |
| 5. | 28.8.2001 से 1.9.2001<br>4.9.2001 से 8.9.2001<br>11.9.2001 से 15.9.2001 | एन0 एस0 डी0 ए0 आर0 टी0 मंसूरी | जि0बे0शि0अ0, उप बे0शि0अ0, स0 बे0शि0अ0, प्र0उ0वि0नि0, डायट प्रवक्ता, संदर्भ व्यक्ति। | जिला पर्स पेक्टिव प्लान निर्माण हेतु प्रशिक्षण। |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 6. | 20.9.2001 | कार्यालय जि0 बे0 शि0अ0 नैनीताल | एन0 एस0 डी0 ए0 आर0 टी0 से प्रशिक्षण प्राप्त सभी व्यक्ति, समस्त ए0बी0एस0 ए0, प्र0उ0वि0नि0, बी0आर0सी0 समन्वयक। | पर्स पैक्टिव प्लान हेतु प्रत्येक विद्यालय को सर्वेक्षण प्रपत्रों का वितरण एवं सर्वेक्षण प्रपत्रों की सूचनाओ पर विचार विमर्श, सर्वेक्षण में सामुदायिक सहभागिता, विशिष्ट समूहों हेतु कार्ययोजना पर चर्चा। |
| 7. | 24.9.2001<br><br>25.9.2001 | बी0आर0 सी0 धौलाखेड़ा,<br><br>टिक्कू मॉडर्न स्कूल हल्द्वानी | जिलास्तरी संदर्भ व्यक्ति (2) स0 दे0 शि अ0 खण्ड विकास अधिकारी, ब्लाक प्रमुख, नगरपालिका सदस्य ग्राम प्रधान बहुददेश्यी कर्मचारी बी0 आर0 सी0 एन0 पी0 आर0 सी0 समन्वयक जनप्रतिनिधि व वार्ड सदस्य | ग्राम स्तर, बस्ती स्तर, पर बैठकों के आयोजन पर चर्चा, प्रस्ताव लिखित रूप से जिला स्तर पर भेजने पर चर्चा, विशिष्ट क्षेत्रों वंचित क्षेत्रों को पहुंच हेतु व्यापक चर्चा । |
| 8. | 26.9.2001 | बी0 आर0 सी0 रामनगर, कोटाबाग | जिलास्तरीय संदर्भ व्यक्ति (2) स0 दे0 शि0 अ0 खण्ड विकास अधिकारी, ब्लाक प्रनुख, ग्राम प्रधान बहुददेशीय कर्मचारी बी0 आर0 सी0 एन0 पी0 आर0 सी0 समन्वयक, जनप्रतिनिधि, नगर पालिका अध्यक्ष, वार्ड नेम्बर | ग्राम स्तर, बस्ती पर बैठकों के आयोजन पर चर्चा, बस्ती विशिष्ट छात्रों भौगोलिक विषमताओं युक्त क्षेत्रों वन क्षेत्रों में पहुंच दुर्गम स्थलों में शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्यों एवं उददेश्यों पर चर्चा । |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 9. | 4.10.2001 | बी0 आर0 सी0 भीमताल एवं धारी | जिला स्तरीय संदर्भ व्यक्ति स0 बे0 शि0 अ0 खण्ड वि0 अधिकारी ब्लाक प्रमुख, ग्राम प्रधान बहुद्देश्यी कर्मचारी बी0 आर0 सी/ एन0 पी0 आर0 सी0 समन्वयक जनप्रतिनिधि जिला पंचायत | ग्राम तथा बस्ती स्तर पर बैठकों के आयोजन पर चर्चा विशिष्ट क्षेत्रों भौगोलिक विषमतओं से युक्त क्षेत्रों वन क्षेत्रों में पहुंच तथा दुर्गम स्थलों में शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा। सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्यों उद्देश्यों पर चर्चा। |
| 10. | 4.10.2001<br><br>5.10.2001 | बी0आर0सी0 बेतालघाट<br><br>एन0पी0आर0सी0 रामगढ, खैरना | जिला स्तरीय संदर्भ व्यक्ति स0 बे0 शि0 अ0 खण्ड वि0 अधिकारी ब्लाक प्रमुख बहुउद्देशीय कर्मचारी बी0 आर0 सी0 / एन0 पी0 आर0 सी0 समन्वयक जनप्रतिनिधि जिला पंचायत, उप शिक्षा निदेशक श्री एन0 सी0 कवडवाल व श्रीमती रेनु पन्त तथा राज्य संदर्भ समूह के सदस्य। | ग्राम तथा बस्ती स्तर पर बैठकों के आयोजन पर चर्चा विशिष्ट क्षेत्रों भौगोलिक विषमताओं से युक्त क्षेत्रों, वन क्षेत्रों में पहुंच दुर्गम स्थलों में शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा, सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्यों, उददेश्यों पर चर्चा । |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 11. | 4.10.2001 | बी0आर0सी0 ओखलाकांडा | जिला स्तरीय संदर्भ व्यक्ति स0 बे0 शि0 अ0 खण्ड वि0 अधिकारी ब्लाक प्रमुख ग्राम प्रधान बहुददेश्यीय कर्मचारी, बी0 आर0 सी0 / एन0 पी0 आर0 सी0 समन्वयक जनप्रतिनिधि जिला पंचायत। | ग्राम तथा बस्ती स्तर पर बैठकों के आयोजन पर चर्चा, विशिष्ट क्षेत्रों भौगोलिक विषमताओं से युक्त क्षेत्रों, वन क्षेत्रों में पहुंच दुर्गम स्थलों में शिक्षा व्यवस्थ पर चर्चा सर्वशिक्षा अभियान के लक्ष्यों उददेश्यों पर चर्चा |
| 12. | 6.10.2001 | नगर क्षेत्र नैनीताल पूर्व माध्यनिक विद्यालय मल्लीताल | नगर शिक्षा अधीक्षक ए0 बी0 एस0 ए0 वार्ड सदस्य अध्यापक | सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्य तथा उद्देश्यों की चर्चा, विशिष्ट क्षेत्रों विद्यालयों की समस्याओं पर चर्चा तथा प्राथमिक शिक्षा की समस्याओं को चिन्हिकरण हेतु जन सहभागिता पर चर्चा । |

## 3.6 योजना निर्माण में वृहत्त बैठक का आयोजन

दिनांक 23 / 10 / 2001 को एन0एस0 डार्ट की टीम द्वारा जिलाधिकारी नैनीताल की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों आदि के साथ बैठक आयोजित की गयी। सर्वप्रथम डॉ0 एस0 सी0 पोखरियाल, एन0 एस0 डार्ट मसूरी द्वारा सर्व शिक्षा योजना के लक्ष्य एवं उद्देश्यों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया तदुपरान्त उपस्थित विभिन्न शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागीय अधिकारियों द्वारा आमंत्रित सुझावों पर विचार व्यक्त किये गये।

समाज कल्याण अधिकारी नैनीताल द्वारा विचार व्यक्त किया गया कि सर्वशिक्षा अभियान के सम्बन्ध में प्रचार–प्रसार की अधिक आवश्यकता है। पूर्व में मूलभूत सुविधायें विकसित की गयी परन्तु गुणात्मक सुधार अपेक्षित रूप से नहीं हो पाया है। विद्यालयों में अध्यापकों की कमी है कुछ विद्यालय बन्द भी हो जाते हैं। प्रति विद्यालय 5 अध्यापकों की आवश्यकता वक्ता द्वारा बतलाई गयी। पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा रोजगार के रूप में विकसित हुई है। अतः प्राथमिक स्तर से अंग्रेजी शिक्षण पर बल दिया गया।

उपाध्यक्ष जि0 पं0 नैनीताल द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के पत्रक को, जो अंग्रेजी भाषा में वितरित किया गया था, हिन्दी में छपवाकर उपलब्ध करवाने का सुझाव दिया गया। उनके द्वारा पर्वतीय क्षेत्र की भौगोलिक प्रतिकूल परिस्थिति के अनुसार अध्यापक छात्र मानक को वर्तमान मानक से शिथिल कर 1:25 करने का सुझाव दिया गया। विद्यालयों के खुलने व बन्द होने के समय का अनुपालन नहीं होता है इसके लिए प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था ग्राम पंचायतों को स्थानान्तरित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है।

प्रत्येक विद्यालय में क्रीडा मैदान, शौचालय, चाहरदीवारी, पेयजल सुविधा अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का सुझाव भी उक्त प्रतिनिधि द्वारा दिया गया।

सभासद न0 पा0 हल्द्वानी द्वारा सुझाव दिया गया कि बच्चों को पाठ्य पुस्तकें माह जुलाई के प्रथम सप्ताह में अवश्य वितरित कर दी जाएं। विद्यालयों के निरीक्षण का अधिकार वार्ड सदस्यों को दिये जाने का भी प्रस्ताव उनके द्वारा रखा गया।

ओखलकांडा ब्लाक प्रमुख ने अवगत किया कि ओखलकांडा क्षेत्र में अध्यापकों की कमी है। बी.ई.पी. की कमियों को ध्यान में रखकर वर्तमान सर्व शि0 अ0 योजना बनाई जाय ताकि इसमें कोई कमी न रह जाय।

नगर पालिका अध्यक्ष हल्द्वानी द्वारा पू0 मा0 स्तर पर कम्प्यूटर की शिक्षा देने पर बल दिया गया। नगर क्षेत्र के जीर्ण–क्षीर्ण भवनों की मरम्मत हेतु मांग की गयी।

ब्लाक प्रमुख रामनगर द्वारा अध्यापकों को शिक्षण कार्य के अतिरिक्त अन्य कार्यों में योजित न करने का प्रस्ताव रखा गया। इसके अतिरिक्त अध्यापकों के असंतुलित वितरण को ठीक किये जाने की आवश्यकता इंगित की। आंगनवाड़ी केन्द्रों की कार्यकर्त्रियों के मानदेय वृद्धि, पेयजल देयकों के भुगतान की व्यवस्था करने का प्रस्ताव रखा गया।

ग्राम प्रधान देवीधूरा द्वारा सभी बच्चों के अनिवार्य स्वास्थ्य परीक्षण का सुझाव दिया गया। वी. ई. सी. को सक्रिय किये जाने तथा विद्यालयों के नियमित निरीक्षण का प्रस्ताव भी रखा गया।

# सर्व शिक्षा अभियान 2001–2010
## नियोजन आरेख

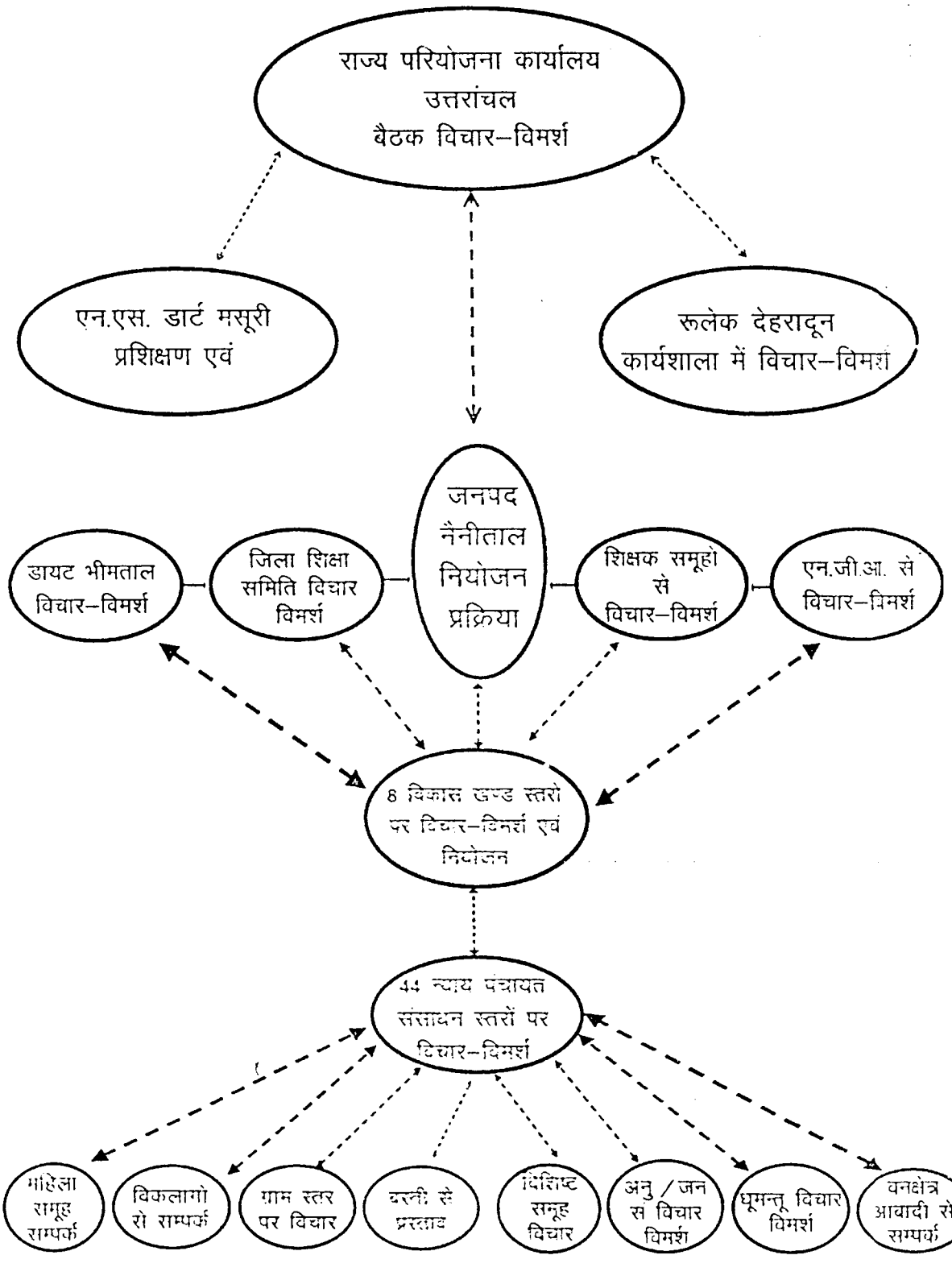

अध्याय – 4

# सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्य, उद्देश्य तथा जनपद के परिपेक्ष्य में विवेचना

सर्व शिक्षा अभियान एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें सामुदायिक सहभागिता द्वारा गुणवत्ता परक प्रारम्भिक शिक्षा को सर्व सुलभ बनाने के लिए निश्चित समय सीमा के अन्तर्गत योजना निर्धारित की गयी है। यह अनियान बुनियादी शिक्षा के माध्यम से सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने का एक अवसर प्रदान करता है। सर्व शिक्षा अभियान पंचायती राज संस्थाओं, स्कूल प्रबन्ध समितियों वार्ड/ग्राम तथा स्लम स्तरीय शिक्षा समितियों, अभिभावक शिक्षक संघों, मातृ शिक्षक संघों तथा स्वायत परिषदों को प्राथमिक शिक्षा के प्रबन्धन में प्रभावी ढंग से शामिल करने का एक प्रयास है। यह अभियान केन्द्र, राज्य सरकार और स्थानीय शासन व समुदाय की समर्पित भागीदारी से संचालित योजना है।

## 4.1 सर्व शिक्षा अभियान के लक्ष्य

सर्व शिक्षा अभियान का उद्देश्य वर्ष 2010 तक 6 से 14 वय वर्ग के सभी बच्चों को उपयोगी एवं लाभदायक प्रारम्भिक शिक्षा उपलब्ध कराने का है। इसके अतिरिक्त सामाजिक, क्षेत्रीय तथा लैंगिक विषमताओं को दूर करना, बच्चों को विद्यालय में प्रवेश दिलाना, उन्हें पूर्ण समय तक विद्यालय में बनाये रखना तथा उन्हें गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने में सम्पूर्ण समुदाय की भूमिका निश्चित करना इस अनियान का प्रमुख लक्ष्य है।

## 4.2 सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्य

1. सभी बच्चों का वर्ष 2003 तक शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश कराना।
2. प्रवेश लिए हुए सभी बच्चों का वर्ष 2007 तक कक्षा 5 तक की प्राथमिक शिक्षा पूरी करना।
3. सभी बच्चों का वर्ष 2010 तक कक्षा 8 तक की प्रारम्भिक शिक्षा पूरी करना।
4. गुणवत्ता पर बल दिया जाय जो बच्चों के लिए जीवनोपयोगी सिद्ध हो।
5. प्रवेश लिए हुए सभी बच्चे बीच में विद्यालय न छोडे।

6. शिक्षा के माध्यम से बालक/बालिका एवं सामाजिक ऊँच–नीच का भेदभाव दूर करना।

## 4.3 जनपद का उद्देश्य

1. प्रारम्भिक शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में समुदाय की अधिकतम सहभागिता प्राप्त कर उन्हें प्राथमिक शिक्षा से जोड़ना तथा विद्यालय प्रबन्धन हेतु ग्राम शिक्षा समिति नगर/वार्ड शिक्षा समितियों को प्रभावी बनाना।

2. बालिकाओं एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए विशेष वातावरण का सृजन कर शत–प्रतिशत प्रवेश तथा ठहराव की अवधारणा को प्राप्त करना।

3. विभिन्न विभागों से सामंजस्य बैठाकर उनका अधिकतम लाभ प्राथमिक शिक्षा के विकास हेतु लेना।

4. शिक्षक/छात्रों के पारस्परिक सम्बन्ध, शिक्षक/अभिभावक समिति, ग्राम शिक्षा समिति, नगर वार्ड शिक्षा समिति, यू0आर0सी0वी0आर0सी0, एन0पी0आर0सी0, सी0आर0सी0, डब्लू0आर0सी0 व निरीक्षक वर्ग के बीच पारस्परिक समन्वय द्वारा शैक्षिक उन्नयन हेतु कार्य करना।

5. शैक्षिक सम्प्राप्ति हेतु शिक्षकों के शिक्षण कौशल का विकास करना।

6. असेवित क्षेत्रों/विशेष-समूह हेतु शैक्षणिक सुविधाओं का विकास करना।

7. वर्तमान शैक्षिणक सुविधाओं में वृद्धि करना तथा संस्थाओं (डायट, बी0आर0सी0, यू0आर0सी0, एन0पी0आर0सी0 सी0आर0सी0, डब्लू0आर0सी0) का सुदृढ़ीकरण करना है।

8. एन0ई0आर0 में आवश्यक वृद्धि लाना।

## 4.4 जनपद के मुद्दे

1. विकलांग (मूक व बधिर) बच्चों के शिक्षण की व्यवस्था जनपद में संचालित सी0बी0एस0सी0 द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था वीरशिवा हल्द्वानी में प्रवेश दिलाने का प्रयास किया जाना इस अभियान में प्रस्तादित है।

2. स्वास्थ्य विभाग के समन्वयन से दृष्टिहीन, कम श्रवण क्षमता वाले, मन्द बुद्धि तथा हाथ–पांव से विकलांग बच्चों के लिए चिकित्सा सुविधा तथा आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने की व्यवस्था किया जाना प्रस्तावित है।

3. हल्द्वानी, रामनगर तथा कोटाबाग विकास खण्डों में कूड़ा बीनने वाले तथा अन्य समुदाय के बच्चे जो विद्यालय से बाहर हैं। उनके लिए ए0आई0ई0 केन्द्रों की व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है।

4. जनपद के ओखलकांडा, धारी, देतालघाट, कोटाबाग तथा हल्द्वानी क्षेत्रों में आई0सी0डी0एस0 द्वारा संचालित बाल विकास परियोजनाऐं नहीं हैं जिससे निर्धन परिवारों के बच्चे जिनमें मुख्यतया बालिकाऐं हैं अपने छोटे भाई–बहिनों की देखरेख में लगी होने के कारण विद्यालयी शिक्षा ग्रहण नहीं कर पा रहीं हैं। इसके लिए उपरोक्त क्षेत्रों में आंगनवाडी केन्द्रों को प्रस्तावित किया गया है।

5. सामान्यतया जनपद नैनीताल में विद्यालयों में पहुँच तथा धारण की समस्या न्यून है बेसिक शिक्षा में मुख्य समस्या शैक्षिक गुणवत्ता सन्वर्द्धन की है इसके लिए अध्यापकों को प्रभावी प्रशिक्षण व्यवस्था, सानुदायक सहभागिता हेतु एम0टी0ए0, पी0टी0ए0 तथा बी0ई0सी0 को प्रभावी बनाये जाने की आवश्यकता है इसके लिए आवश्यक प्रशिक्षणों को प्रस्तावित किया गया है।

6. अध्यापकों की अभिरूचि विद्यालयी कार्यों के प्रति जागृत करने के लिए यह आवश्यक है कि उनकी समस्याओं का त्वरित निदान विकास खण्ड स्तर पर किया जाय। इसके लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकरों का विकेन्द्रीकरण विकास खण्ड स्तर तथा विद्यालय स्तर पर किया जाना प्रस्तावित है ताकि विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता का विकास हो सके।

7. वर्तमान में लगभग 100 विद्यालयों पर एक निरीक्षक का प्राविधान है जो विद्यालयी निरीक्षण के लिए उपयोगी नहीं है। निरीक्षण को प्रभावी बनाने के लिए प्रस्ताव किया गया है।

8. विगत दीर्घ अवधि से परिषदीय विद्यालयों में कक्षा 5 व 8 की सार्वजनिक परीक्षा न होने से शैक्षिक स्तर में गिरावट आयी है इसके सुधार के लिए नियमित रूप से कक्षा 5

व 8 की सार्वजनिक परीक्षा को प्रस्तावित किया गया है। अनुत्तीर्ण छात्रों के लिए परीक्ष
सुधार व्यवस्था भी प्रस्तावित की गयी है।

9. पूर्व माध्यमिक स्तर पर कम्प्यूटर शिक्षा की व्यवस्था भी प्रस्तावित की गई है ताकि उ
प्रा0 वि0 वर्तमान में चल रहे सुविधा सम्पन्न विद्यालयों के ~~क्रम में~~ समतुल्य आ सकें।

10. जनपद के 44 एन0 पी0 आर0 सी0 तथा 10 सी0 आर0 सी0 में प्रत्येक एक प्राथमिक
व उच्च प्राथमिक विद्यालय को मानक विद्यालय के रूप में विकसित करने का प्रस्ता
किया गया है ताकि समीपवर्ती अन्य विद्यालयों में प्रतिस्पर्द्धा का विकास हो सके।

11. एन0 पी0 आर0 सी0 व सी0 आर0 सी0 स्तर पर अध्यापकों के शिक्षण उन्नयन के लि
5–5 अध्यापकों को पुरस्कृत करने हेतु सर्व शिक्षा अभियान में प्रस्तावित किया गया है
तथा शिथिल शिक्षण कार्य कर रहे अध्यापकों को चिन्हित किया जाना भी प्रस्तावि
किया गया है।

# जपनद : नैनीताल
# वर्ष 2001 - 2002 में प्रस्तावित कार्यक्र
## (अध्याय - 5)
## योजना क्रियान्वयन की कठिनाइया एवं उन
## निवारण हेतु प्रस्ताव

शिक्षा गांरटी केन्द्र :-

मानक के अनुसार एंसी बस्तियाँ जिनमें नवीन प्राथमिक विद्यालयों को खोलना सम्भव नहीं है, ऐसी बस्तियों में विद्यालय ना आने वाले बच्चों के लिए बेसिक शिक्षा परियोजना के अर्न्तगत 39 शिक्षा घरों की स्थापना की गई थी और शिक्षा घरों में नामांकित बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ा गया था। बेसिक शिक्षा परियोजना की सामप्ति के उपरान्त ये केन्द्र बंद कर दिये गये थे। जनपद में विकास खण्ड ओखलाकाण्ड,रामगढ़,बेतालघाट तथा रामनगर में कुल 181 अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र भी खोले गये थे। मार्च 2001 में अनौपचारिक शिक्षा परियोजना की समाप्ति के पश्चात् उक्त केन्द्र बंद कर दिये गये हैं। इन केन्द्रों के बंद होने से विद्यालय न जाने वाले बच्चों हेतु सर्वशिक्षा योजना के अर्न्तगत 52 असेवित बस्तियों में से 20 शिक्षा गारण्टी केन्द्र वर्ष 2001 – 2002 में खोलने हेतु प्रस्तावित किये गये हैं।

धारण :-

(1) अतिरिक्त कक्षा कक्ष :-

बेसिक शिक्षा परियोजनान्तर्गत वर्ष 1993–94 से दिसम्बर 2000 तक कुल 194 अतिरिक्त कक्षा कक्षों का निर्माण किया गया था। विकासखण्डवार विवरण तालिका में दिया गया है। स्कूल चलो अभियान एंवम् बाल पोषाहार योजना के फलस्वरूप छात्र संख्या में वृद्धि हाने से विद्यालयों में कक्षा – कक्षों की निरन्तर आवश्यकता बढ़ती जा रही है। वर्तमान समय में जनपद में 164 प्राथमिक तथा 12 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कुल 176 विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा कक्षों की आवश्यकता है। वर्ष 2001–2002 में 50 अतिरिक्त कक्षा कक्षों की मांग सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत प्रस्तावित की गई है।

(2) अतिरिक्त अध्यापकों की मांग :-

बेसिक शिक्षा परियोजना अवधि नगर में नगर क्षत्रों में नियुक्ति पर प्रतिबन्ध होने के कारण अध्यापकों की व्यवस्था नहीं की जा सकी । छात्र संख्या में वृद्धि के फलस्वरूप मानके के अनुसार 65 सहायक अध्यापकों की आवयकता है सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत इन 65 सहायक अध्यापकों के पदों की पूर्ति करने हेतु 65 शिक्षा मित्रों की मांग की गई है। बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत वर्ष 1999–2000 में खुले नवीन प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों तथा दशम्वित्त आयोग के अन्तर्गत खुले विद्यालयों में प्रधान अध्यापकों के पद सृजितनही है। सर्व शिक्षा योजना के अन्तर्गत इन पदो के लिए धनराशि की मांग प्रस्तावित है।

शौचालय :–

बेसिक शिक्षा परियोजना के अर्न्तगत जनपद में वर्ष 1993 – 94 से वर्ष 2000 तक कुल 511 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों मे शौचालयों की व्यवस्था की गई । उक्त के अतिरिक्त वर्तमान समय में 201 प्राथमिक, 44 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कुल 245 शौचालयों की आवश्यकता है जिनमें से 37 प्राथमिक, एवं 5 उच्च प्राथमिक कुल 42 शौचालयों की नगर क्षेत्र के विद्यालयों में आवश्यक सम्मिलित हैं। बेसिक शिक्षा के परियोजनान्तर्गत नगर क्षेत्र में शौचालयों की व्यवस्था नहीं की गई थी। 2001 – 2002 में सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत 50 विद्यालयों में शौचालय निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

(4) पुर्न निर्माण :–

जनपद के अन्तर्गत 34 प्राथमिक विद्यालयों में पुनः निर्माण की आवश्यकता है। वर्ष 2001–2002 में 12 प्राथमिक विद्यालयों का पुर्ननिर्माण प्रस्तावित किया गया है।

मरम्मत :–

सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत 406 प्राथमिक एंव 94 उच्च प्राथमिक विद्यालय, कुल 500 विद्यालयों की मरम्मत का कार्य किया गया । ऐसे विद्यालय जिनका निर्माण कार्य कई वर्ष पूर्व हो चुका था और क्षरण प्रक्रिया के चलते रहने से वर्तमान में 149 प्राथमिक तथा 54 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में लघु मरम्मत तथा 34 प्राथमिक एवं 6 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में वृहत्त मरम्मत की आवश्यकता है जिनमें से वर्ष 2001 – 2002 में 50, विद्यालयों को सर्वशिक्षा अभियान योजना में मरम्मत हेतु प्रस्तावित किया गया है।

(5) विद्यालय अनुदान :–

बेसिक शिक्षा परियोजना के अर्न्तगत विद्यालयों को आकर्षित बनाने हेतु प्रतिवर्ष रूपया 2000/– प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक का प्रवधान था । बेसिक शिक्षा परियोजना के समाप्त होने के फलस्वरूप विद्यालयों में सौन्दर्यकरण प्रक्रिया को निरन्तर बनाये रखने हेतु वर्ष 2001 – 2002 में प्रत्येक प्राथमिक एंव उच्च प्राथमिक विद्यालयों हेतु रूपया 2000/– की दर से सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत प्रस्तावित किया गया है।

(6) कार्यानुभव :–

बेसिक शिक्षा परियोजनान्तर्गत जनपद के दो विकास खण्डों में क्रमशः रामगढ़ व हल्द्वानी के कवल एक –एक कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सिलाई व मोमबत्ती निर्माण कार्यानुभव के अर्न्तगत किया गया। जो कि पाइलट प्रोजेक्ट के रूप में किया गया था । इस योजना के द्वारा बालिकाऐं व्यवसायिक शिक्षार्जन करते हुए निर्मित माल को विक्रय कर प्राप्त धनराशि से स्वंय आय अर्जित कर रही थी। इससे बालिकाओं में आत्मनिर्भरता व विद्यालयों शिक्षा ग्रहण करने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही थी। उक्त योजना के महत्व को जनपद के महत्व को समझते हुऐ जनपद की कुल 20 कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यानुभव योजना वर्ष 2001 – 2002 में प्रस्तावित की गई है।

(7) ई0सी0सी0ई0 केन्द्रः—

बेसिक शिक्षा परियोजनार्न्तगत जनपद के तीन विकास खण्डों में क्रमशः रामनगर भीमताल तथा रामगढ़ में कुल 100 ई0सी0सी0ई0 केन्द्र खोले गये थे। ये केन्द्र बाल विकास परियोजना द्वारा संचालित केन्द्रों से चयनित किये गये थे तो प्राथमिक शिक्षा के लिए एक कड़ी के रूप में कार्य कर रहे थे। इनके संचालन से ऐसे बच्चे जो अपने छोटे भाई – बहिन की देख – रेख के कारण विद्यालय में प्रवेश नहीं ले प्रा रहे थे, उनकी विद्यालयों में नांमकन की और रूचि बढ़ी। वर्तमान में उपरोक्त विकासखण्डों में कुल 232 आँगनवाड़ी केन्द्र बाल विकास परियोजना आई0सी0डी0एस0 द्वारा संचालित हैं। इसमें वर्ष 2001 – 2002 में 50 केन्द्रों का चयन कर आई0सी0सी0ई0 केन्द्र स्थापित किया जाना सर्वशिक्षा अभियान में प्रस्तावित हैं। वर्तमान में उपरोक्त आँगनवाड़ी केन्द्रों के लिए कोई विभागीय भवन का प्रविधान नहीं है।

सर्व शिक्षा अभियान के अर्न्तगत चयनित ई0सी0सी0ई0 केन्द्र के निकटस्थ प्राथमिक विद्यालयों में एक अतिरिक्त कक्षा – कक्ष प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त बच्चों हेतु खिलौने, खेल सामग्री , साज सज्जा का प्राविधान इस योजना के अर्न्तगत प्रस्तावित है। अन केन्द्रों का समय सेवित क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के समयानुसार ही निर्धारित करते हुऐ अतिरिक्त समय के लिऐ कार्यकर्त्ता व सहायिका को अतिरिक्त मनोदय का प्राविधान किया गया है। इसके अतिरिक्त इनके लिऐ ई0सी0सी0ई0 प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

(8) सामुदायिक सहभागिता :—

सर्व शिक्षा अभियान के अर्न्तगत योजना लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु समुदाय की सहभागिता हेतु निम्न कार्यक्रम प्रस्तावित है।

(1) एम0टी0ए0/पी0टी0ए0 का गठन :—

वर्तमान समय में विद्यालय स्तर पर ग्राम शिक्षा समिति का गठन किया गया है। समुदाय की सहभागिता को विस्तृत करने के लिऐ प्रत्येक ग्राम सभा में एम0टी0ए0/पी0टी0ए0 का गठन प्रस्तावित है। बालिका शिक्षा के न्यून प्रतिशत वाली ग्रामसभा में एम0टी0ए0 का गठन किया जाना प्रस्तावित है तथा 1000 सदस्यों के मासिक बैठक हेतु धनराशि का प्रविधान सर्व शिक्षा के अर्न्तगत किया गया है।

(2.) कला जत्था :—

विद्यालय में ना आने वाले बच्चों एंवम् शालात्यागी बच्चों को विद्यालय में प्रवेश दिलाने हेतु नुक्कड़ नाटक , कला , भाषण, वाद – विवाद, लेखन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालय व संकुल स्तर पर किया जाना सर्व शिक्षा अभियान में प्रस्तावित किया गया है।

(9) स्वास्थ्य परिक्षण :—

बेसिक शिक्षा परियोजना के अर्न्तगत प्राथमिक एवम् उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत

छात्र/छात्राओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण का प्राविधान गया था। गत वर्ष जनपद में 72,257 छात्र/छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण यिा गया । जिसमें 131 गम्भीर रोगी, 1306 कम गम्भीर तथा 10869 साधारण गम्भीर पाये गये। सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत वर्ष 2001 – 02 में भी 600 विद्यालयों में छात्र/छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण का प्रविधान किया जाना प्रस्तावित है।

(10) बैंक बुक पुस्तकालय :–

बेसिक शिक्षा परियोजना के अर्न्तगत जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में 6–6 सामुदायिक पुस्तकालय खेाले गये थे जिसका संचालन संम्बन्धित विद्यालय के अध्यापकों द्वारा किया जाता है। इन पुस्तकालयों में छात्र/छात्राओं, शिक्षकों एंव समुदाय के लागों को लाभ प्राप्त हो रहा है। इन पुस्तकालयों को ओर सशक्त बनाने हेतु सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत प्राविधान किया जा रहा है। वर्तमान समय में जनपद के 8 विकास खण्डों में कुल 48 पुस्तकालय संचालित है।

गुणवत्ता सम्बर्द्धन :–

(1) प्रशिक्षण कार्यक्रम :–

बेसिक शिक्षा परियोजना के अर्न्तगत जनपद में विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण किये गये जैसे :–

- सेवारत प्रशिक्षण प्राथमिक स्तर
- भाषा प्रशिक्षण प्राथमिक स्तर
- भाषा अनुपूरक प्रशिक्षण प्राथमिक स्तर
- गणित प्रशिक्षण प्राथमिक स्तर
- पर्यावरणीय अध्ययन प्रशिक्षण प्राथमिक स्तर
- गणित प्रशिक्षण उच्च प्राथमिक स्तर
- विज्ञान प्रशिक्षण उच्च प्राथमिक स्तर
- विजिनिंग कार्यशाला
- संदर्भदाता प्रशिक्षण
- ई0 सी0 सी0 ई0 कार्यकर्त्री प्रशिक्षण
- ग्राम शिक्षा समिति प्रशिक्षण
- शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण प्रशिक्षण
- अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशको का प्रशिक्षण (शिक्षाधर)
- कार्यानुभव प्रशिक्षण
- शैक्षिक सपोर्ट कार्यशाला (विद्यालयों की गुणवत्ता/श्रेणीकरण हेतू)

उपरोक्त प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षको में नवीन विधा के अनुसार शिक्षण कार्य किया जाना, बाल केन्द्रित शिक्षण कार्य, खेल के द्वारा शिक्षण तथा सहायक सामग्री के निर्माण व प्रयोग द्वारा शिक्षण करने की प्रवृत्ति का

विकास किया गया। छात्र–छात्राओं में कक्षावार न्यूनतम अधिगम स्तर के विकास पर भी विशेष प्रयासकिया गया। सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2001–2002 में निम्न प्रशिक्षण प्रस्तावित है:–

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | संदर्भदाता प्रशिक्षण | – | 10 दिन |
| 2 | यू0 आर0 सी0/बी0 आर0 सी0 समन्वयको का प्रशिक्षण | – | 10 दिन |
| 3 | सी0 आर0 सी0 समन्वयको का प्रशिक्षण | – | 10 दिन |
| 4 | स0 बे0 शि0 अ0/नगर शिक्षा अधिकारी/प्र0उ0वि0नि0 प्रशिक्षण | – | 5 दिन |
| 5 | ए0 ई0/जे0 ई0 का निर्माण कार्य सम्बन्धी प्रशिक्षण | – | 3 दिन |
| 6 | ई0 सी0 सी0 ई0 प्रशिक्षण | – | 5 दिन |

(2) शिक्षण अधिगम सामग्री :–

अध्यापक अनुदान :–

बेसिक शिक्षा के अन्तर्गत प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत समस्त अध्यापकाओं को रू0 500 प्रतिवर्ष अध्यापक अनुदान के रूप में दिया जा रहा था। जिसका प्रयोग शिक्षण के लिए विषय वस्तु पर आधारित सहायक सामग्री का निर्माण अध्यापक द्वारा तथा बच्चों के सहयोग से किया जाता है, जो बिना मूल्य या न्यूनतम लागत की सामग्री होती है। जनपद में राकीय हाईस्कूल तथा इन्टरकालेज जिनमें कक्षा 6 से 8 तक के वच्चे शिक्षण प्राप्त कर रहे है उन बच्चों के लिए भी शिक्षण अधिगम सामग्री के निमार्ण की आवश्यकता महसूस की गयी है। सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2001–2002 में प्राथमिक/उच्च प्राथमिक तथा राजकीय हाईस्कूल तथा इन्टर कालेजो में कक्षा 1से 8 तक शिक्षण कर रहे अध्यापकों हेतु अध्यापक अनुदान का प्राविधान किया गया है।

(3) निःशुल्क पाठ्य पुस्तक :–

सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत कक्षा 1 से 8 तक पढ़ने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति के समस्त वालक बालिका तथा सामान्य वर्ग की बालिकाओं के लिए निशुल्क पाठ्य पुस्तकों का प्राविधान वर्ष 2001–2002 में सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत किया जा रहा है।

ब्लॉक संसाधन केन्द्र :-

वेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत जनपद के 8 विकास खण्डों में ब्लाक संसाधन केन्द्रों का निर्माण किया गया था। इन केन्द्रों पर बी0 आर0 सी0 समन्वयक, एक सहायक समन्वयक तथा सहायक समन्वयक तथा एक चौकीदार की व्यवस्था की गई ब्लाक संसाधन के निम्न कार्य है:–

1. विकासखण्ड के अन्तर्गत समस्त एन0 पी0 आर सी0 की प्रत्येक माह वैठक कराना तथा उन्हें शैक्षिक स्पोर्ट देना।
2. विकासखण्ड स्तर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण की व्यस्था करना।

3. शैक्षिक स्पोर्ट हेतु प्रत्येक माह गणित कोर टीम की बैठक कराना।

4. एन0 पी0 आर0 सी0 से प्राप्त आख्याओं का विश्लेषण करना तथा समस्याओं का समाधान करना।

5. विकास खण्ड के अन्तर्गत कार्ययोजना तैयार करना तथा उसका क्रियान्वयन करना।

6. विकासखण्ड स्तर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं कराना।

## सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2001-2002 में निम्न कार्यक्रम बी0 आर0 सी0 स्तर पर प्रस्तावित हैं। :-

1. निर्माण कार्य :-

(अ) जनपद में बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत ब्लाक संसधान केन्द्रो का निर्माण कार्य किया गया। लेकिन नगर क्षेत्रों में कोई निर्माण योजना नहीं थी। सर्वशिक्षा योजना में तीन नगर क्षेत्रों में तीन यू0 आर0 सी0 का निर्माण कारी का प्राविधान किया जा रहा हैं बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत

(ब) अतिरिक्त कक्ष :- प्रत्येक बी0 आर0 सी0 तथा यू0 आर0 सी0 में पुस्तकालय हेतु अतिरिक्त कक्ष का निर्माण सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत किया जाना प्रस्तावित हैं।

2. वेतन समन्वय/ सह समन्वयक एवं चौकीदार :-

बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत वी0 आर0 सी0 पर समन्वयक, सह-समन्वयक एवं चौकीदार की व्यवस्था की गई है। विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न प्रकार की सूचनाओं के संकलन हेतु स0वे0शि0 अधिकारी के अधीन किसी सहायक की व्यवस्था न होने के कारण प्रत्येक ब्लाक संसाधन केन्द्र में एक सहायक समन्वयक का प्राविधान किया गया है तथा प्रत्येक यू0 आर0 सी0 में एक समन्वयक, दो सह-समन्वयक तथा एक चौकीदार का प्राविधान किया गया है।

3. उपकरण एवं फर्नीचर :-

बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत ब्लाक संसाधन केन्द्र में विभिन्न उपकरण दिये गये। यू0 आर0 सी0 के लिए उपकरण तथा फर्नीचर का प्राविधान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बेसिक शिक्षा परियोजना में जो उपकरण बी0 आर0 सी0 स्तर पर उपलब्ध नहीं कराये गये है उनके लिए धनराशि का प्राविधान सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत किया जा रहा है।

फोटो कॉपियर :- विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को संकुल एवं विद्यालय स्तर पर पहुचाने हेतु बी0 आर0 सी0 तथा यू0 आर0 सी0 हेतु फोटो कॉपियर का प्राविधान सर्वशिक्षा अभियान में किया गया है।

यात्रा भत्ता :- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा जिला परियोजना कार्यालय में प्रतिमाह बैठक में प्रतिभाग करने तथा विद्यालयों के वीक्षण हेतु वी0 आर0 सी0/यू0 आर0 सी0 में यात्रा भत्ता का प्राविधान प्रस्तावित हैं।

उपकरणो की मरम्मत :– वी आर0 सी0 में उपलब्ध उपकरणों की मरम्मत हेतु धनराशि का प्राविधान बेसिक शिक्षा परियोजना की तरह ही सर्वशिक्षा अभियान में भी प्रस्तावित किया जाता गया है।

भवन रख–रखाव :– बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत प्रत्येक बी0 आर0 सी0 में भवन रख रखाव का प्राविधान था। इसे सतत् बनाये रखने हेतु सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्राविधान प्रस्तावित किया गया है।

कन्टेन्जसी :– प्रत्येक बी0 आर0 सी0 तथा यू0 आर0 सी0 के लिए कन्टेन्जन्सी का प्राविधान किया गया है।

मासिक अनुश्रवण बैठक :– मासिक अनुश्रवण बैठक हेतु आकस्मिक व्यय के अन्तर्गत प्रत्येक बी0 आर0 सी0 तथा यू0 आर0 सी0 हेतु प्राविधान प्रस्तावित हैं।

विद्यालय संकुल :– बेसिक शिक्षा परियोजना प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर एन0 पी0 आर0 सी0 केन्द्रों की स्थापना की गई है। जहां पर एक समन्वयक की व्यवस्था की गई है। जनपद में कई न्साय पंचायतों का क्षेत्रफल तथा संख्या अधिक होने से ये केन्द्र प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रहे है। ऐसी न्याय पंचायतें जिनका स्वरूप बड़ा है।, वहां पर एक विद्यालय संकुल की स्थापना सर्वशिक्षा अभियान में प्रस्तावित है। जनपद में 5 संकुल प्रस्तावित किये जा रहे हैं। जिन पर भवन निर्माण, समन्वयक की व्यवस्था तथा फर्नीचर एवं अन्य साम्रगी का प्राविधान भी प्रस्तावित किया जा रहा हैं।

जिला परियोजना कार्यालय :–

सर्व शिक्षा अभियान के सफल संचालन हेतु जनपद स्तर पर निम्न पदों के सुजन का प्राविधान रखा गया है।

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | जिला परियोजना अधिकारी | – | 1 |
| 2. | जिला उप परियोजना अधिकारी | – | 1 |
| 3. | जिला समन्वयक | – | 4 |
| 4. | कम्प्यूटर आपरेटर | – | 1 |
| 5. | सहायक लेखाधिकारी | – | 1 |
| 6. | लेखाकार | – | 1 |
| 7. | टंकण लिपिक | – | 2 |
| 8. | चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी | – | 3 |

जिला कार्यालय का सुदृढ़ीकरण :–

बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत जनपद हेतु दो वाहन उपलब्ध कराये गये थे। बेसिक शिक्षा परियोजना की समाप्ति के उपरान्त दोनों वाहन राज्य परियोजना कार्यालय को वापस कर दिये गये थे। वर्तमान में जनपद में एक वाहन उपलब्ध है। जिसकी स्थिति संतोषजनक नहीं हैं विद्यालयो के निरीक्षण व वीक्षण हेतु जनपद स्तर पर उप बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा जिला समन्वयकों के लिए एक वाहन सर्व शिक्षा योजनान्तर्गत प्रस्तावित किया गया है।

जनपद में बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत जो कम्प्यूटर परियोजना द्वारा प्राप्त था वह पुरानी तकनीकी से निर्मित होने के कारण उपयोगी सिद्व नहीं हो पा रहा है। अतः सर्वशिक्षा योजनान्तर्गत ई0 एम0 आई0 एस0 हेतु एक आधुनिक तकनीकी वाला कम्प्यूटर प्रस्तावित किया गया है।

बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत कार्यालय में विद्युत एवं टेलीफोन का संयोजन किया गया था। बेसिक शिक्षा परियोजना की समाप्ति के उपरान्त बिलों के भुगतान के लिए कोई प्राविधान न होने के कारण उपरोक्त संयोनजों का विच्छेदन कर दिया गया है। पुनः संयोजन हेतु सर्वशिक्षा योजनान्तर्गत धनराशि का प्राविधान किया गया है।

विद्यालयो के वीक्षण एवं क्षेत्रीय निरीक्षक एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों के भ्रमण हेतु यात्रा भत्ता का प्राविधान बेसिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत था। सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत भी निरीक्षण /वीक्षण कार्यो हेतु यात्रा भत्ता का प्राविधान किया गया हैं।

कम्प्यूटर :– बे0 शि0 प0 द्वारा कम्प्यूटर पुरानी तकनीकी है जिसके स्थान पर आधुनिक तकनीकी का कम्प्यूटर प्रस्तावित हैं। कार्यालय में कम्प्यूटर,फोटो कॉपियर, टाइप राइटर हेतु आवश्यक कन्टेन्जन्सी की आवश्यकता को महसूस करते हुए इन मदों हेतु धनराशि को प्रस्तावित किया गया है।

## जनपद - नैनीताल

## योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्य

तालिका सं0- 5.1

| विकासखण्ड/नगरक्षेत्र का नाम | नवीन प्रा0वि0 | नवीन उ0प्रा0वि0 | EGS केन्द्र | ICDS द्वारा संचालित ECCE केन्द्र | नवीन ECCE केन्द्र | नवीन AIE केन्द्र | अतिरिक्त कक्षा कक्ष प्रा0वि0 | अतिरिक्त कक्षा कक्ष उ0प्रा0वि0 | अतिरिक्त कक्षा कक्ष बा0रि0 सेन्टर | शौचालय प्रा0वि0 | शौचालय उ0प्रा0वि0 | शौचालय बा0रि0 सेन्टर | पु0 नि0/ पु0 स्थापन प्रा0वि0 | पेयजल प्रा0वि0 | पेयजल उ0प्रा0वि0 | पेयजल बा0रि0 सेन्टर | मरम्मत प्रा0वि0 | मरम्मत उ0प्रा0वि0 | चाहरदिवारी प्रा0वि0 | चाहरदिवारी उ0प्रा0वि0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| ओखलकांडा | 10 | 4 | 11 | — | 72 | — | 54 | — | — | 46 | 6 | — | 8 | 103 | 33 | 2 | 8 | 2 | 141 | 39 |
| धारी | 4 | 2 | 10 | — | 34 | — | 10 | 3 | 3 | 16 | 6 | 1 | 1 | 36 | 13 | 4 | 1 | 1 | 62 | 17 |
| रामगढ़ | 4 | 2 | 2 | 31 | — | — | — | — | — | 12 | 2 | — | 4 | 44 | 8 | 1 | 10 | 6 | 79 | 26 |
| बेतालघाट | 2 | 1 | 7 | | 61 | - | 4 | — | 1 | 18 | 5 | — | 4 | 32 | 9 | 2 | 10 | 9 | 127 | 34 |
| भीमताल | - | - | — | 34 | — | 2 | 12 | — | 2 | 25 | 2 | 1 | 3 | 44 | 6 | 2 | 25 | 6 | 110 | 24 |
| कोटाबाग | 2 | 2 | 5 | — | 41 | — | 4 | — | 4 | 6 | 5 | 1 | 1 | 13 | 11 | 1 | 32 | 14 | 60 | 21 |
| हल्द्वानी | 5 | 2 | 6 | — | 96 | — | 14 | 5 | 5 | 17 | 4 | 1 | 4 | 23 | 7 | 1 | 28 | 6 | 9 | 7 |
| रामनगर | 6 | 2 | 11 | 35 | — | — | 61 | 2 | — | 24 | 9 | — | 5 | 54 | 18 | | 37 | 10 | 72 | 26 |
| योग | 33 | 15 | 52 | 100 | 304 | 2 | 159 | 10 | 15 | 164 | 39 | 4 | 30 | 349 | 105 | 13 | 151 | 54 | 660 | 194 |
| न0 क्षेत्र नैनीताल | — | — | — | — | — | — | — | - | - | 13 | 1 | — | — | 12 | 1 | — | 20 | 3 | 15 | 2 |
| नक्षेत्र भवाली | — | — | — | — | — | — | — | — | - | 3 | | — | — | 3 | — | — | 2 | — | 3 | — |
| न0 क्षेत्र हल्द्वानी | 1 | 2 | — | — | — | 2 | 5 | 2 | 2 | 17 | 3 | — | 3 | 13 | 3 | — | 7 | 2 | 24 | 6 |
| न0 क्षेत्र रामनगर | 1 | 1 | — | — | — | 3 | — | — | — | 4 | 1 | — | 1 | 4 | 3 | — | 3 | 1 | 4 | 1 |
| योग | 2 | 3 | 0 | 0 | 0 | 5 | 5 | 2 | 2 | 37 | 5 | 0 | 4 | 32 | 7 | 0 | 32 | 6 | 46 | 9 |
| महायोग | 35 | 18 | 52 | 100 | 304 | 7 | 164 | 12 | 17 | 201 | 44 | 4 | 34 | 381 | 112 | 13 | 183 | 60 | 706 | 203 |

माह:- दिसम्बर/2001 कार्य विवरण

| प्रथम सप्ताह | द्वितीय सप्ताह | तृतीय सप्ताह | चतुर्थ सप्ताह |
|---|---|---|---|
| 1-ई0जी0एस0/ए0आई0ई0 केन्द्र खोले जाने हेतु बी0ई0सी0/वार्ड मेम्बर/ स0बे0शि0अ0/नगर शिक्षा अधिकारी को निश्चित स्थान एवं आचार्यो की सूची देने हेतु पत्र निर्गत किया जायेगा। 2-अतिरिक्त कक्षा-कक्ष, शौचालय निर्माण हेतु स0बे0शि0अ0 एवं सम्बंधित बी0ई0सी0 को पत्र भेजा जायेगा कि शिक्षा समिति की बैठक बुलाकर कार्य की जानकारी दे दी जाँय। | एम0टी0ए0/पी0टी0ए0 का गठन एवं बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिये जायेगें। | बाल मेला, कला जत्था आदि की टीम का गठन कराया जायेगा । तत्सम्बन्धी निर्देश जारी किये जायेगें। | जिला स्तर पर तीन सप्ताह की कार्यवाही की प्रगति एवं सूची लेने हेतु बैठकें आयोजित की जायेंगी। |
| माह:- जनवरी/2001 | | | |
| 1-निर्माण कार्यो एवं प्रशिक्षण की धनराशि कार्यदायी संस्थाओं को निर्गत कर दी जायेंगी। इसी के साथ प्रत्येक संस्था की समस्त धनराशि एकमुश्त भेजने की व्यवस्था की जायेंगी। | विद्यालयों का अनुदान ड्राफ्ट द्वारा भेजने की कार्यवाही की जायेंगी। | प्रशिक्षण प्रारम्भ करा दिये जायेंगे। प्रथम ई0जी0एस0/ए0-आई0ई0 आचार्यो एवं बी0आर0सी0सी0 का प्रशिक्षण कराया जायेगा। | निर्माण कार्य प्रारम्भ करा दिये जायेंगे। सर्व- |
| फरवरी/2001 | | | |
| 1-स0बे0शि0अ0/प्र0उ0वि0नि0/एन0पी0आर0सी0सी0 का प्रशिक्षण कराया जायेगा। | निर्माण कार्यो, स्थलों का निरीक्षण एवं उनकी समस्याओं का निराकरण। | बी0ई0सी0एस0/एम0टी0-ए0/पी0टी0ए0 की बैठकें आयोजित की जायेंगी। उनके विचार आमंत्रित किये जायेगे ताकि 2002-03की कार्य योजना में रखा जायेगा। | पर्यवेक्षण/ निरीक्षण का प्रारम्भ। |

मार्च 2001

| प्रथम सप्ताह | द्वितीय सप्ताह | तृतीय सप्ताह | चतुर्थ सप्ताह |
|---|---|---|---|
| ई0जी0एस0/ए0आई0ई0 केन्द्र प्रारम्भ करा दिये जायेंगे। | निर्माण कार्यों की प्रगति आख्या ली जायेंगी। | निर्गत धनराशि का उपभोग की प्रगति रिपोर्ट ली जायेंगी। | सम्पूर्ण कार्यों की प्रगति आख्या तैयार कर भेजी जायेंगी। |

अध्याय – 6

# परियोजना प्रबन्धन

जनपद में सर्वशिक्षा योजना लागू किये जाने हेतु जनपदीय, ब्लाक/नगर एवं ग्राम स्तर पर कोर टीम का गठन, नियोजन प्रक्रिया में किया गया है। अतः उन्हें निम्नांकित अधिकार/दायित्व दिये जाने भी प्रस्तावित हैं :–

## 6.1 जनपदीय कोर टीम

### दायित्व

1. जनपदीय योजना बनाने लागू करने व उसकी मानीटरिंग करने में सहयोग।
2. जनपद के विशेष समूह को इंगित कर उनमें रह रहे 0–10 वय वर्ग के प्रवेश हेतु योजना बनाना।
3. सिविल कार्यों की प्राथमिकता देखते हुये उन्हें प्रस्तावित करना।
4. जनपद के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना।
5. बालिकाओं की शिक्षा का विशेष प्रबन्ध करना।
6. अति निर्धन / SC/ST बच्चों की विशेष व्यवस्था प्रस्तावित करना।
7. जनपद की बालिकाओं के लिए स्कूल कैम्प/ब्रिज कोर्स/नवाचार का आयोजन करना।

### अधिकार

1. विद्यालयों का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करना।
2. विद्यालयों की कमियों आवश्यकताओं को प्रभावपूर्ण रूप से जनपदीय समिति के समक्ष रखना।
3. योजना कार्यान्वयन की प्रगति समीक्षा करना तथा समिति के सम्मुख बैठक में आख्या प्रस्तुत करना।
4. अपने दायित्व का निर्वहन न करने वाली समिति सदस्य/अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध दण्ड प्रस्तावित करने का अधिकार।
5. उत्कृष्ट कार्य कर रही ग्राम शिक्षा समिति को पुरस्कृत करना।

## 6.2 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

### दायित्व–प्रशिक्षण

1. अध्यापकों के लिए सेवापूर्वागन तथा सेवारत प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
2. बी0टी0सी0 / विशिष्ट बी0टी0सी0 के प्रशिक्षण की व्यवस्था।
3. निरीक्षक वर्ग / बी0आर0सी0 / यू0आर0सी0 / एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था।
4. समय–समय पर विभाग द्वारा प्रदत्त योजनाओं के प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
5. संदर्भ व्यक्तियों का प्रशिक्षण कराना।

### संसाधन सहयोग

1. शिक्षकों को विद्यालय हेतु T.L.M. की जानकारी देना।
2. नयी शिक्षण विधियों के अनुरूप आदर्श पाठों की विभिन्न स्तरों पर तैयारी करना।
3. कठिन शिक्षण अभ्यासों व शिक्षण स्थलों में अध्यापकों की सहायता करना।
4. शैक्षिक उपकरणों एवं संचालित शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रयोग की जानकारी देना।
5. विद्यालयों का वीक्षण, पश्चपोषण व मूल्यांकन करना।

### क्रियात्मक शोध

शैक्षिक उन्नयन के लिए चयनित विशिष्ट समस्या पर अध्ययन कर उपयुक्त हल निकालना।

### अधिकार

1. प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षुओं पर प्रशासनिक अधिकार।
2. योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु उसकी समीक्षा व मूल्यांकन का अधिकार।

## 6.3 जिला परियोजना अधिकारी एवं उप जिला परियोजना अधिकारी

### दायित्व

1. जिला शिक्षा समिति के सदस्य सचिव के रूप में दायित्व का निर्वहन करना।
2. समस्त विभागों से समन्वयन स्थापित करना।
3. नियमित बैठकें आयोजित करवाना उनमें पारित प्रस्तावों का क्रियान्वयन करवाना।
4. निरीक्षक वर्ग के निरीक्षणों के विन्दुओं की गहन समीक्षा करना व समस्याओं पर प्रभावा कार्यवाही करना।
5. अधीनस्थ कार्यालयों पर प्रभावी नियंत्रण करना।
6. बी0आर0सी0 / यू0आर0सी0 / एन0पी0आर0सी0 तथा सी0आर0सी0 का निर्धारित समय पर निरीक्षण एवं उनकी कमियों को दूर करना।
7. मानक के अनुरूप अध्यापकों की नियुक्ति करना।
8. निर्माण कार्यो की समीक्षा।
9. विभागीय विवादों की समीक्षा व समाधान करना।

   शैक्षिक – निरीक्षण, नियुक्ति / प्रोन्नति सम्बन्धी

   वित्तीय – वित्त सम्बन्धी।

   प्रबन्धकीय – अध्यापक–अध्यापिका स्थानान्तरण / विद्यालय खोलना / विद्यालय भवनों का पुनः निर्माण करवाना।
10. शिक्षा समिति की बैठकों में भाग लेना।
11. विभिन्न योजना जैसे मिड डे मील, छात्रवृत्ति, निःशुल्क पाठ्य–पुस्तकों का वितरण एवं अनुश्रवण करना।
12. जिला योजना के समस्त विन्दुओं की समीक्षा व उनका प्रभावी क्रियान्वयन।
13. विभाग द्वारा पूर्व से प्रदत्त सभी कार्यो का निर्वहन करना।

## 6.4 नगर शिक्षा अधिकारी/सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी/प्र0 उप0 वि0 नि0 / सहायक नगर शिक्षा अधिकारी

### दायित्व

1. अपने–अपने क्षेत्र में योजना का समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।
2. विद्यालयों का गहन निरीक्षण करन कमियां इंगित कर सुधार हेतु सुझाव देना।
3. अच्छा कार्य करने वाले अध्यापक को पुरस्कृत करने हेतु प्रस्तावित करना।
4. अच्छा कार्य करने वाली ग्राम/नगर शिक्षा समिति का मूल्यांकन कर उसे पुरस्कृत करने हेतु प्रस्तावित करना।
5. विद्यालय/शिक्षक एवं समुदाय के बीच मध्यस्थता कर समन्वय स्थापित करना तथा बी0ई0सी0/क्षेत्रीय बैठकों में व समय–समय पर आयोजित जनता दरबारों में प्रतिभाग करना।
6. विकासखण्ड/नगर क्षेत्र स्तर पर पाठ्य सहगामी क्रिया कलापों का आयोजन करना।
7. सार्वजनिक परीक्षाएं यथा समय कराये जाने हेतु आवश्यक व्यवस्थाऐं करना।
8. राष्ट्रीय कार्यक्रमों को सम्पन्न कराना।
9. पाठ्य पुस्तकों का विद्यालयवार वितरण शैक्षिक सत्र के पूर्व सुनिश्चित करना।

### अधिकार

1. अच्छा कार्य करने वाले अध्यापक/ग्राम/नगर शिक्षा समिति को पुरस्कृत करने हेतु संस्तुत करना।
2. कार्य के प्रति लापरवाह पाये जाने पर अध्यापक को दंडित करने हेतु सिफारिश करना।
3. अध्यापकों की सेवा पंजिका में प्रविष्टि का अधिकार।
4. अध्यापकों के 40 दिन का चिकित्सावकाश तथा आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने का अधिकार।
5. अनुपस्थित पाये जाने वाले अध्यापक के विरूद्ध कार्यवाही करना।
6. नगर शिक्षा अधिकारी को अपने कार्यालय लिपिक/चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों को अवकाश स्वीकृत करना/सेवा पंजिका प्रविष्टि करना आदि।

## 6.5 बी0आर0सी0 / यू0आर0सी0

### दायित्व

1. विद्यालयों का वीक्षण / पर्यवेक्षण व उसकी आख्या नियमित रूप से डायट को भेजना, डायट से विचार विमर्श कर सुधार कराना।
2. विद्यालयों की ए0, बी0, सी0, डी0 में ग्रेडिंग करना।
3. अध्यापक / वी0ई0सी0 / यू0ई0सी0 का प्रशिक्षण कराना।
4. NPRCC/BRCC/URCC की मासिक बैठक करवाना।
5. विकासखण्ड / नगर क्षेत्र के विद्यालयों से सम्बन्धित सभी प्रकार आंकड़े रखना जैसे शैक्षिक / आर्थिक / प्रबन्धकीय कार्य।
6. विद्यालयों को दिये जाने वाले विभिन्न अनुदान जैसे – अध्यापक अनुदान / विद्यालय अनुदान का समुचित उपभोग सुनिश्चित कराना।
7. समस्त प्रकार के पुस्तक मेले जैसे – टी0 एल0 एम0, पुस्तक मेला, बाल मेला आदि का आयोजन करना।

## 6.6 एन0पी0आर0सी0 समन्वयक

### दायित्व

1. न्याय पंचायत क्षेत्र के विद्यालयों का वीक्षण करना।
2. विद्यालय में कमियाँ पाये जाने पर उनमें सुधार लाना।
3. शिक्षण अधिगम सामग्री / पुस्तक मेला का आयोजना करना।
4. विद्यालयों से सभी प्रकार की सूचनाओं का संकलन रखना।

## 6.7 ग्राम /नगर शिक्षा समिति

### दायित्व

1. विद्यालय के समस्त कार्यों पर प्रभावी कार्यवाही करना।

2. नियमित रूप से बैठकें आयोजित करना।

3. लगातार तीन बैठकों में उपस्थित न होने वाले सदस्यों के स्थान पर सक्रिय सदस्यों को निर्वाचित/मनोनीत करना।

4. विद्यालय की समस्याओं का समाधान ग्राम सभा/वार्ड स्तर पर करना एवं इस स्तर पर हल न होने वाली समस्या का समाधान करने हेतु जिला समिति को प्रस्तावित करना।

5. विद्यालय के रख–रखाव, सुरक्षा की पूर्ण जिम्मेदारी समिति की ही होगी।

   इस सम्बन्ध में शिकायत जिला स्तर पर न भेजी जाय।

6. अध्यापकों के साथ सहयोग पूर्ण व्यवहार करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निदान करना।

7. अध्यापकों की समस्याओं के समाधान जैसे आवास आदि में सहयोग देना।

8. एकल अध्यापकीय विद्यालयों में अपरिहार्य परिस्थितियों में विद्यालय बन्द होने की दशा में ग्राम वार्ड के किसी शिक्षित बेरोजगार व्यक्ति से शिक्षा व्यवस्था करवाना ताकि विद्यालय बन्द न रहे। यदि उन्हें किसी प्रकार का मानदेय देना हो तो अपने संसाधनों से मानदेय की व्यवस्था करना।

9. ग्राम/वार्ड के जन समुदाय/विभागों से सम्पर्क कर विद्यालय को अधिकतम लाभ पहुँचाना जैसे स्वास्थ्य परीक्षण, टीके लगवाना, छात्रवृत्ति/मिड डे मील वितरण/पेयजल व्यवस्था आदि।

10. ग्राम/वार्ड के अनु0जाति/पिछड़ी जाति/कंजर/कवाड़ी/मजदूर वर्ग के बच्चों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार न हो इसकी व्यवस्था करना तथा उन्हें विद्यालय सुविधा उपलब्ध कराना।

11. गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले बच्चों, जो निर्धनता के कारण विद्यालय नहीं आ पाते हैं, उसको समिति के माध्यम से आवश्यक सुविधा उपलबध करना जैसे पोशाक, भोजन सामग्री आदि।

12. बालिका शिक्षा हेतु – समुदाय विशेष/अभिभावकों से सम्पर्क करना उनकी समस्या का समाधान करना तथा बालिकाओं को स्कूल भेजने हेतु प्रोत्साहित करना – जैसे घर के बच्चों की देख–रेख कर रही बालिका प्रवेश हेतु बच्चों की E.C.C.E. केन्द्रों में भेजकर बालिका को स्कूल में प्रवेश दिलाना तथा ब्रिज कोर्स/स्कूल कैम्प की व्यवस्था करवाना।

<u>अधिकार</u>

1. लागू योजना की प्रगति समीक्षा करना व उसकी आख्या जनपदीय समिति को भेजना।

2. ग्राम/वार्ड स्तर पर आर्थिक अधिकार भी इसी समिति को दिये जाँय। जैसे सिविल कार्य/छात्रवृत्ति वितरण/ विद्यालय अनुदान का उपयोग।

3. शिकायती प्रकरणों पर जाँच कर समाधान करने का अधिकार दिया जाय जिसके लिए समिति को ही अंतिम निर्णय का अधिकार हो।

4. अच्छे कार्य करने वाले अध्यापक को पुरस्कृत करना व कमी पाये जाने पर अध्यापक की कमियों को अवगत करना उसका समाधान करना तथा आवश्यक हो तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु जिला समिति को दण्ड हेतु प्रस्तावित करना।

5. विद्यालय निरीक्षण व पर्यवेक्षण का अधिकार हो।

# अध्याय – 7

# समन्वयन एवं सहयोग

## 7.1 जनपद नैनीताल में चल रही योजनाओं की जानकारी

1. आई0सी0डी0एस0 व यूनीसेफ द्वारा 0–6 वय वर्ष के बच्चों की पूर्व प्राथमिक शिक्षा योजनान्तर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र तीन विकास खण्डों क्रमशः भीमताल, रामनगर तथा रामगढ़ में संचालित हैं।

2. जनपद के सभी प्राथमिक विद्यालयों में मिड–डे–मील की व्यवस्था चल रही है।

3. सी0डी0एस0 के द्वारा महिला सशक्तीकरण हेतु ग्राम सभा स्तर पर स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जा रहा है।

4. स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा जान लेवा बिमारियों जैसे एड्स, हिपेटाइटिस, पोलियों की जानकारी एवं बचाव हेतु व्यापक प्रचार–प्रसार करना।

5. राष्ट्रीय साक्षरता मिशन द्वारा जनपद नैनीताल में चल रहा उत्तर साक्षरता कार्यक्रम।

6. एन0जी0ओ0 चिराग द्वारा संचालित बालवाड़ी केन्द्र जिनमें पूर्व प्राथमिक स्तर के बच्चों के स्वास्थ्य आदि के देखरेख एवं व्यवहारिक शिक्षा की व्यवस्था।

7. प्रधानमंत्री रोजगार गारन्टी कार्यक्रम, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना।

8. इंटिग्रेटेड एजूकेशन ऑफ दी डिसेबल्ड चिल्ड्रन्स (आई0ई0डी0सी0) सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्रालय द्वारा संचालित केन्द्र, नैनीताल जनपद के हल्द्वानी नगर में उपलब्ध है।

9. सामाजिक वानिकी एवं जलागम प्रबन्ध परियोजना।

10. स्वजल परियोजना नैनीताल जनपद के विकासखण्डों में पेयजल तथा जल के समुचित उपयोग पर कार्य कर रहा है।

11. महिला समाख्या विकास खण्ड बेतालघाट एवं धारी में संचालित।

## 7.2 प्राथमिक शिक्षा में संचालित योजनाओं का महत्व

### 1. आई0सी0डी0एस0 व यूनीसेफ द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र

जनपद नैनीताल में बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र भीमताल, रामगढ़, रामनगर विकासखण्डों में संचालित हैं, केन्द्र सामान्यतया: कार्यकर्त्रियों के आवासों पर चलते हैं, इन्हें विकासखण्ड स्तर पर मुख्य बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा गांवों के ऐसे स्थानों में खोलना सुनिश्चित करना होगा जिससे कि गांव के सभी छोटे बच्चों को और उनके अभिभावकों को सुविधा हो। उक्त चल रहे केन्द्रों में बच्चों के खेलने की सामग्री काफी कम है तथा बच्चों के बैठने हेतु चटाई, श्यामपट्ट आदि शिक्षण सामग्री की कमी है। सर्वशिक्षा अभियान में प्राथमिक विद्यालयों के साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित होने पर बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों की सुविधाओं का लाभ भी मिल जायेगा तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्राथमिक अध्यापकों से शिक्षण में सहयोग भी प्राप्त होगा। कार्यकर्त्रियों को प्राथमिक अध्यापकों की तरह कुछ धनराशि शिक्षण सहायक सामग्री के निर्माण हेतु दी जाय तो कार्यकर्त्रियों का मनोबल बढ़ेगा। सर्वशिक्षा अभियान के प्राविधान के अनुरूप जिला योजना में इसे प्रस्तावित किया गया है।

### 2. सी0डी0एस0

इस कार्यक्रम के तहत ग्राम स्तर पर महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु उनकी सहभागिता बढ़ायी जा रही है तथा महिलाओं को उनकी जिम्मेदारी से भी अवगत कराया जा रहा है यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा संचालित है। सर्व शिक्षा अभियान में सी0डी0एस0 में कार्यरत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण में एम0टी0ए0 के रूप में मदद ली जायेगी तथा इससे बच्चों का नामांकन व धारण भी विद्यालयों में बढ़ेगा। छात्र–छात्राओं व अभिभावकों के बीच एम0टी0ए0 द्वारा दूरी भी कम होगी।

### 3. मिड–डे–मील (मध्याह्न भोजन)

भारत सरकार द्वारा मध्याह्न भोजन व्यवस्था विद्यालयों में नामांकन, धारण तथा बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के उद्देश्य से प्रारम्भ की गयी, जो काफी प्रभावी रही है। इस योजना में

बच्चों का अल्पाहार विद्यालय में तैयार कर अथवा बन्द पैकेट बच्चों को दिया जाय तो विद्यालय बच्चों के लिए ज्यादा आकर्षण का केन्द्र बन जायेंगे। खाद्यान्न वितरण औपचारिकता न होकर वास्तविक रूप में सम्बन्धित छात्र–छात्रा के उपयोगार्थ वितरित हो।

## 4. स्वास्थ्य सम्बन्धी योजनाऐं

स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण का प्राविधान किया गया है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से एड्स, हिपेटाइटिस तथा पोलियों जैसी घातक बिमारियों पर नियन्त्रण हेतु भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहें हैं। प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा गांवों में इन कार्यक्रमों की जानकारी छात्र–छात्राओं के अभिभावकों को देकर उनमें जागरूकता उत्पन्न की जाती है। प्राथमिक विद्यालयों में रोगी पाये जाने वाले बच्चों की पूर्ण चिकित्सा हेतु समुचित व्यवस्था जिला सर्व शिक्षा योजना में प्रस्तावित की गयी है।

## 5. उत्तर साक्षरता कार्यक्रम

उत्तर साक्षरता केन्द्रों में गांव स्तर पर वी0टी0 कार्य कर रहें हैं। वी0टी0 द्वारा उत्तर साक्षरों के उदाहरणों से, प्राथमिक शिक्षा हेतु ग्रामीणों में जन जागरण व अभिप्रेरणा उत्पन्न की जा सकती है तथा महिला साक्षरों की सहायता से बालिका शिक्षा को भी बढ़ाया जा सकता है।

## 6. स्वयं सेवी संस्थाओं के कार्यक्रम (चिराग संस्था)

नैनीताल जनपद में चिराग संस्था द्वारा रामगढ़ विकास खण्ड में बालबाड़ी केन्द्र 6 वर्ष से कम बच्चों के लिए चलाये जा रहे हैं। आई0सी0डी0एस0 कन्द्रों व चिराग द्वारा पोषित केन्द्रों के बीच कार्यक्रमों के आदान–प्रदान से पूर्व प्राथमिक शिक्षा को प्रभावी बनाया जा सकेगा तथा शिक्षण साहित्य में भी बच्चों व स्थानीय आवश्यकताओं को जोड़ा जा सकेगा। बालबाड़ी केन्द्रों को प्रा0 विद्यालयों में समाहित करने से प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापकों की कमी को भी दूर किया जा सकेगा तथा बालबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की प्रभावी गतिविधियाँ की जा सकेगी। इसे जिला सर्व शिक्षा योजना में प्रस्तावित किया गया है।

## 7. प्रधानमंत्री रोजगार गारन्टी कार्यक्रम

अधिकांश प्रा0 विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में हैं और गांवों में अत्यधिक निर्धनता हैं ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वे अपने बच्चों की विद्यालयों में न भेजकर, इन्हें रोजगारोंन्मुख बनाया जाता है। प्रधानमंत्री रोजगार गारन्टी कार्यक्रम में केवल उन्हीं ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने में प्राथमिकता दी जाय जिनके बच्चे सेवित क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत हों।

## 8. विकलांग बच्चों की शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रम

जनपद नैनीताल में 0–14 वय वर्ग में 901 बच्चे विभिन्न प्रकार से डिसेवल्ड हैं। इनमें से मूक एवं बधिर बच्चों की शिक्षा व्यवस्था हल्द्वानी वीर शिवा मूक एवं वधिर विद्यालय में की जा सकती है जो हाथ पैर से विकलांग हैं उन्हें उनकी सुविधा के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों, स्वयं सहायता समूहों तथा प्रा0 विद्यालय के अध्यापकों द्वारा प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध करायी जायेगी। सर्व शिक्षा योजना के प्राविधानों के अनुरूप विकलांग बच्चों को प्रदान की जाने वाली सहायता को प्रस्तावित किया गया है।

## 9. सामाजिक वानिकी एवं जलागम प्रबन्ध परियोजना

गांवों में ग्रामीणों को पर्यावरण की जानकारी व उसके संरक्षण के लाभों को प्रा0 विद्यालयों द्वारा घर–घर तक पहुँचाया जाता है तथा बच्चों में पर्यावरण सुरक्षा की जानकारी से पेड़ पौधों के महत्व की जानकारी बढ़ेगी। इसके प्रचार एवं प्रसार के लिए सम्बन्धित विभाग की सहायता लिया जाना सर्व शिक्षा योजना में प्रस्तावित है।

## 10. स्वजल परियोजना

नैनीताल जनपद में स्वजल परियोजना द्वारा गांवों में पानी का संरक्षण व उपलब्धता का महत्व प्राथमिक शिक्षा में जागरूकता उत्पन्न कर सकता है गांवों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने से बच्चों के समय में भी बचत होगी जिससे वे पढ़ाई लिखाई में अधिक समय दे सकेंगे।

## 11. महिला समाख्या

जनपद नैनीताल में विकास खण्ड बेतालघाट व धारी में महिला समाख्या कार्यक्रम संचालित है। इसके अन्तर्गत महिलाओं को उनके अधिकार एवं कर्तव्य के प्रति जागरूक करना उनकी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान करना तथा शालात्यागी बालिकाओं को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना इनका प्रमुख कार्य है। महिला समाख्या के द्वारा गठित महिला समूहों को एम0टी0ए0 के रूप में प्राथमिक शिक्षा में सहयोगी भूमिका के लिए जिला सर्व शिक्षा योजना में प्रस्तावित किया गया है।

## अध्याय – 8

# विशिष्ट आवश्यकता समूह

### 1. कंजर/कवाड़ी बस्ती/नगर क्षेत्र हल्द्वानी

यहाँ पर कंजर व कवाड़ी के लगभग 150 पिछड़े वर्ग के परिवार रहते हैं जिसमें से कई परिवार माइग्रेटिंग हैं। इनमें लगभग 6 से 14 वय वर्ग के 650 बच्चे विद्यालय नहीं जाते। परिवार की निर्धनता के कारण बच्चों के लिए विद्यालय पोशाक/लेखन सामग्री की व्यवस्था नहीं जुटा पाते। अधिकांश बच्चे कूड़ा बीन कर आजीविका चला रहे हैं। इनके लिए सर्व शिक्षा योजना में वैकल्पिक नवाचार शिक्षा केन्द्रों को प्रस्तावित किया गया है।

### 2. नयी बस्ती हल्द्वानी

वनभूलपूरा मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है जहाँ पर अशिक्षित महिलाएं वनक्षेत्र होने के कारण अपनी बालिकाओं को सह शिक्षा वाले विद्यालयों में नहीं भेजती। उन्हें विद्यालय लाने हेतु जनजागरण अभियान, बाल मेला, सांस्कृतिक मंच आदि का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है तथा नवाचार शिक्षा केन्द्र भी प्रस्तावित किये गये हैं।

### 3. बालिका शिक्षा

जनपद नैनीताल के विकास खण्ड रामनगर में तुमड़िया डाम, कुमुगडार, कालू सैय्यद, अर्जुननाला, थारी, आमडण्डा, लालढांग व सुन्दरखाल; विकास खण्ड ओखलकाण्डा में कालाआगर एवं गलनी तथानगरी क्षेत्र रामनगर में गुलरघट्टी एवं खत्याड़ी आदि ऐसी बस्तियां हैं जहाँ पर अधिकांश छात्राऐं प्राकृतिक अवरोध तथा विशेष समूह के धार्मिक एवं आर्थिक कारणों से स्कूल जाने से वंचित हैं। इन छात्राओं को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए आवासीय विद्यालय ई0जी0एस0 तथा ए0आई0ई0 केन्द्र, सर्व शिक्षा अभियान में प्रस्तावित किये गये हैं। अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों की बालिकाओं को एम0टी0ए0 द्वारा प्रोत्साहित कर उन्हें भी विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जाना प्रस्तावित है जो छात्राऐं अपने छोटे भाई–बहिनों की देखरेख में घर रह जाते हैं उनके भाई–बहिनों के लिए ई0सी0सी0ई0 केन्द्र भी प्रस्तावित किये गये हैं।

# CIVIL WORK

## 2001-2002

(Rs. in Thousand)

| S.N. | Activity | Unit Cost | Ph. Target | Finance |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Additional classroom | 70.00 | 50 ✓ | 3500.00 |
| 2 | Toilet (PS+UPS) | 20.00 | 50 ✓ | 1000.00 |
| 3 | Reconstruction PS | 275.00 | 12 ✓ | 3300.00 |
| 4 | Repair and maintenance | 5.00 | 50 ✓ | 250.00 |
| 5 | Construction of URC | 600.00 | 3 ✓ | 1800.00 |
| 6 | Additional room BRC | 70.00 | 8 ✓ | 560.00 |
| 7 | Repair and Maintenance BRC | 6.00 | 8 ✓ | 48.00 |
| 8 | Construction of CRC | 200.00 | 5 ✓ | 1000.00 |
| 9 | Repair & Maintenance NPRC | 5.00 | 44 | 220.00 |
| | Total | | | 11678.00 |

## TOTAL PROJET COST

| | | |
|---|---|---|
| 1- | ACCESS | 180.00 |
| 2- | RETAINTION | 13586.00 |
| 3- | QUALITY | 16333.20 |
| 4- | CAPACITY BUILDING | 6881.80 |
| | | 36981.00 |

# ANNUAL BUDGET
## DISTT- NAINITAL
## (2001-2002)

(Rs. in Thousand)

| S.N. | ACTIVITY | UNIT COST | PH. TARGET | FINANCE |
|---|---|---|---|---|
| | Opening of E.G.S | 1.00 | 20 | 80.00 |
| | T.L.M for E.G.S. | 5.00 | 20 | 100.00 |
| | **Total** | | | **180.00** |
| | **Retintion** | | | |
| 1. | Additional class room | 70.00 | 50 | 3500.00 |
| 2. | Additional Para Teacher | 2.25 | 65 ✓ | 585.00 |
| 3. | H.T. for ~~old~~ new P.S. (Creation by DSP) | 7.50 | 15 ✓ | 450.00 |
| 4. | H.T. for ~~old~~ new U.P.S. (DSP) | 8.50 | 17 ✓ | 578.00 |
| 5. | Toilet (P.S. + U.P.S) | 20.00 | 50 | 1000.00 |
| 6. | Reconstruction of old P.S. | 275.00 | 12 | 3300.00 |
| 7. | Repair and maintenance of school | 5.00 | 50 | 250.00 |
| 8. | School Importance grant (PS+UPS) | 2.00 | 1221 | 2442.00 |
| 9. | Work experience programme | 25.00 | 20 | 500.00 |
| | **Opening of ECCE Centres** | | | |
| | T.L.M for ECCE centres | 5.00 | 50 | 250.00 |
| | Additional Honorarium | .375 | 50 | 75.00 |
| | **Community mobilization** | | | |
| | M.T.A/P.T.A meeting per month | .007 | 1000 | 4.00 |
| | Kala Jatha | 8.00 | 44 | 352.00 |
| | Health check up (PS+HS+Inter) | 0.50 | 600 | 300.00 |
| | **Quality Improvement Training** | | | |
| 1. | URC/ BRC Coordinator 10 days | 0.07 | 11 | 7.70 |
| 2. | CRC/ NPRC coordinator 10 days | 0.07 | 49 | 34.30 |

| S.N. | ACTIVITY | UNIT COST | PH. TARGET | FINANCE |
|---|---|---|---|---|
| 3. | Resources person Training 10 days | 0.07 | 44 | 30.80 |
| 4. | A.B.S.A/S.D.I/N.S.A 5 days | 0.07 | 18 | 6.30 |
| 5. | AE/JE 5days | 0.07 | 11 | 3.85 |
| | ECCE Works 5 days | 0.07 | 50 | 17.50 |
| | **Teaching learning material** | | | |
| | Teacher grant | 0.50 | 3400 | 1700.00 |
| | Free text books SC/ST children and girls | 0.150 | 96885 | 14532.75 |
| | **Total** | | | **16333.20** |
| | **Capacity Building** | | | |
| | Construction of URC | 600.00 | 3 | 1800.00 |
| | Salary of URC coordinator | 8.50 | 3 | 102.00 |
| | Salary of URC/BRC coordinator | 7.50 | 14 | 420.00 |
| | Peon URC | 3.00 | 3 | 36.00 |
| | Photocopier | 100.00 | 11 | 1100.00 |
| | T.A/D.A | 5.00 | 11 | 55.00 |
| | Maintenance of equipment BRC | 1.00 | 8 | 8.00 |
| | Maintenance of BRC | 6.00 | 8 | 48.00 |
| | Books for URC | 10.00 | 3 | 30.00 |
| | Stationary Contingency | 12.00 | 11 | 132.00 |
| | Additional room | 70.00 | 8 | 560.00 |
| | Monthly Review meeting CRC NPRC coordinator | 0.30 | 8 | 9.60 |
| | **Total** | | | **4300.60** |
| | **School Complex NPRC** | | | |
| 1. | Construction of CRC | 200.00 | 05 | 1000.00 |
| 2. | Salary of CRC coordinator | 7.50 | 05 | 150.00 |
| 3. | Monthly meeting of Teacher | 0.20 | 49 | 39.00 |
| 4. | Equipment furniture | 10.00 | 5 | 50.00 |

| S.N. | ACTIVITY | UNIT COST | PH. TARGET | FINANCE |
|---|---|---|---|---|
| 5. | Books | 5.00 | 5 | 25.00 |
| 6. | Maintenance | 5.00 | 44 | 220.00 |
| | **Total** | | | **1484.20** |
| | **District Project office** | | | |
| 1. | District coordinator | 10.00 | 4 | 160.00 |
| 2. | Assistant Account officer | 10.00 | 1 | 40.00 |
| 3. | Computer operator | 7.00 | 1 | 28.00 |
| 4. | Accountant | 7.00 | 1 | 28.00 |
| 5. | Personal Assistant | 7.00 | 1 | 28.00 |
| 6. | Typist | 4.00 | 2 | 32.00 |
| 7. | Peon | 3.00 | 3 | 36.00 |
| 8. | Vehicle Hiring | 100.00 | 1 | 100.00 |
| 9. | Computer Advance Technology | 125.00 | 1 | 125.00 |
| 10. | P.O.L | 50.00 | 1 | 50.00 |
| 11. | Photo copier maintenance | 15.00 | 1 | 15.00 |
| 12. | Telephone connection bill | 30.00 | 1 | 30.00 |
| 13. | Electricity connection bill | 50.00 | 1 | 50.00 |
| 14. | TA/DA DPO SDS/ABS-ANSA | 150.00 | | 150.00 |
| 15. | Stationary | 50.00 | | 50.00 |
| 16. | Contingency | 50.00 | | 50.00 |
| 17. | Printing | 50.00 | | 50.00 |
| 18. | Computer contingency | 25.00 | 1 | 25.00 |
| 19. | Annual work plan preparation | 50.00 | 1 | 50.00 |
| | Total | | | 1097.00 |
| | Grand Total | | | 36981.00 |

# ई0जी0एस0 केन्द्रों की सूची (जनपद – नैनीताल)

| क्र0स0 | विकासखण्ड का नाम | बस्ती का नाम जहां केन्द्र की आवश्यकता है। | ग्राम सभा का नाम | सेवित क्षेत्र की जनसंख्या | निकटतम विद्यालय का नाम | निकटतम विद्यालय की दूरी | क्या सेवित क्षेत्र अनु0जाति जनजाति बाहुल्य है। | अनुमानित छात्र संख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | ओखल काण्डा | 1 जाला | ल्वाड़ | 160 | प्रा0 वि0 छीड़ा | 1.5 कि0मी0 | हॉ | 23 |
| | | 2 सेला | धैना | 145 | " धैना | 1.0 कि0मी0 | नहीं | 35 |
| | | 3 गौतपंगू | कैड़ागांव | 140 | " कैड़ागांव | 2.0 कि0मी0 | नहीं | 35 |
| | | 4 उडियारी | नाई | 162 | " बरमंधार | 1.0 कि0मी0 | हॉ | 17 |
| 2 | कोटाबाग | 5 करलीखेत | बगड़ | 90 | " पिनोनिया | 2.0 कि0मी0 | हॉ | 20 |
| | | 6 चोर पानी | बाधनी डोला | 175 | " बाधनी | 2.0 कि0मी0 | नहीं | 30 |
| 3 | रामगढ़ | 7 डोल | सिगराड | 95 | " जाजर | 5.0 कि0मी0 | नहीं | 10 |
| | | 8 तरेना | पांथरी | 98 | " सुयालगांव | 3.0 कि0मी0 | नहीं | 20 |
| 4 | रामनगर | 9 बेलगढ़ | छोई | 121 | " कंचनपुर छोई | 4.0 कि0मी0 | हॉ | 12 |
| | | 10 नाथूपुर | खुशालपुर | 103 | " मोतीपुरछोई | 1.0 कि0मी0 | हॉ | 12 |
| | | 11 तुमडिया खत्ता | वनग्राम | 140 | " मोहननगर | 3.0 कि0मी0 | नहीं | 19 |
| | | 12 नत्थावली | वनग्राम | 171 | " आनन्दनगर | 3.0 कि0मी0 | हॉ | 35 |
| 5 | हल्द्वानी | 13 निगल्टिया खत्ता | वनग्राम | 205 | " पीपलपड़ाव | 3.0 कि0मी0 | नहीं | 20 |
| | | 14 श्रीलंका टापू | वनग्राम | 125 | " रेखाल खत्ता | 3.0 कि0मी0 | नहीं | 22 |
| 6 | बेतालघाट | 15 चनुवाखरीक | विनकोट | 104 | " जितुवा पीपल | 3.0 कि0मी0 | हॉ | 35 |
| | | 16 पांग | पानकटा | 265 | " पानकटारा | 2.0 कि0मी0 | हॉ | 35 |
| 7 | धारी | 17 खुटका | देवनगर | 61 | " पलड़ा | 3.0 कि0मी0 | नहीं | 12 |
| | | 18 कोटवना | बबियाड़ | 83 | " भोड़िया | 1.5 कि0मी0 | नहीं | 12 |
| 8 | नगर हल्द्वानी | 19 लाइन न0 17 | वार्ड न0 20 | 6124 | " वनभूलपुरा | 2.0 कि0मी0 | अल्पसंख्यक | 144 |
| | | 20 गांधी नगर | वार्ड न0 1 | 4075 | " गांधीनगर | 0.5 कि0मी0 | अल्पसंख्यक | 105 |

# अतिरिक्त कक्ष

| नगर/क्षेत्र का नाम | प्रा0 वि0 का नाम | उ0 प्रा0 वि0 का नाम |
|---|---|---|
| 1. हल्द्वानी | 1. प्रा0 लछमपुर | |
| | 2. नयागाँव कटान | |
| | 3. प्रा0 पन्याली | |
| | 4. मोतीनगर | |
| | 5. हल्दूचौड़ | |
| | 6. क0 मौरी | |
| | 7. लालकुआँ ग्राम | |
| 2. नगर क्षेत्र हल्द्वानी | 8. प्रा0 वि0 वनभूलपुरा | |
| | 9. प्रा0 वि0 इन्द्रानगर | |
| | 10. प्रा0 वि0 सुभाषनगर | |
| 3- रामगढ़ | 11. सुयालगाड़ | |
| | 12. लोशज्ञानी | |
| 4-ओखलकांडा | 13. प्रा0 डालकन्या | |
| | 14. प्रा0 पतलोट | |
| | 15. प्रा0 खनस्यूँ | |
| | 16. प्रा0 कुकना | |
| | 17. प्रा0 सेमलकन्या | |
| | 18. प्रा0 काण्डा | |
| | 19. प्रा0 डनसीली मल्ली | |
| | 20. प्रा0 रैकुना टकुरा | |
| | 21. प्रा0 भीड़ापानी | |
| | 22. प्रा0 कचलाकोट | |

| | |
|---|---|
| 6- धारी | 23. ब ना |
| | 24. सरना |
| | 25. बबियाड़ |
| | 26. अर्नपा |
| | 27. चोरलेख |
| | 28 मनाघेर |
| 7- बेतालघाट | 29. पाडली |
| | 30. प्रा0 अमेल |
| | 31. प्रा0 जमीरा |
| | 32. खलाड़ |
| 8- रामनगर ग्रामीण | 33. टाडा मल्लू |
| | 34. सावल्दे पश्चिम |
| | 35. तुमड़ियाडाम प्रथम |
| | 36. रामपुर |
| | 37. आनन्दनगर |
| | 38. प्रा0 चिल्किया |
| | 39. प्रा0 पीरूमदारा |
| | 40. प्रा0 हिम्मतपुर ब्लाक |
| | 41. पीपलसाना |
| | 42. प्रा0 बेरिया नवीन |
| | 43. प्रा0 बैड़ाझाल |
| 9- भीमताल | 44. रौशिल मल्ला |
| | 45. भाँकर |
| 10- नगर रामनगर | 46. प्रा0 मोती महल |
| | 47. प्रा0 खताड़ी |
| | 48. प्रा0 रामनगर (ग्रा0) |
| 11- कोटाबाग | 49. प्रा0 गुलजारपुर बंकी |
| | 50. बिदरामपुर |

कुल = 50

# शौचालय विहीन विद्यालयों की सूची

| नगर/क्षेत्र का नाम | प्रा0 वि0 का नाम | उ0 प्रा0 वि0 का नाम |
|---|---|---|
| 1. हल्द्वानी | 1. प्रा0 वि0 हिम्मतपुर चौम्बाल | 1. कन्या जवाहर ज्योति |
| | 2. प्रा0 वि0 कमलुवागाँजा | 2. कन्या लामाचौड़ |
| 2. भीमताल | 3. प्रा0 वि0 भाँकर | 3. उ0 प्रा0 फगुनियाखेत |
| | 4. प्रा0 वि0 उढुवाँ | 4. उ0 प्रा0 नाइसिला |
| 3. कोटाबाग | 5. प्रा0 वि0 रूपपुर | 5. उ0 प्रा0 बोहराकून |
| | 6. प्रा0 वि0 अमतोली | 6. उ0 प्रा0 अल्चौना |
| 4. नगर हल्द्वानी | 7. प्रा0 वि0 वनभूलपुरा | 7. उ0 प्रा0 कुनरखेत |
| | | 8. उ0 प्रा0 ओखलढुंगा |
| | | 9. उ0 प्रा0 सौड़ |
| | | 10. कन्या तुलसीनगर |
| 5. नगर रामनगर | 8. प्रा0 वि0 लखनपुर | |
| | 9. प्रा0 वि0 बम्बाघेर | |
| 6. ओखलकांडा | 10. प्रा0 वि0 डेफ्टा | 11. उ0 प्रा0 रैकुना |
| | 11. प्रा0 वि0 पदमपुर | |
| | 12. प्रा0 वि0 चकडोबा | |
| | 13. प्रा0 वि0 मटेला | |
| | 14. प्रा0 वि0 गौनियाँरौ म0 | |
| | 15. प्रा0 वि0 भुमका | |
| 7. रामगढ़ | 16. प्रा0 वि0 सूपी | 12. कन्या सुयालबाड़ी |
| | 17. प्रा0 वि0 शिलंगढ़ार | |
| | 18. प्रा0 वि0 बैरोली | |
| 8. बेतालघाट | 19. प्रा0 वि0 पुराना चौर्सा | 13. उ0 प्रा0 पुराना चौर्सा |
| | 20. प्रा0 वि0 रींची | |
| | 21. प्रा0 वि0 जमीरा | |

| नगर/क्षेत्र का नाम | प्रा0 वि0 का नाम | उ0 प्रा0 वि0 का नाम |
|---|---|---|
| | 22. प्रा0 वि0 जिनोली | |
| | 23. प्रा0 वि0 गरमपानी | |
| | 24. प्रा0 वि0 पाडली | |
| | 25. प्रा0 वि0 घोड़िया हल्सौं | |
| 9. धारी | 26. प्रा0 वि0 शशिवनी | 14. सलियाकोट |
| | 27. प्रा0 वि0 गजार | 15. जाड़ा पानी |
| | 28. प्रा0 वि0 टांडी | |
| | 29. प्रा0 वि0 सरना | |
| | 30. प्रा0 वि0 दुदुली | |
| 10. नगर नैनीताल | 31. प्रा0 वि0 नारायणपुर | |
| 11. नगर भवाली | 32. प्रा0 वि0 भौनियाधार | |
| 12 ~~नगर~~ रामनगर ग्रामीण | 33. प्रा0 वि0 राजपुर | |
| | 34. उदयपुरी वन्दोबस्ती | |
| | 35. प्रा0 वि0 बचीनगर | |

# मरम्मत योग्य विद्यालयों की सूची

| नगर/क्षेत्र का नाम | प्रा0 वि0 का नाम | उ0 प्रा0 वि0 का नाम |
|---|---|---|
| 1. हल्द्वानी नगर | 1. प्रा0 वि0 गांधीनगर | |
| | 2. बा0 प्रा0 कालाढुंगी रोड | |
| | 3. कन्या प्रा0 कालाढुंगी रोड | |
| | 4. इन्दिरानगर प्रा0 वि0 | |
| | 5. कन्या प्रा0 वि0 बरेली रोड | |
| | 6. प्रा0 वनभूलपुरा | |
| 2. ओखलकांडा | 7. प्रा0 नगौनिया | |
| | 8. प्रा0 कुण्डल | |
| | 9. प्रा0 सिरायल | |
| 3. धारी | 10. प्रा0 धानाचूली नवीन | |
| | 11. प्रा0 कनियागैर | |
| | 12. लढफो प्राचीन | |
| | 13. प्रा0 मटियाल | |
| | 14. प्रा0 चोरलेख | |
| 4. बेतालघाट | 15. प्रा0 धनियाकोट | |
| | 16. प्रा0 चन्द्रकोट | |
| | 17. प्रा0 चडयूला | |
| | 18. प्रा0 फड़िका | |
| | 19. प्रा0 तिवाड़ीगाँव | |
| | 20. प्रा0 सिरोड़ी | |
| | 21. पू0 मा0 वि0 सैनीटोरियम | |
| | 22. पानकटारा | |
| | 23. कटनीगजार | |
| | 24. रोपा | |

| | |
|---|---|
| | 25. खलाड़ |
| | 26. आटावृत्ता |
| | 27. सिमराड़ |
| | 28. सोनली |
| 5. रामनगर | 29. प्रा0 पाटकोट |
| | 30. ढिकुली |
| | 31. भलौन |
| | 32. नारायणपुर |
| | 33. हिम्मतपुर ब्लाक |
| | 34. प्रा0 बसई |
| 6. भीमताल | 35. प्रा0 सांगुड़ीगाँव |
| | 36. प्रा0 भरतपुर |
| | 37. प्रा0 गेठिया सैनिटोरियम |
| | 38. प्रा0 अमियाँ |
| | 39. प्रा0 खैरोला |
| | 40. प्रा0 खड़की |
| | 41. प्रा0 बूढ़ाधूरा |
| | 42. प्रा0 भाँकर |
| | 43. प्रा0 महरागाँव–द्वितीय |
| | 44. प्रा0 जोग्यूड़ा |
| | 45. प्रा0 सारी |
| | 46. प्रा0 खमारी |
| | 47. प्रा0 खुर्पाताल |
| | 48. जू0 हा0 खुर्पाताल |
| 7. कोटाबाग | 49. प्रा0 नयागाँव |
| | 50. प्रा0 धमोला |
| | कुल = 50 |